जबलपुर
रविवार 8 मार्च 2026

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

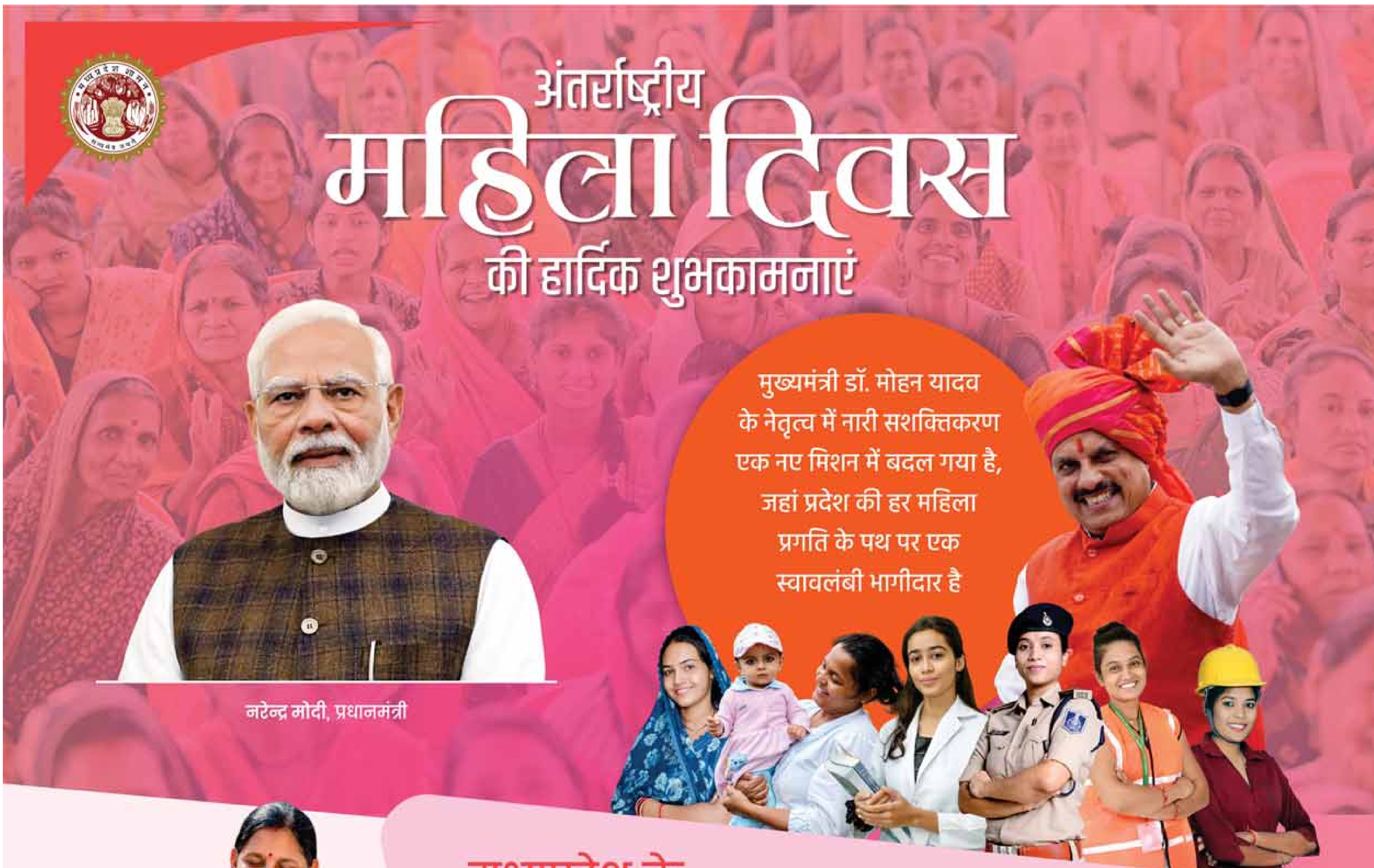

मध्यप्रदेश के प्रगतिशील परिवर्तन की स्वावलंबी भागीदार नारी शक्ति

सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण

- 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को हर माह ₹1500 की सहायता से सुनिश्चित हो रहा **आर्थिक स्वावलंबन**
- महिलाओं के नाम संपत्ति पर रजिस्ट्री शुल्क में 2% विशेष रियायत से मिला भूमि और संपत्ति पर अधिकार
- 62 लाख **महिलाएं स्व-सहायता** समूहों से जुड़कर हुईं आत्मनिर्भर
- **'लखपति दीदी योजना'** से 12 लाख+ महिलाओं की वार्षिक आय हुई ₹1 लाख से अधिक
- 89 लाख महिलाओं को **उज्ज्वला** गैस कनेक्शन और लाड़ली बहनों को **₹450 में सस्ते गैस सिलेंडर से मिली** रसोई में राहत
- 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान से कृषि में बढ़ रही भागीदारी

प्रशासनिक-राजनीतिक भागीदारी

- शासकीय नौकरियों में **35% तक आरक्षण** से बढ़ी प्रशासनिक एवं निर्णयकारी पदों पर महिलाओं की मौजूदगी
- पंचायत एवं नगरीय निकायों में **50% तक आरक्षण से मिली लोकतंत्र** में ऐतिहासिक भागीदारी

सुरक्षा ने बढ़ाया आत्मविश्वास

- **'वन स्टॉप सेंटर'** से हिंसा पीड़िता को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य और कानूनी परामर्श, हर जिले में सुरक्षित एवं त्वरित सहायता
- थानों में विशेष **महिला हेल्प डेस्क**
- संकट की स्थिति में डायल **181/ 1098** या **112** पर तुरंत सहायता
- छात्राओं एवं कार्यरत महिलाओं के लिए **सुरक्षित और किफायती छात्रावास**

शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों तक पहुंच

- जन्म से उच्च शिक्षा तक आर्थिक सहायता दे रही **लाड़ली लक्ष्मी योजना**
- जन्मदर सुधार, शिक्षा प्रोत्साहन और बालिकाओं की सुरक्षा पर केंद्रित अभियान **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ**
- **एमएसएमई** इकाइयों में महिलाओं को प्रोत्साहन, 47% से अधिक एमएसएमई महिलाओं के नेतृत्व में संचालित
- कौशल, परामर्श और आर्थिक सशक्तिकरण हेतु **हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वुमन** एकीकृत केंद्र संचालित
- कौशल और रोज़गार सहायता के लिए **'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम**

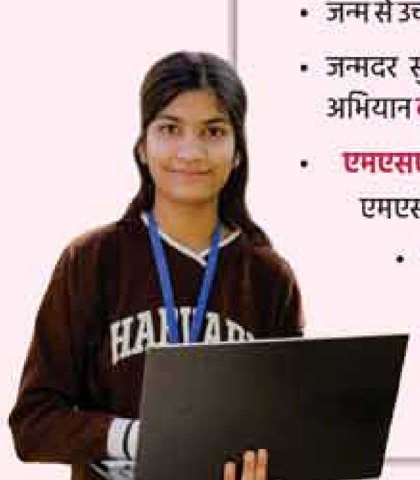

स्वास्थ्य की बेहतरी

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** से गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण सहायता
- **जननी सुरक्षा योजना** से ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों की गर्भवती महिलाओं को सीधी सहायता
- गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए पोषण तथा बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा हेतु **आंगनवाड़ी सेवाएं**
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जागरूकता हेतु **सुमन सखी चैटबॉट** की शुरुआत

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

D-11217/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

A.P.N.

International Women's Day

GROUP OF INSTITUTIONS

The Oldest Institute of Mahakoushal

Ested- 1871

आप जिधर भी देखें, महिलाएं नेतृत्व करती नजर आएंगी, चाहे वह सीईओ हों या संघर्ष के चरम पर फंसी अकेली मां।
एक दृढ़ निश्चयी महिला से बढ़कर कोई ताकत नहीं होती। वह शक्ति और गरिमा से परिपूर्ण है, और वह भविष्य के भय के बिना हसंती है।

महिला दिवस पर सभी बहनों को हार्दिक शुभकामनाएँ

MEENA SHRIVASTAVA
CHAIRMAN

- A.P.N. H.S.School (State Board), Nursery to Class 12th
- A.P.N. C.B.S.E. Senior Secondary School (Central Board)
- A.P.N. College (B.A., B.Sc., B.Com., B.Ed., D.El.Ed.)
- A.P.N. Law College (LL.B, B.A.LL.B, B.Com.LL.B, LL.M)

Cantt. Jabalpur (M.P.)

AKHIL BHARTIYA KAYASTHA MAHASABHA (M.P.)

Office Phone: 0761- 2629223, 2629229

SHRIRANG

नारी शक्ति का सम्मानः समानता, अधिकार और सशक्तिकरण की ओर बढ़ता समाज

महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण ही एक समृद्ध और प्रगतिशील राष्ट्र की आधारशिला हर वर्ष 8 मार्च को विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, उनके संघर्षों, उनके अधिकारों और समाज के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है। महिला दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं बल्कि समाज को यह याद दिलाने का दिन है कि महिलाओं के बिना किसी भी राष्ट्र की प्रगति अधूरी है।

महिला दिवस का संदेश

महिला दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हम महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के लिए क्या योगदान दे रहे हैं। यह केवल महिलाओं का दिन नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा का दिन है। यह दिन हमें यह संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि हम महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और सुरक्षा की भावना को अपने व्यवहार और सामाजिक व्यवस्था में स्थापित करेंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवतायत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वेस्तत्राफला क्रिया मनुस्मृति

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि उस शक्ति, संघर्ष और समर्पण का सम्मान है जो नारी सदियों से समाज को देती आई है। भारत की नारी ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से यह सिद्ध किया है कि यदि अवसर और विश्वास मिले तो वह समाज, परिवार और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकती है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महिला चिकित्सकों का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है। एक महिला डॉक्टर केवल रोग का उपचार ही नहीं करती, बल्कि अपने संवेदनशील व्यवहार, धैर्य और सेवा भाव से मरीजों को मानसिक और भावनात्मक सहारा भी देती है। मातृत्व, शिशु स्वास्थ्य, महिलाओं से जुड़ी जटिल स्वास्थ्य समस्याएँ और परिवार के समग्र स्वास्थ्य की देखभाल में महिला चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज देश के अस्पतालों, चिकित्सा संस्थानों और शोध केंद्रों में हजारों महिला चिकित्सक दिन-रात सेवा दे रही हैं। वे न केवल चिकित्सा सेवा प्रदान कर रही हैं बल्कि नई पीढ़ी को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी बना रही हैं। महामारी जैसे कठिन समय में भी महिला डॉक्टरों ने अपने साहस और कर्तव्यनिष्ठा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। भारतीय समाज में नारी का योगदान केवल स्वास्थ्य या शिक्षा तक सीमित नहीं है। राजनीति, विज्ञान, प्रशासन, खेल, कला और उद्यमिता जैसे अनेक क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी क्षमता का परचम लहराया है। एक बेटी, बहन, माँ और पेशेवर के रूप में वह हर भूमिका में समाज को सशक्त बनाती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करें। जब नारी सशक्त होगी, शिक्षित होगी और स्वस्थ होगी, तभी समाज भी प्रगतिशील और समृद्ध बन सकेगा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं सभी महिला चिकित्सकों और देश की प्रत्येक नारी को उनके समर्पण, संघर्ष और योगदान के लिए हृदय से नमन करती हूँ। आइए हम सभी मिलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ नारी को सम्मान, समानता और अपने सपनों को साकार करने का पूरा अवसर मिले।

"सशक्त नारी ही सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र की पहचान है।"

डॉ. स्नेहा मेथवानी

महिला दिवस विशेष लेख
सशक्त नारी ही स्वस्थ समाज की आधारशिला
डॉ. स्नेहा मेथवानी के शब्दों में

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने, लैंगिक समानता की वकालत करने और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करने का एक वैश्विक दिन है, जो शिक्षा, विज्ञान, राजनीति और कला जैसे हर क्षेत्र में महिलाओं की शक्ति और सशक्तिकरण को दर्शाता है, ताकि सभी के लिए समान अवसर और अधिकार सुनिश्चित किए जा सकें

अंजू भार्गव
भाजपा वरिष्ठ समाज सेवीका

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवतायत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वेस्तत्राफला क्रिया मनुस्मृति

भारतीय ज्ञान परंपरा में नारी का देवता के तुल्य माना गया है, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि एक नारी के शिक्षित होने से सम्पूर्ण मानव समाज शिक्षित होता है नारी के नेतृत्व एवं भूमिका ने हर युग में समाज को प्रेरणा एवं दिशा देने का काम किया है, चाहे वह रानी दुर्गावती के रूप में चाहे रानी लक्ष्मी बाई के रूप में हो। महात्मा गांधी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन विगत वर्षो से होम्योपैथी, नर्सिंग, शिक्षा, विधि के क्षेत्र में महिलाओं की अग्रणी भूमिका को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है। जब बेटियां शिक्षित होंगी तभी समाज उन्नत होगा। महिला दिवस पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

कृतिका वर्मा
संचालक
महात्मा गांधी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

महिला सशक्तिकरण - समय की सबसे बड़ी आवश्यकता

आज के दौर में Women Empowerment केवल एक नारा नहीं बल्कि समाज की प्रगति की सबसे मजबूत नींव है। जब एक महिला शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनती है, तो वह पूरे परिवार और समाज को आगे बढ़ाती है। वर्तमान समय की चुनौतियों के बीच हमें बेटियों को Education, Respect और Equal Opportunities देना होगा।
आइए हम सभी मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं जहाँ हर बेटी अपने सपनों को पूरा करने का साहस कर सके और समाज के विकास में अग्रणी भूमिका निभाए।

Principal
Sonal TiwariYash
Nursery Higher Secondary School,
Jabalpur

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवतायत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वेस्तत्राफला क्रिया मनुस्मृति

नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि सृजन, शक्ति, संवेदना और साहस का अद्भुत संगम है। वह जीवन की आधारशिला है—माँ के रूप में ममता, बहन के रूप में स्नेह, पत्नी के रूप में सहयोग और समाज के हर क्षेत्र में नेतृत्व व प्रेरणा का प्रतीक है। महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल अधिकार देना नहीं, बल्कि महिलाओं को शिक्षा, सम्मान, समान अवसर और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का वातावरण देना है। जब एक महिला सशक्त होती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त बनता है। आइए इस महिला दिवस पर हम संकल्प लें कि हर महिला को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करेंगे, ताकि वह अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य से समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जा सके।

डॉ. जूली वाधवानी

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सशक्त नारी ही सशक्त समाज और उज्ज्वल भविष्य की पहचान है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस पावन अवसर पर सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएँ। नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। जब एक महिला शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनती है तो वह आने वाली पीढ़ियों को भी संस्कार, शिक्षा और आत्मविश्वास की दिशा देती है।
आइए हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हर बेटी को सम्मान, शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें, ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सके और देश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रख सके।

मनीषा दीक्षित
समाजसेवी

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. कावेरी शॉ पटेल

Golden Women Care
—HOSPITAL—

International Women's Day

स्त्री प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
एम.एस. गायनी,
लैप्रोस्कोपिक सर्जन (मुम्बई)
रोबोटिक सर्जन (हैदराबाद)
MS, FMAS, FICOG, FIGORS

आइए जाने उपलब्ध सेवाएँ

- दूरबीन पद्धति से गर्भाशय ट्यूमर, गर्भाशय कैंसर फाइब्रॉइड, गर्भाशय के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन द्वारा एक्टोपिक प्रेगनेन्सी का निदान
- पी.सी.ओ.एस. के इलाज की सुविधा
- दूरबीन द्वारा (हिस्ट्रोस्कोपी/बायोप्सी) की सुविधा
- कॉल्पोस्कोपी (कैंसर की प्रारंभिक जांच व निदान की सुविधा
- हाई रिस्क डिलीवरी की सुविधा
- गर्भधारण समस्या, सिस्ट का इलाज

लैप्रोस्कोपी सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है

फोनः 8770499175, 0761- 4007433

मिलने का समय

- विजया वुमेन्स क्लीनिक एवं गोल्डन वुमेन केयर हॉस्पिटल, हवाबाग कॉलेज के पास, नर्मदा रोड, बंदरिया तिराहा, ओजस इमर्जेंसिया के पास, APR कॉलोनी, जबलपुर
- गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल, राइट टाउन, गौमाता चौक, केशवकुटी के सामने, जबलपुर
- पटेल हार्ट क्लीनिक, राइट टाउन स्टेडियम, गेट नं. 1, होटल सत्य अशोका के सामने, जबलपुर

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आधुनिक डिजाईन के साथ
भारतीय सिप कौशल

Q by
सोनिया बडेरिया
फैशन डिजाइनर

रामपुर चौक, ग्वारीघाट रोड मोबा. 9575300126

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विश्व के कई देशों में मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन है जब महिलाओं को राष्ट्रीय, जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, आर्थिक या राजनीतिक किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाता है। उन शुरूआती वर्षों से ही, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ने विकसित और विकासशील देशों की महिलाओं के लिए एक नया वैश्विक आयाम ग्रहण कर लिया है। चार वैश्विक संयुक्त राष्ट्र महिला सम्मेलनों से मजबूत हुए बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय महिला आंदोलन ने इस दिवस को महिलाओं के अधिकारों और राजनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में उनकी भागीदारी के लिए समर्थन जुटाने का एक महत्वपूर्ण केंद्र बना दिया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को आधिकारिक तौर पर 1977 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता दी गई थी, और यह पहली बार बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में उत्तरी अमेरिका और पूरे यूरोप में श्रमिक आंदोलनों की गतिविधियों से उभरा था। हम आपको महिलाओं के अधिकारों के इतिहास और इस क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के योगदान के बारे में जानने के लिए आमंत्रित करते हैं।

श्रीमति संध्या मिश्रा

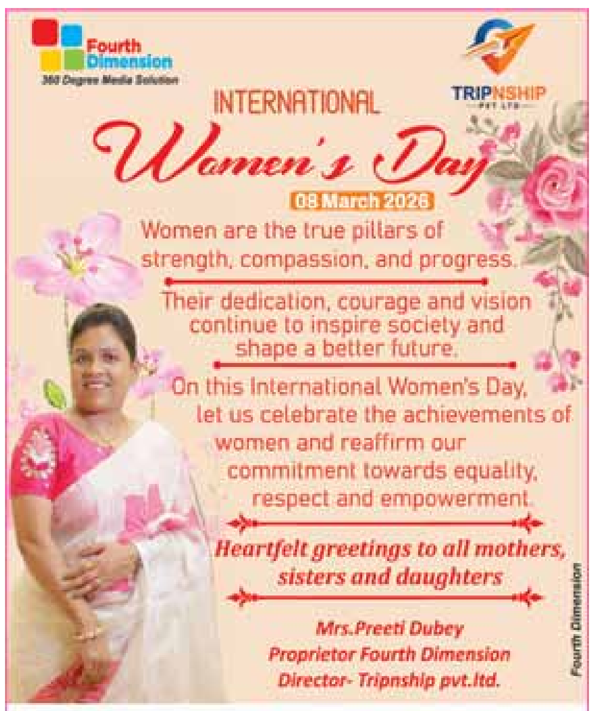

INTERNATIONAL
Women's Day
08 March 2026

Women are the true pillars of strength, compassion, and progress.

Their dedication, courage and vision continue to inspire society and shape a better future.

On this International Women's Day, let us celebrate the achievements of women and reaffirm our commitment towards equality, respect and empowerment.

Heartfelt greetings to all mothers, sisters and daughters

Mrs.Preeti Dubey
Proprietor Fourth Dimension
Director- Tripnship pvt.ltd.

Fourth Dimension

F4, Laxman Complex, Behind Ayushman Hospital Bhawartal Garden Road,Russel Chowk ,Jabalpur
+91 900 950 5666, 626 146 8851, 930 012 1895, 0761- 404 55 11 4djabalpur@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्रीमती ऊमा सोनी
पूर्व नपा अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्रीमती ऊमा महेन्द्र तिवारी
समाज सेविका कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्रीमती वैशाली बद्री ताम्रकार
नपा उपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

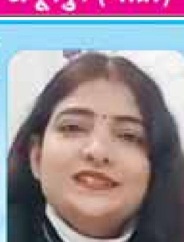

डॉ. संगीता प्रजापती
सामुदायिक स्वास्थ केंद्र
सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. राजलक्ष्मी त्रिपाठी

हर बहन समर्पण के साथ-साथ जीवन को सार्थक बनाने की पहल करें। भावनात्मक नहीं बुद्धिमत्ता पूर्ण निर्णय ले। कर्तव्य के साथ-साथ अधिकारों को जाने और आत्मसम्मान से जिए। अपनी शिक्षा को अत्यंत गंभीरता से ले पूर्ण ईमानदारी से अध्ययन करें क्योंकि ज्ञान ही आपको समाज में अपना स्थान और पहचान दिला सकता है। हर व्यक्ति के जीवन की आवश्यकता होता है एक ऐसा व्यक्ति, जो उससे वह करवा सके जो वह करने में सक्षम है, तो अपने परिवार के लिए एक ऐसे विशिष्ट व्यक्तित्व को स्वयं में तैयार करें।

TIMES PUBLIC SCHOOL

Affiliated to CBSE, New Delhi. (Aff. No. - 1031083)
A Sheer Learning Experience

HAPPY WOMEN'S DAY

"GURU BHI, SHAKTI BHI,
WAHI HAI NAARI,
HAR CLASSROOM SE ROSHAN HOTI
DUNIYA SAARI... "

For Admission Enquiry - 6262438386, 6232058497.
www.timespublicschool.com

जबलपुर
रविवार 8 मार्च 2026
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष-6
वर्ष : 20, अंक : 306
पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 *
मौसम
अधि. 34
न्यून. 19
#Give Gain To
हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज

विश्व महिला दिवस विशेष

आईटी इंजीनियर बनीं सफल मत्स्य उद्यमी

- पथरीली जमीन पर पांच तालाब, 40 टन मछली उत्पादन से 55 लाख का सालाना कारोबार
- हैदराबाद की मल्टीनेशनल नौकरी छोड़ जबलपुर लौटीं भाविनी झा ने आधुनिक तकनीक से खड़ा किया मत्स्य पालन का मॉडल

अनुरोध पटेरिया

जबलपुर। हैदराबाद की मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी छोड़कर जबलपुर लौटीं आईटी इंजीनियर भाविनी झा ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। पथरीली जमीन और शुरुआती असफलताओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और आधुनिक तकनीक के सहारे साढ़े तीन वर्षों में अपने व्यवसाय को 55 लाख रुपये सालाना टर्नओवर तक पहुंचा दिया।

नेपियर टाउन निवासी भाविनी ने सूचना प्रौद्योगिकी में इंजीनियरिंग के बाद हैदराबाद में नौकरी की। विवाह के बाद वे जबलपुर आकर पति कौस्तुभ वर्मा के कोचिंग संस्थान में सहयोग करने लगीं। वर्ष 2021 तक कोचिंग से जुड़ी रहने के बाद उन्होंने खाद्य आधारित व्यवसाय की दिशा में कदम बढ़ाया।

जमीन की तलाश में वे स्वयं आसपास के गांवों में गईं और अंततः ग्राम हिनौतिया में साढ़े चार एकड़ भूमि खरीदी। वर्ष 2022 में पहला तालाब बनवाया, लेकिन मुरम और पत्थर वाली जमीन में पानी नहीं टिक पाया। इसके बाद उन्होंने तालाब में एचडीपीई लाइनर शीट बिछाकर आधुनिक तकनीक अपनाई, जिससे प्रयास सफल हुआ। मार्च 2023 में पहले प्रयोग से लगभग 5 हजार किलोग्राम मछली उत्पादन हुआ। बाजार में अच्छी कीमत मिलने पर उन्होंने तालाबों की संख्या बढ़ाकर पांच कर दी। अब इन तालाबों में मुख्य रूप से पेंगासस (पंकज) प्रजाति की करीब 40 टन मछली प्रतिवर्ष तैयार हो रही है, जिसकी मांग जबलपुर के साथ उत्तर प्रदेश तक है।

मत्स्य पालन की तकनीक समझने के लिए भाविनी ने भुवनेश्वर स्थित केंद्रीय मीठा जल जलीय संस्थान और मुंबई के केंद्रीय मत्स्य संस्थान से प्रशिक्षण लिया। उनका लक्ष्य आने वाले वर्षों में उत्पादन को 300 टन प्रतिवर्ष तक बढ़ाने का है।भाविनी झा, मत्स्य उद्यमी ने बताया कि "शुरुआत में जमीन और तकनीक को लेकर कई कठिनाइयां आईं, लेकिन लगातार सीखते हुए आगे बढ़ती रही। मत्स्य पालन में अभी और भी बड़ी संभावनाएं हैं।"

हाइलाइट

- साढ़े तीन वर्ष में मत्स्य व्यवसाय का टर्नओवर 55 लाख रुपये
- ग्राम हिनौतिया में साढ़े चार एकड़ भूमि पर पांच तालाब
- प्रतिवर्ष करीब 40 टन पेंगासस मछली उत्पादन
- भुवनेश्वर और मुंबई के संस्थानों से लिया प्रशिक्षण

कैसे शुरू हुआ विचार

कोरोना काल में कोचिंग गतिविधियों पर असर पड़ा तो भाविनी ने खाद्य आधारित व्यवसाय की संभावनाएं तलाशना शुरू किया। कुक्कुट, बकरी और मशरूम उत्पादन से जुड़ी जानकारी लेने के बाद उन्होंने मत्स्य पालन को अधिक संभावनाशील मानते हुए इस क्षेत्र में कदम रखा।

कितना निवेश, कितना उत्पादन

तालाब निर्माण और तकनीकी व्यवस्था में लगभग 45 लाख रुपये का निवेश किया गया। वर्तमान में पांच तालाबों से करीब 40 टन मछली का वार्षिक उत्पादन हो रहा है।

भविष्य का लक्ष्य

तीन संतानों की परवरिश के साथ भाविनी झा आने वाले वर्षों में अपने मत्स्य व्यवसाय का विस्तार कर 300 टन वार्षिक उत्पादन एवं सीड प्रोडक्शन की योजना पर काम कर रही हैं।

युवाओं को संदेश

युवाओं को अपने मन से डर ख़त्म करना पड़ेगा, डिसिशन मेकिंग का डर, चीज़ों की नाकामयाबी का डर। मार्केट को अच्छे से समझने की कोशिश करें और स्किल्स को तगड़ा करते रहें। डर अपने आप ख़त्म होने लगेगा। सीखना बंद ना करें। हमेशा जिज्ञासु बने रहें। प्रोडक्शन को बढ़ाना चाहती हूँ। अब तक का सफ़र ट्रायल जैसा था। ये वाला यूनिट सीड फैक्टरी की तरह काम करेगा बड़े प्रोडक्शन यूनिट के लिए। बेहतर प्रोडक्शन लोकल युवाओं के लिए नए रोज़गार और अवसर बढ़ाएगा। मध्य प्रदेश में जीडीपी बढ़ायेगा।

अस्पताल में थाना प्रभारी का इलाज

अतिक्रमण हटाने गए थे अफसर

धामनोद में तहसीलदार की गाड़ी फोड़ी, टीआई समेत 12 घायल

विधायक-पड़ोसी के बीच चल रहा था जमीन विवाद

हरिभूमि न्यूज:धामनोद। धार में धामनोद थाना क्षेत्र के सिरसोदिया गांव में अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। धामनोद थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे और एक महिला पुलिसकर्मी घायल हो गए। ठाकरे को इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया है। तहसीलदार की गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए गए। हालात पर काबू पाने के लिए प्रशासन ने आसपास के थानों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया। मनावर एसडीएम भी मौके पर पहुंचे। दरअसल, शनिवार सुबह करीब 10 बजे सिरसोदिया में तहसीलदार कुणाल अवासिया, नायब तहसीलदार कृष्णा पटेल, धामनोद एसडीओपी मोनिका सिंह, थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे और पटवारी राहुल ठाकुर सहित करीबन 25 लोगों की टीम शासकीय जमीन पर अवैध रूप से बने मकान को हटाने पहुंची थी। इसी दौरान ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। जिस मकान को गिराने टीम पहुंची थी, उसका 25 प्रतिशत हिस्सा विधायक कालू सिंह ठाकुर की कृषि जमीन में आता है, वहीं 25% हिस्सा किसी और की जमीन का है।

नायब तहसीलदार बोले

नियमों के तहत कर रहे कार्रवाई

धामनोद के नायब तहसीलदार कृष्णा पटेल ने कहा कि सिरसोदिया गांव में अनिल, अनीता, धर्मेंद्र और पल्लवी की निजी जमीन का सीमांकन कराया गया था। सीमांकन के दौरान पाया गया कि कुछ लोगों ने उस जमीन पर कब्जा कर रखा है। इसके बाद जमीन मालिकों ने कब्जा हटाने के लिए राजस्व न्यायालय में धारा 250 के तहत प्रकरण दर्ज कराया। सुनवाई के बाद आदेश अनिल, अनीता और पल्लवी के पक्ष में दिया गया। इस आदेश के खिलाफ कब्जाधारियों ने सिविल न्यायालय में वाद दायर किया। वहां उनकी आपत्ति खारिज हो गई।

रेजिडेंट डॉक्टरों ने बांधी काली पट्टी

आज जस्टिस मार्च, कल से रूटीन सेवाओं के बहिष्कार की चेतावनी

स्टाइपेंड संशोधन लागू नहीं होने से नाराज

भोपाल। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टर स्टाइपेंड संशोधन लागू नहीं होने से नाराज हैं। जेडीए के नेतृत्व में काली पट्टी लगाकर विरोध शुरू हो गया है। रविवार को जस्टिस मार्च निकलेगा, जबकि मांगें नहीं मानी गईं तो सोमवार से इलेक्टिव सेवाओं के बहिष्कार की चेतावनी दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि 1 अप्रैल 2025 से लागू होना था सीपीआई आधारित स्टाइपेंड संशोधन अब तक लागू नहीं किया गया है, जबकि इस संबंध में शासन का आदेश पहले ही जारी हो चुका है। रेजिडेंट डॉक्टरों के संगठन जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) के नेतृत्व में डॉक्टरों ने इस मुद्दे को लेकर शांतिपूर्ण विरोध शुरू कर दिया है। डॉक्टर फिलहाल काली पट्टी बांधकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन कर रहे हैं।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी

बढ़ी हुई कीमतें शनिवार से प्रभावी हो गईं

जबलपुर। रसोई गैस का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा है। केंद्र सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अब प्रदेश के शहरों में नए रेट लागू हो गए हैं। बढ़ी हुई कीमतें शनिवार से प्रभावी हो गई हैं। नई कीमतों के बाद मध्य प्रदेश के प्रमुख शहरों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बढ़ गए हैं। भोपाल में अब गैस सिलेंडर 918 रुपए में मिलेगा, जबकि इंदौर में इसकी कीमत 941 रुपए पहुंच गई है। इसी तरह ग्वालियर में गैस सिलेंडर की कीमत 996 रुपए हो गई है। जबलपुर में उपभोक्ताओं को अब 919 रुपए चुकाने होंगे।

बीते कुछ दशकों में हमारे समाज की महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कार्यक्षेत्र में भी शानदार मुकाम हासिल करने लगी हैं। यह नया सामाजिक बदलाव, परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन की उनकी कुशल भूमिका से ही संभव हो पा रहा है।

हर क्षेत्र में फहरा रहा आधी आबादी का परचम

अब वो दिन लद गए, जब आधी आबादी के लिए कुछ निश्चित कार्यक्षेत्र ही हुआ करते थे। आज के दौर में बेटियां हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, जिन्हें पहले उनके लिए वर्जित माना जाता था। देश की सुरक्षा से लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान तक और खेल के मैदानों में भी कामयाबी की नित नई मिसालें गढ़ रही हैं। आधी आबादी के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

अभी सुबह के 4 बज रहे हैं। हरियाणा के एक छोटे से गांव में रहने वाली 19 साल की एक लड़की अपने जूतों में फीते कस रही है। उसके सामने कोई दर्शक नहीं है, कोई कैमरा नहीं है। है तो सिर्फ एक लंबा सा ट्रैक और दिल दिमाग में एक रंगीन सपना। यह सपना एथलेटिक्स में कुछ कर दिखाने का है। यह सपना किसी एक हरियाणवी लड़की का ही नहीं है, बल्कि आज भारत की हजारों-लाखों किशोरियों और युवतियों की आंखों में खेल से लेकर सेना और विज्ञान जैसे सभी जटिल और एक जमाने तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में कुछ कर दिखाने का है। साल 2026 का भारत इस मायने में ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां युवा महिलाएं दस्तक न दे रही हों। अब देश में कोई ऐसा क्षेत्र विशेष नहीं रहा, जिसे एक्सक्लूसिविली पुरुषों का वर्चस्व वाला क्षेत्र कहा जा सके। सभी क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर भारत की युवा महिलाएं खड़ी हैं।

गढ़ रहीं जीत की नई परिभाषा

भारत में खेल लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन हाल के कुछ दशकों में युवा महिलाओं ने इस धारणा को बदल दिया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत आदि की युवा महिला एथलीटों ने ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में भारत की महिला खिलाड़ियों ने कुल पदकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसके पहले कई ओलंपिक खेल ऐसे भी संपन्न हुए हैं, जब भारत की तरफ से कामयाबी का सेहरा सिर्फ लड़कियों के सिर बंधा है। आज बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, रेसलिंग और बॉक्सिंग ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत की बेटियां राज कर रही हैं। अब देश के गांवों से युवा महिला पहलवान और मुक्केबाज निकल रही हैं। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कारण है, खेलों को लेकर शुरू की गईं कई शानदार सरकारी योजनाएं, जिसमें एक प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' भी शामिल है। इसमें बेहतर प्रशिक्षण की बदौलत भारतीय लड़कियां पूरी दुनिया में कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं। लेकिन इससे बड़ा परिवर्तन उन भारतीय परिवारों का है, जो उनकी मानसिकता में आया है। अब गांवों में भी मां-बाप बेटियों को खेल के मैदान में खुशी-खुशी भेजने लगे हैं। जबकि एक समय तक उन्हें सिर्फ शादी के लिए पाल पोसकर बड़ा किया जाता था।

संभाल रहीं सुरक्षा की कमान

लंबे समय तक भारतीय सेना महिलाओं के लिए बहुत सीमित अवसर प्रदान करती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह स्थिति तेजी से बदली है। आज युवा महिलाएं न केवल बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी बन रही हैं बल्कि लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, वे युद्ध पोतों पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2003 के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश ने इस बदलाव को गति दी है। अब 18-19 वर्ष की लड़कियां सीधी एनडीए में प्रशिक्षण लेकर सेना की स्थायी अधिकारी बन रही हैं। यह बदलाव सिर्फ सैन्य संरक्षण का बदलाव नहीं है बल्कि सामाजिक सोच में आए परिवर्तन का संकेत है। एक समय था, जब सेना को पूर्णतः पुरुषों का पेशा माना जाता था। लेकिन अब युवा महिलाएं सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। नौसेना में भी महिलाएं युद्ध पोतों पर तैनात हैं। लंबी समुद्री यात्राओं का हिस्सा हैं और यह साबित कर रही हैं कि शारीरिक और मानसिक क्षमता के मामले में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। पुरुषों के समान ही वे भारतीय सीमाओं की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ रही हैं।

हासिल कर रहीं वैज्ञानिक उपलब्धियां

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी युवा महिलाएं बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में महिलाओं की न केवल भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ रही है बल्कि कई क्षेत्रों में तो वो पुरुषों से भी आगे हैं। हाल के सालों में देश के सबसे महत्वपूर्ण माने गए चंद्रयान और मंगलयान जैसे अंतरिक्ष मिशनों में भारतीय महिला वैज्ञानिकों की कामयाबी देखते ही बनी है। यही कारण है कि आज देश में विज्ञान के क्षेत्र में दाखिला लेने वाली लड़कियों की बड़ी संख्या सामने आ रही है, क्योंकि आज भारत की एक नहीं बल्कि अनेक अंतरिक्ष अभियानों में भारत की युवा महिलाएं कामयाबी का श्रेय हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और रक्षा अनुसंधान में भी इनकी भूमिका और योगदान पुरुषों से पीछे नहीं है। आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जाकर देख लीजिए, आज ज्यादातर जगहों में महिला छात्र, पुरुष छात्रों के बराबर हैं, कहीं कुछ कम हैं। ये छात्राएं न केवल पढ़ाई कर रही हैं बल्कि अपनी मौलिक मेधा से अपने लक्षित कार्यक्रमों में सफलता हासिल करके उपलब्धियों की नई कहानी रच रही हैं। *

बदल रही है सामाजिक मानसिकता

हमारी बेटियों को यह शानदार सफलताएं मिल रही हैं, तो इसमें समाज की सोच और उसके नजरिए में बदलाव का भी बड़ा योगदान है। पहले जहां बेटियों के लिए सीमित विकल्प होते थे, अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छोटे शहरों से आने वाली युवा महिलाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेर रही हैं। डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, सोशल मीडिया ने भी इस परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए अब समाज के विभिन्न तबकों से उठकर आने वाली महिलाएं अपने आपको भावी रोल मॉडल में देख सकती हैं और उनसे प्रेरणा हासिल की जा सकती है। हालांकि यह अलग बात है कि अभी महिलाओं ने अपने हिस्से की सारी जंग जीती नहीं है। अभी भी अनेक किस्म की चुनौतियां मौजूद हैं। लेकिन चुनौतियां तो हर क्षेत्र में हैं। असली बात यह है कि महिलाएं लगातार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि कुछ मां-बाप जिनकी वजह से महिलाओं की अभी भी पिछड़ी सोच है, उन्हें जल्द से जल्द अपने को बदलना होगा। नहीं तो वो लोग इन्हें अपने साख से खारिज कर देंगे, जिनकी नजरों में लड़का और लड़की बराबर है। आज के इस एआई दौर में एआई का विश्लेषण बताता है कि आने वाले भविष्य में लड़कियों की मौजूदगी और भी महत्वपूर्ण होगी। विशेषकर इस लिहाज से भी कि अब नई पीढ़ी में लड़कियां जाति और लिंग से परिभाषित नहीं होतीं। अपने काम और काम में हासिल महारत से सम्मान पा रही हैं।

परिवार-कार्यक्षेत्र में संतुलन बनातीं महिलाएं

{ बदलाव / अपराजिता }

आठ मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, केवल एक उत्सव का दिन नहीं है। यह गहरे सामाजिक परिवर्तन और प्रतीक का दिन भी है। यही प्रतीकात्मक परिवर्तन, भारत की युवा महिलाओं की सोच, प्राथमिकताओं और जीवन के निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। एक जमाना था, जब अधिकांश युवतियां विवाह को ही सबसे जरूरी लक्ष्य मानकर जीवन जीती थीं। लेकिन आज भारत की युवा नारी के लिए विवाह एकमात्र जीवन लक्ष्य नहीं है बल्कि यह उसके जीवन के कई विकल्पों में से एक है। भारत की युवा महिलाएं करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को इन दिनों बराबर का महत्व दे रही हैं और उनकी प्राथमिकता में यह सब अचानक नहीं आया, इसके पीछे दशकों की शिक्षा, आर्थिक अवसरों का विस्तार तथा आत्मसम्मान की नई जागृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं सबके चलते विवाह जो कभी जीवन का एकमात्र प्रथम और आखिरी लक्ष्य हुआ करता था, आज की महिलाओं के लिए वह एक वैकल्पिक बन चुका है।

सोच में आया बड़ा बदलाव: पहले के दौर में जहां लड़कियां परिवार और समाज के दबाव में अपनी शिक्षा और करियर को लेकर समझौता कर लेती थीं, आज वे कतई ऐसा नहीं कर रही हैं। आज युवा महिलाएं अपनी पहचान का केंद्र विवाह को नहीं, अपनी निजी उपलब्धियों (जिनमें करियर और उनकी अपनी रचनात्मकता शामिल है) को विवाह से कहीं ज्यादा तरजीह दे रही हैं। आज की युवा महिलाएं पहले अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं, अपनी आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहती हैं, इसके बाद विवाह के बंधन में बंधती हैं। दिल्ली, बेंग्लुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता ही नहीं बल्कि रांची, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी अब यह बदलाव तेजी से देखने को मिल रहा है। आज इन शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कस्बों में भी युवा महिलाओं की विवाह की उम्र बहुत आसानी से 28 से 30 साल के बीच हो गई है। जबकि एक जमाना था, जब किसी महिला की 20 साल तक अगर शादी नहीं होती थी, तो घर-परिवार में हंगामा मच जाता था। यही नहीं आज देश में 8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने स्वतंत्र निर्णय के चलते बिना विवाह किए रह रही हैं। आज के 30-40 साल पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वास्तव में महिलाओं में आया यह बदलाव सिर्फ शादी की उम्र में देरी का बदलाव नहीं है बल्कि उनकी सोच में अपने प्रति आई परिपक्वता का बदलाव है।

मनमुताबिक ले रहीं निर्णय: अब महिलाएं बड़ी सहजता से अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में निर्णय लेने लगी हैं और यह निर्णय केवल घर से हजारों किलोमीटर दूर जाकर काम करने भर का नहीं है बल्कि यह निर्णय इस मामले में भी है कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है, कब विवाह करना है और किस तरह की जीवनशैली अपनानी है? डिजिटल युग ने युवा महिलाओं की इस स्वतंत्रता को नए सिरे से मजबूत किया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने महिलाओं को जानकारी देने, उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं। आज की युवा महिलाएं देश ही नहीं दुनिया को अपनी नजरों से देख सकती हैं, समझ सकती हैं और अपने संबंध में बेहतर विकल्प चुन सकती हैं। यह स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत नहीं है बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकेत भी है। इस बदलाव में परिवार की भूमिका भी कहीं न कहीं शामिल है। *

बदलती प्राथमिकताओं की नई तस्वीर

- भारत की महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 20 से 22 वर्ष से बढ़कर 25 से 28 वर्ष हो चुकी है।
- उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी अब 59 फीसदी तक पहुंच गई है।
- सिविल सेवा परीक्षा में उनकी सफलता की दर बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो चुकी है।
- स्टार्टअप के इकोसिस्टम में भी अब महिलाएं अपनी हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। आज हजारों की तादाद में युवा महिलाएं हैं, जिनके अब स्टार्टअप चल रहे हैं और उनकी यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
- कॉरपोरेट क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। इस तरह अब नई पीढ़ी की महिलाएं आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि निर्णायक बन रही हैं।

{ कविता / कुसुम अग्रवाल }

एक सपना

मैंने देखा था इक सपना
सपने में थी मोटर-कार।
स्टेयरिंग, सीटें, सब कुछ उसमें,
पर नहीं थे पहिए चार।
मैंने सोचा, 'कैसे दौड़े?
कैसे पकड़ेगी रफ्तार?'
एक जगह जो खड़ी रहे तो
हो जाए बिल्कुल बेकार।
हंसकर बोली मोटर मुझसे,
जान गई हूं मन की बात।
पहिए तुम्हें जोड़ने होंगे
तब दौड़ूंगी दिन एक रात।
पहला पहिया साहस का हो,
दूजा हो आत्मविश्वास।
तीसरा पहिया मेहनत वाला
चौथा दृढ़ संकल्प-प्रयास।
जब ये चारों संग जुड़ेंगे,
राह सरल बन जाएगी।
जीवन रूपी गाड़ी तब ही
मंजिल तक पहुंचाएगी।

{ लघुकथाएं }

सपनों की उड़ान

एआई इमेज

'तुम्हारे जाने की टिकट बुक करवा दूं?' दिवेश का मैसेज आए आधे घंटे हो चुके थे, लेकिन रीमा को कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। मन कुछ कह रहा था, दिमाग कुछ और!

थोड़ी देर में दिवेश का फोन आया, उसने पूछा, 'क्या हुआ तुमने कोई जवाब नहीं दिया?' 'क्या जवाब दूं, समझ नहीं आ रहा मुझे!' रीमा बुझे स्वर में बोली।

'लिटरेचर का इतना बड़ा सेमिनार है, लेकिन तुम सब को छोड़कर हफ्ते भर के लिए बाहर जाना सही नहीं रहेगा। मेरा ध्यान यहीं लगा रहेगा।' इतना कह रीमा ने फोन रख दिया।

शाम को दिवेश दफ्तर से आए। सभी रुटीन के हिसाब से अपने-अपने काम में लगे थे। रीमा ने संतुष्टि भरी दृष्टि से सबको देखा, फिर वह भी अपने काम में लग गई।

थोड़ी देर बाद दिवेश रसोई में आए और रीमा के हाथों में एक पैकेट थमाते हुए बोले, 'सबका ध्यान रखना और सबसे प्यार करना अच्छी बात है, लेकिन थोड़ा अपने बारे में भी सोचना पाप नहीं। मैं तुम्हारे लिए अच्छी सी ड्रेस लेकर आया हूं। तुम यही ड्रेस पहन कर अपने सेमिनार में जाना। मैंने तुम्हारे जाने का टिकट बुक कर दिया है।'

'लेकिन बच्चे..!' रीमा ने पूछा।

'हम लोग रह लेंगे मम्मा। बड़े हो गए हैं हम भी। पापा ने हमें सब बता दिया है।' पीछे से बच्चों की आवाज आई।

'हां बिल्कुल! आज मैं, कल को बच्चे अपने सेमिनार और दूसरे कामों से बाहर जाएंगे ही। फिर तुम क्यों सब कुछ छोड़ती रहो! बेझिझक जाओ।' दिवेश बोले।

रीमा का चेहरा खुशी से खिल उठा। अपने सपनों को पंख लगते देख उसकी आंखें छलछला उठीं। *

-अलका 'सोनी'

हार्दिक शुभकामनाएं!

एआई इमेज

'शांति आधे घंटे की छुट्टी मिली है...जल्दी से रोटी खा ले, वरना ठेकेदार चिल्लाएगा।' बेला ने कहा।

'चिल्लाए तो... चिल्लाने दे। पहले मैं अपनी बेटी को दूध पिलाऊंगी...उसे भी तो भूख लग रही होगी।' शांति अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में उठाते हुए बोली। कलेजे के टुकड़े को दूध पिलाकर लाड़ लड़ाते-लड़ाते कब आधा घंटा बीत गया...शांति को पता ही नहीं चला।

'अरी शांति की बच्ची... चल उठ काम पर लग जा देखती नहीं पांच मिनट ऊपर हो गए हैं...।' ठेकेदार चिल्लाया।

बेला बीच में बोल पड़ी, 'ठेकेदार जी, अभी शांति ने रोटी नहीं खाई है बच्ची को दूध पिला रही थी बेचारी...।'

'चल तू अपना काम कर... फालतू की पंचायत मत कर।'

ठेकेदार ने बेला को डांटा।

उसी समय एक सफेद चमचमाती कार आकर रुकी। उसमें से एक भद्र महिला बाहर निकली। ठेकेदार दौड़ता हुआ उसके पास पहुंचा। उन्हें एक गुलदस्ता देते हुए बोला, 'मैडम, महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' *

-गोविंद भारद्वाज

घरेलू महिला

एआई इमेज

'आशी को बस घरेलू काम आते हैं। देखो, इस कमरे को कैसा चमका रखा है।' आशी का पति पवन अपने दोस्तों के साथ गपशप करते हुए बोला।

आशी इन दिनों एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गई हुई थी। पवन ने घर पर दोस्तों के साथ गपशप के बाद सबको विदा किया ही था कि आशी का फोन आया। वह पति से बोली, 'पवन, बस कुछ मिनटों का एक काम है। पूजा घर में एक हरी फाइल रखी है। उसे निकालकर देख लो और पॉलिसी की किश्त जमा कर देना जरा।'

इतना कहकर और बाकी हाल-चाल पूछकर आशी ने फोन काट दिया।

पवन को झुंझलाहट हुई, अब तक पॉलिसी के रुपए आशी ही जमा करती रही थी। 'अजीब है यह आशी भी, इतना सा काम नहीं होता इससे।' बड़बड़ करता पवन पूजा घर में पहुंचा।

हरी फाइल एक नजर में ही ऊपर रखी दिख गई। उसने फाइल को खोला। ऊपर ही वह पॉलिसी रखी थी। उसके बाद उत्सुकता से पवन ने पूरी फाइल पलटकर देख ली। एक-एक कागज को करीने से उसमें रखा गया था। एक सूची भी अलग से बना रखी थी कि किस साल कौन-सी पॉलिसी मैच्योर हो रही हैं। इतना ही नहीं एक छोटी-सी नोटबुक में पासवर्ड भी लिखे थे। आशी को पवन बस घरेलू महिला ही मानता था। लेकिन उसका तो हर काम इतना सलीके से होता है। पवन ने पॉलिसी के रुपए जमा कर दिए। फाइल को करीने से यथास्थान रख दिया।

अब वह अपने शेल्फ को ठीक कर रहा था। जहां उसने अपने निजी कागज कचरे की तरह यहां-वहां घुसा रखे थे। *

-पूनम पांडे

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

स्त्री केंद्रित कहानियां

समाज के दमित, शोषित और वंचित वर्ग के साथ ही मुशी प्रेमचंद ने स्वाधीनता से पहले स्त्रियों की सामाजिक दशा पर भी कई मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनके द्वारा लिखी गई सोलह स्त्री केंद्रित कहानियों का संकलन हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इन कहानियों से गुजरते हुए स्त्री जीवन की अलग-अलग छवियां प्रकट होती हैं। अपनी कहानियों में उन्होंने मुख्य तौर पर अन्याय, अनाचार और शोषण के विरुद्ध अपना स्वर बुलंद करने वाले स्त्री पात्रों को ही रचा है। फिर वो चाहे 'कुसुम' कहानी की मुख्य पात्र कुसुम हो, जो विवाह होने के बाद भी दहेज के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए दांपत्य के बंधन को तोड़कर स्वतंत्र रहने के लिए तैयार हो जाती है या 'सती' कहानी की विधवा मुलिया हो, जो अपनी अस्मिता पर कुदृष्टि रखने वाले का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार करती है। या फिर 'विध्वंस' कहानी की भुनगी, जो अपने परिश्रम का वाजिब मूल्य मांगने से नहीं झिझकती है। कह सकते हैं कि लगभग एक सदी पहले के संकीर्ण और परंपरावादी सोच से ग्रस्त भारतीय समाज में भी प्रेमचंद की कहानियां, स्त्री सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती हैं। *

पुस्तक: प्रेमचंद की स्त्री कथाएं,
संपादन: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: राजपाल एंड संस, दिल्ली

जबलपुर
रविवार, 8 मार्च 2026

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

दोनों कप्तानों ने अलग-अलग पत्रकारों से चर्चा की

'मैदानी' जंग से पहले .... 'जुबानी' जंग

सैंटनर बोले- 140 करोड़ भारतीयों का दिल तोड़ेंगे सूर्या-कुछ नया ट्राई करो

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल आज, शाम 7 बजे से, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मैच रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। लेकिन इस महामुकाबले से पहले दोनों टीमों के कप्तानों में जुबानी जंग शुरू हो गई है। पहले न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय टीम को लेकर एक सख्त बयान दिया। जिसपर अब सूर्या का भी रिएक्शन सामने आया है। सैंटनर ने कहा था कि उनकी टीम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल में 140 करोड़ भारतीय दर्शकों को शांत कराने की कोशिश करेगी। उनके दिल तोड़ना पड़े तो तोड़ेंगे। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि बड़े मैच से पहले इस तरह की बातें अब आम हो गई हैं और खिलाड़ियों को कुछ नया बोलना चाहिए।

न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। कीवी टीम अब अपने इतिहास का पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने की कोशिश करेगी। मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम बड़े मौके से प्रभावित हुए बिना अपने खेल पर ध्यान देना चाहती है।

उन्होंने कहा, हम आम तौर पर स्थिति या विरोधी टीम से ज्यादा प्रभावित नहीं होते।

खबर संक्षेप

अब पत्रकार की हत्या के मामले में राम रहीम बरी

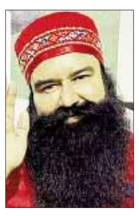

नई दिल्ली। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

शराब पी रहे दो युवकों की खाई में गिरने से मौत

इंदौर। इंदौर की महू तहसील के सिमरोल थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पर्यटन स्थल तिंछा फॉल पर शनिवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हो गया। किनारे बैठकर शराब पी रहे दो युवक अचानक संतुलन बिगड़ने से गहरी खाई में गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सिमरोल थाना प्रभारी अमित कुमार के अनुसार घटना की सूचना अभिनय पुत्र नारायण पाठक (31) निवासी स्कीम नंबर-114 विजय नगर, इंदौर ने दी।

चीचली नपा अध्यक्ष शेख मंजूर को पद से हटाया

नरसिंहपुर। जिले की नगर परिषद चीचली के अध्यक्ष शेख मंजूर को मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है। उनके कार्यकाल में वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताएं सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। शासन ने 12.18 लाख रुपए की वसूली के भी आदेश दिए हैं। बता दें कि शेख कांग्रेस से आते हैं। उन्हें श्रमिकों की नियुक्ति में नियमों के उल्लंघन का आरोप है।

दरिंदे ने अपनी दादी की बेरहमी से हत्या कर दी

राजगढ़। जिले में रिश्तों को कलंकित करने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। भोजपुर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपनी ही दादी की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने मामले की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। एएसपी केएल बंजारे के अनुसार सूचना मिली थी कि एक गांव के खेत में 65 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ी है।

अमेरिका-इजराइल व ईरान जंग

रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात के बाद ईरान के राष्ट्रपति नरम पड़े

पड़ोसी देशों पर अब नहीं करेंगे हमले अब तक के नुकसान के लिए 'सॉरी'

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विश्व युद्ध की आहट

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। इसके बाद तनाव कम करने की दिशा में पहले बड़े कदम के रूप में, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पड़ोसी देशों से माफी मांगी और देश की अंतरिम नेतृत्व परिषद के एक महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा की कि तेहरान पड़ोसी राज्यों के खिलाफ मिसाइल हमले या आक्रमण नहीं करेगा जब तक कि ईरान पर हमला उनके क्षेत्र से न किया जाए।

रूसी राष्ट्रपति की इस बातचीत को लेकर अब ये कयास लगाए जा रहे हैं कि रूस इस मुश्किल वक्त में ईरान का साथ दे सकता है, हालांकि पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति से तनाव कम करने और जल्द से जल्द मुद्दे को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने की अपील की है। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से टेलीग्राम पर दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत की जानकारी दी गई। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा- पुतिन ने खामेनेई, उनके परिवार के सदस्यों और देश की सेना और नेताओं की मौत पर अपनी गहरी संवेदना जताई।

रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान अपनी संप्रभुता और अपने देश की आजादी की रक्षा कर रहा है

- **पुतिन ने कहा** ईंरान ने पड़ोसियों के सामने सरेंडर कर दिया
- **ईरानी राष्ट्रपति बोले-** ट्रंप का उनकी कब्र में ही सरेंडर का ख्वाब होगा पूरा

मसूद पेजेश्कियन

व्लादिमीर पुतिन

पुतिन ने ताकत के इस्तेमाल को नकारा

कूटनीतिक समाधान पर जोर

ईरान ने सरेंडर कर दिया, अब वह मिडिल ईस्ट का दादा नहीं रहाः ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान, जो बुरी तरह हार रहा है, ने अपने मध्य पूर्वी पड़ोसियों से माफी मांगते हुए आत्मसमर्पण कर दिया है और वादा किया है कि वह अब उन पर गोलीबारी नहीं करेगा। यह वादा अमेरिका और इज़राइल के लगातार हमलों के कारण ही किया गया है। वे मध्य पूर्व पर कब्ज़ा करके शासन करना चाहते थे।

वे हमारे बिना शर्त आत्मसमर्पण के सपनों को कब्र में ले जाएंगेः ईरान

ईरान ने यूएस-अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई के बाद पलटवार करते हुए अपने पड़ोसी देशों पर ताबड़तोड़ हमले किए थे, इस एक्शन को लेकर वहां के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार को माफी मांग ली है, साथ ही अमेरिका की तरफ से की गई सरेंडर की को मानने से इनकार करते हुए ठुकराया है।

रूस से तेल खरीदने को लेकर ट्रंप की छूट पर भारत ने दिया जवाब

हमें किसी की इजाजत की कोई जरूरत नहीं

ईरान पर यूएस-इजराइल पर हमले के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते पर तनाव बना हुआ है और दुनिया में तेल को लेकर गंभीर चिंता देखी जा रही है। इस बीच अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने की बात कही, जिसके बाद से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। इस मामले पर अब सरकार ने प्रतिक्रिया दी है। केंद्र सरकार ने शनिवार को साफ कहा है कि भारत को जहां से भी सस्ता तेल मिलेगा वहीं से खरीदेगा। सरकार ने यह भी कहा कि रुकावटों के बावजूद भारत की एनर्जी सप्लाई सुरक्षित बनी हुई है। भारत ने अपने कच्चे तेल के सोर्स को 27 से 40 देशों तक अलग-अलग कर दिया है, जिससे कई दूसरे सप्लाई रूट पक्के हो गए हैं। देश के हित में भारत उन जगहों से तेल खरीदता है जहां सबसे अच्छे और सस्ते रेट मिलते हैं। केंद्र ने कहा कि भारत ने रूसी तेल खरीदने के लिए कभी किसी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं रहा है। भारत फरवरी 2026 में भी रूस से तेल इंपोर्ट कर रहा है और रूस अभी भी भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल तक भारत यूएस और ईयू के के बावजूद रूस से तेल खरीदता रहा।

फ्रीबीज की वजह से रुका देश का विकास?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव से ठीक पहले अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार (फ्रीबीज), खासकर बैंक खातों में नकद दिए जाने की आलोचना की थी। शीर्ष अदालत ने इस पर रोक लगाने को जरूरी बताया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में फ्रीबीज पर चिंता जताते हुए मुफ्त उपहार और बैंक खातों में नकदी जैसी फ्रीबीज योजनाएं लागू करने पर खर्च की सीमा जीएसडीपी का फीसदी तक सीमित करने की सिफारिश की है ताकि सरकार की जरूरी व कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित नहीं हो। विधानसभा चुनाव के दौरान जनता को नकद और मुफ्त उपहार देने से राज्यों के खर्च और बजट विश्लेषण को लेकर एसबीआई की शोध रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आएं हैं।

बिलासपुर से कोयला लेकर बड़ोदरा जा रही थी मालगाड़ी

5 डिब्बे पटरी से उतरे, रेल यातायात प्रभावित

कटनी। बिलासपुर से कोयला लेकर बड़ोदरा जा रही एक मालगाड़ी बिलासपुर बीना मार्ग पर कटनी मुड़वारा स्टेशन से पहले बेपटरी हो गई। जिससे रूट का रेल आवागमन प्रभावित हुआ है। ट्रैक को सुधारने और पटरी से उतरे डिब्बों को वापस पटरी पर लाने का कार्य जारी है।

ओला, उबर और रेपिडो की बाइक टैक्सी पर हाई कोर्ट सख्त

दोपहिया वाहनों में यात्री सुरक्षा के क्या हैं इंतजाम?

केंद्रीय व राज्य परिवहन मंत्रालय व कंपनियों से मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ▸▸ इंदौर

बाइक टैक्सी सेवाओं जैसे ओला, उबर और रेपिडो में मोटर व्हीकल एक्ट के खुलेआम उल्लंघन को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रमुख सचिव, प्रमुख सचिव गृह विभाग, मध्य प्रदेश और ओला, उबर और रेपिडो सहित अन्य कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने सीधे सवाल किया कि व्यावसायिक उपयोग में लगे दोपहिया वाहनों में यात्री सुरक्षा के क्या इंतजाम हैं और इन वाहनों पर जीपीएस क्यों नहीं लगे हैं? यह मामला कानून के छात्र आयुष जाट द्वारा दायर जनहित याचिका से शुरू हुआ। एडवोकेट अमित सिंह सिसोदिया के माध्यम से प्रस्तुत याचिका में कहा गया है कि शहर में यात्री सेवा के लिए दौड़ रहे ये दोपहिया वाहन वास्तव में निजी उपयोग के लिए पंजीकृत हैं। यानी दुर्घटना की स्थिति में यात्री न बीमा का दावा कर सकता है।

फाइल फोटो

पीएम मोदी ने कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का किया शिलान्यास

आधुनिक एयरपोर्ट बनने से क्षेत्रीय विकास को मिलेगी दिशा, यात्रा होगी सुगम,व्यापार बढ़ेगा

शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित किया

कोटा एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू

एजेंसी ▸▸ कोटा

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि शनिवार का दिन कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ सहित पूरे हड़ौती क्षेत्र के लिए एक नई आशा और नई उपलब्धि का दिन है। पीएम मोदी ने कहा कि करीब डेढ़ हजार करोड़ रुकी लागत से बनने जा रहा ये आधुनिक एयरपोर्ट आने वाले समय में पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाला है। मैं लोगों को एयरपोर्ट के शिलान्यास पर बहुत शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है कि नवंबर 2023 में जब मैं कोटा आया था, तब मैंने जनता से एक वादा किया था। मैंने कहा था कि कोटा का एयरपोर्ट सिर्फ एक सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि उसे साकार करके दिखाया जाएगा। आज मुझे प्रसन्नता है कि एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। अब तक कोटा के लोगों को जयपुर या जोधपुर जाकर फ्लाइट पकड़नी पड़ती थी। इसमें काफी समय भी लगता था और असुविधा भी होती थी। अब आसपास के पूरे इलाके में यात्रा भी आसान होगी और व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा।

कोटा और हाड़ौती की ये धरती उद्यम और आस्था का केंद्र बनी

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी

कोटा ऊर्जा का भी एक बड़ा केंद्र

पीएम मोदी ने कहा कि कोटा केवल शिक्षा का ही नहीं, बल्कि ऊर्जा का भी एक बड़ा केंद्र है। कोटा वह अनूठा क्षेत्र है, जहां न्यूक्लियर हो, कोयला आधारित हो, गैस और पानी हो, ऊर्जा के सभी स्रोतों से बिजली का उत्पादन होता है। कोटा और हाड़ौती की ये धरती उद्यम और आस्था का भी बड़ा केंद्र है। यहां श्री मथुराधीश जी की पावन पीठ, केशवराय पाटन के तीर्थ, खड़े गणेश जी महाराज और गोदावरी बालाजी धाम के दर्शन के लिए आते रहते हैं।

कृषि आधारित उद्योग के लिए ये बड़ा केंद्र होगा

पीएम मोदी ने कहा कि अब दिल्ली, वड़ोदरा और मुंबई जैसे बड़े शहरों की दूरी महज कुछ घंटों की रह गई है। बेहतर सड़क और रेल कनेक्टिविटी के कारण यहां नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं। विशेष रूप से कृषि आधारित उद्योग के लिए ये क्षेत्र एक बड़ा केंद्र बनेगा। रेल और सड़क के बाद हवाई कनेक्टिविटी के ये नया अध्याय कोटा के विकास को और गति देगा। कोटा एयरपोर्ट पूरे हाड़ौती क्षेत्र और आसपास के जिलों के लिए प्रगति के नए अवसर लेकर आएगा।

बिरला शानदार सांसद, अहंकारी उत्पाती छात्रों को ठीक करेंगे

अविश्वास प्रस्ताव पर बोले पीएम मोदी

सोमवार को स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से पहले पीएम मोदी ने ओम बिरला की कार्यशैली और व्यक्तित्व पर गहरा विश्वास जताया है। उनकी सराहना करते हुए कहा कि बिरला शानदार सांसद हैं। बेहतरीन लोकसभा अध्यक्ष भी साबित हुए हैं।

वे पक्ष- प्रतिपक्ष से ऊपर

पीएम मोदी ने कहा कि वे आज किसी पक्ष के सदस्य नहीं हैं। वे पक्ष-प्रतिपक्ष से ऊपर हैं और जब उनको सदन में देखता हूं तब मुझे विचार आता है कि ये शायद 'शिक्षा की नगरी' (कोटा) से आने का प्रभाव है।

गूगल सीईओ सुंदर पिचाई का नया पैकेज

3 साल के लिए 6300 करोड़ का 'भारी-भरकम' वेतन तय

पिचाई दुनियाभर में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले अधिकारियों में से एक

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को अगले तीन साल में अपनी कंपनी से भारी-भरकम 'वेतन' मिलने वाला है। इतना कि जानकर आप दांतों तले अंगुली दबा लेंगे। अल फाबेट के मालिकाना हक वाली गूगल ने सुंदर पिचाई का कुल संभावित मुआवजा यानी कम्पनसेशन अगले तीन साल के लिए बढ़ाकर 692 मिलियन डॉलर कर दिया है जो करीब 6300 करोड़ रुपए बैठता है। हालांकि इस 'वेतन' को पाने के लिए पिचाई को अपने लक्ष्य पूरे करने होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि गूगल ने पहली बार पिचाई के लिए 350 मिलियन डॉलर के नए स्टॉक इंसेंटिव्स का ऐलान किया है। ये कंपनी के ऑटोनॉमस प्रोजेक्ट्स की ग्रोथ से जुड़े हैं। गौर हो कि पिचाई की लीडरशिप में गूगल लगातार आगे बढ़ रही है। वह साल 2015 में गूगल के सीईओ बनाए गए थे। तब गूगल का मार्केट कैपिटलाइजेशन 7 गुना तक बढ़ गया है। वह 535 बिल यिन डॉलर से बढ़कर 3.6 ट्र लियन डॉलर हो गया है। सुंदर पिचाई की उम्र 53 साल है। उनका जन्म भारत में हुआ था। पिचाई ने साल 2004 में गूगल ज्वॉइन किया था। उन्होंने क्रोम के डेवलपमेंट और एंड्रॉयड ओएस को लीड करने के लिए जाना जाता है।

सुंदर पिचाई

पिचाई का सैलरी ब्रेकअप

पे पैकेज का बड़ा हिस्सा यानी 126 मिलियन डॉलर मूल्य की परफॉर्मेंस स्टॉक यूनिट्स से आता है, जिसे दो किस्तों में बांटा गया है। बताया गया है कि ये स्टॉक्स अल्फाबेट के शेयरधारकों को मिलने वाले रिटर्न और एस एंड पी 100 इंडेक्स पर निर्भर करते हैं। अगर पिचाई अपने टार्गेट्स को पूरा करते हैं।

उत्तराखंड में शाह ने फिर दोहराया

केदारनाथ से कन्याकुमारी तक घुसपैठियों को चुनकर हटाएंगे

एजेंसी ▸▸ हरिद्वार

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड में 1129.91 करोड़ की 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान 2027 में होने वाले चुनाव का अभी ही बिगुल फूंक दिया है। शाह ने हरिद्वार में जनता से आवाहन किया कि वह तीसरी बार उत्तराखंड में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएं। उत्तराखंड की आवाज इतनी जोर की होनी चाहिए कि वो दिल्ली तक सुनाई दे। शाह ने धामी सरकार के 4 साल के कामों की प्रदर्शनी देखी। शाह ने उत्तराखंड में पिछले 9 सालों से भाजपा सरकार के कामों की जमकर तारीफ की और कांग्रेस पर तुष्टिकरण-भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। लोगों से तीसरी बार सरकार के लिए संकल्प लिया।

1919 का वो सूर्य ग्रहण, जिसने आइंस्टीन को बना दिया महान वैज्ञानिक

वॉशिंगटन। अल्बर्ट आइंस्टीन आधुनिक विज्ञान के सबसे ज्यादा प्रभावशाली वैज्ञानिकों में से एक हैं।

बदल दी विज्ञान की दिशा!

उनका जन्म 14 मार्च 1879 में जर्मनी में हुआ था। आइंस्टीन की बचपन से गणित और फिजिक्स में गहरी रुचि थी। साल 1919 मई महीने में लगे सूर्य ग्रहण के बाद वह फेमस हो गए।

29 मई 1919 का सूर्य ग्रहण

29 मई 1919 को सूर्य ग्रहण पड़ा था। जब ग्रहण लगा सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आ गए। तब तक जितने तारों की जानकारी थी, उनकी तस्वीर ने साबित कर दिया था, जिसकी भविष्यवाणी आइंस्टीन 'सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत' कर चुके थे। भविष्यवाणी थी सूर्य का गुरुत्वाकर्षण एक लेंस की तरह काम करता है। दूर स्थित तारों से आने वाले प्रकाश को विक्षेपित कर देता है,जिसके कारण वे नई जगह पर दिखाई देते थे।

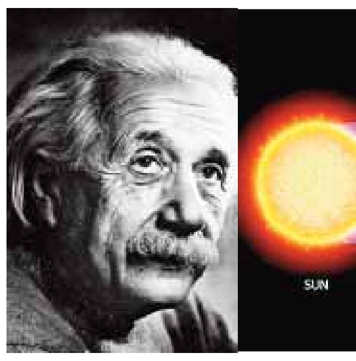

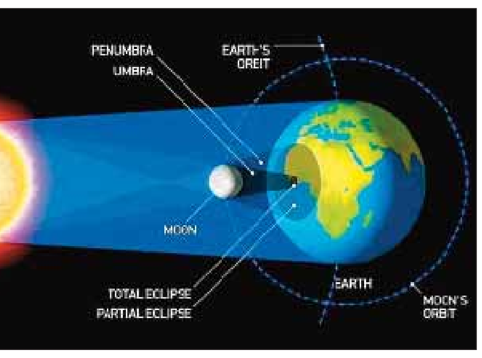

एल्बर्ट आइंस्टीन का सिद्धांत निकला सही

एल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि भारी वस्तुएं प्रकाश को मोड़ सकती है। 1919 के सूर्य ग्रहण में इस सिद्धांत की जांच हुई। ब्रिटिश खगोलविद आर्थर एडिंगटन ने अफ्रीका में ग्रहण के दौरान तारों की तस्वीरें लीं। जिसमें पता चला कि तारों की रोशनी सच में सूर्य के पास मुड़ रही थी। इससे आइंस्टीन का सिद्धांत सही साबित हो गया।

1921 में मिला नोबेल पुरस्कार

आइंस्टीन को विज्ञान की दुनिया में उनके योगदान और खासकर फोटोइलेक्ट्रिक इफेक्ट के नियम की खोज के लिए आइंस्टीन को 1921 में फिजिक्स के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आइंस्टीन ने अपने आखिरी साल अमेरिका में गुजारे। 18 अप्रैल 1955 को आइंस्टीन ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

दुनिया का ऐसा जीव, जो पानी पीते ही मर जाता है

नई दिल्ली। इंसान, जानवर और पेड़-पौधे तक को जीवित रहने के लिए पानी की जरूरत होती है। तभी तो कहा जाता है कि जल ही जीवन है। लेकिन, दुनिया में एक ऐसा जीव है, जिसे पानी की जरूरत नहीं होती है। सबसे खास बात यह है कि अगर ये जीव पानी पी ले, तो उसकी मौत हो जाती है। दुनिया में हर जीव की अपनी एक खासियत होती है। इन जीवों के बारे में जानकर लोग हैरान हो जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही जीव के बारे में बताएंगे। यह जीव पानी पीते ही मर जाता है। जल की बिना जीवन की भी कल्पना नहीं की जा सकती है, लेकिन यह जीव पानी पीने पर मर सकता है। यह जीव बिना पीकर भी जिंदा रह सकता है। इस जीव का नाम कंगारू रैट है, जिसका मुख्य भोजन बीज हैं। बीज खाने सी खाने से ही इसके शरीर में पानी की आवश्यकता पूरी हो जाती है। इससे कंगारू रैट को पानी की जरूरत नहीं पड़ती है। माना जाता है कि कंगारू रैट की किडनी बेहद कुशल होती है और यूरिन को गाढ़ा बनाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पानी पीने से इसके शरीर से पोषक तत्व बह जाते हैं। कंगारू रैट खुद से कभी पानी नहीं पीता है। इसके कारण ही यह खुद से पानी पीने पर मर जाते हैं। चूहों की प्रजाति कंगारू रैट उत्तरी अमेरिका के रेगिस्तान में मिलते हैं। बताया जाता है कि यह दुनिया का पहला जीव है, जो बिना पीने पीए जिंदा रह सकता है। यह कंगारू की तरह छलांग लगा सकते हैं और यह एक सेकेंड पांच मीटर की दूरी पार कर सकते हैं।

दुनिया के सबसे दुर्लभ रंगीन सांप, जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे- क्या नजारा है

सांपों की दुनिया का जिक्र आते ही दिमाग में काले या भूरे रंग की डरावनी तस्वीरें दिमाग में बन कर आती हैं, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा रंगीन है। धरती पर ऐसे दुर्लभ सांप भी हैं जो नारंगी, नीले या हरे रंग के होते हैं। ये न केवल देखने में आकर्षक हैं बल्कि प्रकृति की रक्षा और अनुकूलन की अनोखी मिसाल भी पेश करते हैं। दुनिया में कुछ ऐसे दुर्लभ नारंगी रंग के सांप पाए जाते हैं, जो दिखने में बेहद खूबसूरत और अनोखे हैं। इनमें कोरल रेड कुकरी, अफ्रीकन बुश वाइपर, ऑरेंज-बैंडेड कोरल, ऑरेंज-कॉलर कीलबैक और गोल्डन ट्री स्नेक शामिल हैं। इनके रंग सिर्फ सुंदर नहीं, बल्कि सुरक्षा और शिकार की रणनीति भी हैं।

कोरल रेड कुकरी

कोरल रेड कुकरी दक्षिण एशिया का एक बेहद दुर्लभ सांप है, जिसका शरीर चमकदार नारंगी-लाल रंग का होता है। यह गैर विषैला सांप अपनी रंगत से जंगल में आसानी से छिप जाता है। इसकी चमकदार त्वचा इसे पेड़ों और झाड़ियों में लगभग अदृश्य बना देती है। कभी इसे विलुप्त माना गया था, लेकिन भारत के दुधवा नेशनल पार्क में इसे दोबारा देखा गया।

अफ्रीकन बुश वाइपर

अफ्रीकन बुश वाइपर मध्य और पूर्वी अफ्रीका के घने जंगलों में पाया जाता है। यह विषैला सांप पेड़ों और झाड़ियों में रहता है और अपनी खुरदुरी नारंगी स्केल्स से खुद को छिपा लेता है। यह रात में शिकार करता है और पक्षियों व छोटे जानवरों को पकड़ता है। हालांकि यह जहरीला है, मगर इंसानों से दूर रहना ही इसकी फितरत है।

ऑरेंज-बैंडेड कोरल

हिमालय की तराई में पाया जाने वाला यह सांप अपने सिर के पीछे नारंगी कॉलर जैसी पट्टी के लिए मशहूर है। यह हल्का जहरीला होता है लेकिन इंसानों के लिए खतरा नहीं है। लगभग 83 सेंटीमीटर लंबा यह सांप ठंडे इलाकों के जंगलों में रहता है। इसका मुख्य भोजन छोटे जीव-जंतु हैं। इसकी नारंगी चमक इसे प्रकृति के बीच अलग पहचान देती है।

ऑरेंज-कॉलर कीलबैक

हिमालय की तराई में पाया जाने वाला यह सांप अपने सिर के पीछे नारंगी कॉलर जैसी पट्टी के लिए मशहूर है। यह हल्का जहरीला होता है लेकिन इंसानों के लिए खतरा नहीं है। लगभग 83 सेंटीमीटर लंबा यह सांप ठंडे इलाकों के जंगलों में रहता है। इसका मुख्य भोजन छोटे जीव-जंतु हैं। इसकी नारंगी चमक इसे प्रकृति के बीच अलग पहचान देती है।

भगवान राम के 'चरण' चिह्न! त्रेतायुग से जुड़ा शिला का रहस्य

छतरपुर। प्रभु श्रीराम के चरण जहां पड़े, वह जगह तर हो गई। उन्होंने अपने चरणों से शिला बनीं मां अहिल्या का उद्धार किया, वैसे ही मध्य प्रदेश के छतरपुर में भी एक ऐसी शिला है, जो अमर हो गई। दरअसल, छतरपुर के नौगांव जनपद के सिंहपुर गांव के जंगल इलाके में एक ऐसी भी शिला है, जिस पर भगवान राम ने चरण रखकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया था। तभी से यह शिला आस्था का प्रतीक बन गई। इस शिला पर आज भी श्रीराम के चरण बने हुए हैं। इस शिला की पूजा-अर्चना होती है। हालांकि, यहां कोई मंदिर नहीं बना है, क्योंकि यह शिला नदी के किनारे रखी हुई है। इसके दर्शन करने दूर-दूर से लोग आते हैं। चरण पादुका स्थित राम-जानकी मंदिर के पुजारी सुरेश दास बताते हैं कि यह बहुत ही प्राचीन स्थान है। त्रेतायुग में जब भगवान श्रीराम चंद्र चित्रकूट से वनवास के लिए दक्षिण दिशा की ओर गमन कर रहे थे, तो यहां उर्मिल नदी स्थित एक विशाल शिला पर खड़े होकर भगवन ने स्नान के बाद सूर्य भगवान को जल चढ़ाया था। तभी से इस शिला पर उनके चरण चिह्न बन गए।

सुबह-शाम होती पूजा

इसी पर पड़ा गांव का नाम

वह आगे बताते हैं कि उर्मिल नदी के किनारे जो यह प्राचीन शिला है, इसपर रामजी के चरण बने हुए हैं और इसी के नाम से हमारे गांव का नाम भी चरण पादुका सिंहपुर रखा गया है। बता दें कि इस स्थान के नाम का इतिहास भगवान श्रीराम के वनवास यात्रा से जुड़ा है।

बरसों से लग रहा मेला

पुजारी बताते हैं कि यहां बरसों से हर साल मकर संक्रांति पर्व पर मेले का आयोजन भी होता है। इस दिन बड़े-बड़े अधिकारी और नेता आते हैं। वे इस शिला में अंकित चरण पादुका के दर्शन जरूर करते हैं। छतरपुर जिले के साथ ही दूसरे राज्यों से भी श्रद्धालु यहां आते हैं। मकर संक्रांति पर्व पर लाखों की संख्या में भक्त आते हैं।

पुरखों से सुनते आए हैं

शिक्षक हेमंत तिवारी ने कहा कि हम पुरखों से सुनते आए हैं कि इस स्थान पर भगवान श्रीराम जब दक्षिण दिशा में गमन कर रहे थे, तो उन्होंने स्नान के बाद सूर्य नमस्कार किया। वह इस शिला पर बैठ गए और फिर यहीं से खड़े होकर सूर्यदेव को जल दिया। तब से इस शिला पर भगवान राम के चरण चिह्न बन गए।

हाईकोर्ट का फैसला: प्रेम संबंध टूटना सुसाइड के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस संजय एस अग्रवाल ने कहा है कि केवल प्रेम संबंध टूट जाना या शादी से इनकार कर देना, किसी व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने दुष्प्रेरण का सबूत नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकारी पक्ष यह साबित न कर दे कि आरोपी की भूमिका आत्महत्या के मामले में सीधी और सक्रिय थी, तब तक उस पर दुष्प्रेरण का आरोप नहीं लगाया जा सकता। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया। साथ ही सत्र न्यायालय की ओर से दिए गए आरोपी को दोषमुक्त करने के फैसले को भी बरकरार रखा। मामला बिलासपुर जिले का है।

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन — भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या — धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

एनीमिया जागरूकता अभियान में शामिल हुए चिकित्सक

जबलपुर। समाज में एनीमिया के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से 12 दिवसीय एनीमिया जागरूकता रथ अभियान का आयोजन इंदौर में हुआ। अभियान को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान में शहर से होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया राज्य शाखा के पदाधिकारी भी शामिल हुए। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. आर के गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एके द्विवेदी के मार्गदर्शन में आयोजित जागरूकता अभियान में उनके अलावा शहर से डॉ. आरके चतुर्वेदी, डॉ. अवधेश भट्ट, डॉ. आयशा अली, डॉ. तुलाराम लढिया, डॉ. रविशंकर नामदेव, डॉ. वीरेंद्र साहू, डॉ. विकाश विश्वकर्मा, डॉ. प्रवीन जाट, डॉ. भरत पवार, डॉ. ऋषि सिंह शामिल हुए। इस मौके पर डॉ. द्विवेदी ने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा के माध्यम से अप्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर रोगों के अनेक मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ है। इस अभियान के अंतर्गत होम्योपैथिक चिकित्सा के छात्र-छात्राओं की टीम ने घर-घर जाकर लगभग 20 लाख नागरिकों को एनीमिया के प्रति जागरूक किया तथा पोषण के सरल उपाय विशेषकर गुड़ एवं चने के सेवन की जानकारी दी।

युद्ध को लेकर नास्त्रेदमस और बाबा वेंगा की भविष्यवाणी हो गई सच

न्यूयार्क। बुल्गारिया की भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने कहा था कि, 2026 में पूर्वी हिस्से से एक बड़ा युद्ध शुरू हो सकता है, जो धीरे-धीरे दुनिया को अपनी चपेट में लेगा। उनका दावा था कि यूरोप को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है। आज जब अमेरिका ईरान तनाव, इजराइल ईरान युद्ध, तीसरा विश्व युद्ध 2026 जैसे शब्द खोजे जा रहे हैं, तो लोग उनकी बातों को जोड़कर देख रहे हैं। प्रोफेसर जुएकिन जियांग ने तीन भविष्यवाणियां की थीं। पहली डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में वापस आएंगे। दूसरी वह ईरान के साथ युद्ध की शुरुआत करेंगे और तीसरी भविष्यवाणी थी की ईरान से अमेरिका युद्ध हार जाएगा। अब वास्तव में पहली 2 भविष्यवाणी सच हो गई हैं और सबकी नजर तीसरी पर टिकी हुई है।

मिडिल ईस्ट में तनाव के हालात

अमेरिका और इजराइल ने ईरान के कई ठिकानों पर हमले किए हैं। खबरों के अनुसार, तेहरान के अहम सरकारी स्थानों को निशाना बनाया गया. इसके बाद पूरे पश्चिम एशिया में तनाव और गहरा हो गया है। ईरान ने भी जवाबी कदम उठाने की चेतावनी दी है, जिससे खौफ का साया और फैल गया है। बताया जा रहा है कि हालात बिगड़ने के बाद ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। इजराइल ने भी एहतियातन उड़ानों पर रोक लगाई है।

मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी एक सशस्त्र माओवादी ढेर

हरिभूमि न्यूज : गीदम। थाना गीदम क्षेत्रांतर्गत ग्राम गुमलनार, गिरसापारा एवं नेलगोड़ा के मध्य जंगल-पहाड़ क्षेत्र में नक्सली सामग्री एवं हथियार डम्प होने की सूचना मिलने पर टीम रवाना हुई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश तथा उप पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स राहुल कुमार उयके के नेतृत्व में डीआरजी एवं बस्तर फाइटर्स के जवानों का बल रवाना किया गया। रात्रि लगभग 8:30-9 बजे घात लगाए बैठे भैरमगढ़ एरिया कमेटी के 8-10 सशस्त्र माओवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग की। पुलिस पार्टी ने आड़ लेकर माओवादियों को आत्मसमर्पण हेतु चेतावनी दी, किंतु उनके द्वारा फायरिंग लगातार जारी रखी गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जवानों द्वारा जवाबी फायरिंग की गई। पुलिस के प्रभावी कार्रवाई से माओवादी कमजोर पड़कर पीछे हटने लगे तथा जंगल एवं अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। मुठभेड़ उपरांत सर्चिंग के दौरान स्थल की तलाशी करने पर 1 पुरुष सशस्त्र माओवादी का शव, 1 एसएलआर रायफल, 1 इंसास रायफल, 1 पिस्टल मय मैगजीन, 1 वॉकी-टॉकी सेट, 1 एसएलआर मैगजीन, 6 एसएलआर जिंदा राउंड, 1 एसएलआर का खाली खोखा, 3 इंसास मैगजीन, 5 इंसास जिंदा राउंड, 18 इंसास मिसफायर राउंड, 3 इंसास के खाली खोखे, 5 पिस्टल का जिंदा राउंड तथा 1 पिस्टल का खाली खोखा, 1 पोच सहित बरामद हुआ।

ई-नीलामी सूचना

भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड, पोस्ट ऑफिस - बाल्को नगर, कोरबा, छत्तीसगढ़, इंडिया- 495684 से जुड़े खराब साल्वेज "ब्रेकडाउन डैमेज्ड ESP (इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर) और FF (फैब्रिक फिल्टर) हॉपर स्क्रैप (लॉट)" के डिस्पोज़ल के लिए, इच्छुक खरीदारों से ई-ऑक्शन फॉर्म मंगाए गए हैं। ये फॉर्म पूरी तरह से "जैसा है, जहां है" के आधार पर, 'लॉट बेसिस' पर होंगे।

निरीक्षण और ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि - 21/03/2026, ई-नीलामी 23/03/2026 को सुबह 11:00 बजे आयोजित की जाएगी। ई-नीलामी फॉर्म के लिए श्री अमन सिंह से संपर्क करें मोबाइल: +91- 8826079263

ऑक्शन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (नीलामीकर्ता)

अधिक जानकारी के लिए : www.auctionexpress.in

आवश्यकता

आवश्यकता है- Required Dealers/Associates at different locations in following states - Chhattisgarh & Madhya Pradesh.(Packaged Drinking Water). Only Individuals or Companies having experience need apply. Mail:info @oxineer. com Website- www. oxineer. com.Ph:9165446688 (रायपुर /08/मार्च 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें
7566281535

वधु चाहिए

वधू चाहिए
बंगाली ब्राह्मण 38 उम्र वर्ष जन्म 1987 हाइट 5'-2", शिक्षा एमएससी केमेस्ट्री+ बीएड, [illegible] प्राइवेट स्कूल टीचर सैलरी 30000+ ट्यूशन क्लास इनकम 10000 प्रतिमाह बिलासपुर निवासी, मध्यम वर्गीय परिवार, स्वयं का मकान, पत्नी केवल एक महीने रही तलाकशुदा, बच्चे नहीं हिन्दू धर्म में कोई जाति बन्धन नहीं, अविवाहित, तलाकशुदा एवं बिना बच्चों वाले मान्य
सम्पर्क करें
6260632297,7415334573
[illegible]

वधू चाहिए
इकरार साह खान
उर्म: 50 वर्ष, जिला दुर्ग. केला बाड़ी मजार के पास. (दिल्ली) बिजनेश मैन हेतु वधू चाहिए. जाति बन्धन नही. तुरंत सम्पर्क करे. लड़की डायरेक्ट बात करे.
93033 96004
88512 89207

शब्द पहेली - 6158

बाएँ से दाएँ
1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे
1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -6157 का हल

सूडोकु नवताल - 6168

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6167 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

पिंक बॉल टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने की अपनी पकड़ मजबूत, दूसरी पारी में भारत ने गंवाए 6 विकेट

पर्थ। भारत के खिलाफ वाका ग्राउंड पर जारी इकलौते डे-नाइट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टीम इंडिया दूसरे दिन की समाप्ति तक 6 विकेट खोकर सिर्फ 105 रन ही बना सकी है। फिलहाल मेजबान ऑस्ट्रेलिया के पास पहली पारी के आधार पर 20 रन की लीड शेष है।

पहली पारी में टीम इंडिया नहीं बना पाई बड़ा स्कोर

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम पहली पारी में सिर्फ 198 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से इस पारी में जेमिमा रोड्रिगेज ने 84 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 35 रन और काश्वी गौतम ने नाबाद 34 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि लूसी हैमिल्टन ने 3 विकेट निकाले। 2 विकेट डार्सी ब्राउन के हाथ लगे। 1 विकेट एश्ले गार्डनर ने अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 323 रन बनाकर पहली पारी के आधार पर 125 रन की शानदार बढ़त हासिल कर ली। कप्तान एलिस पेरी ने एनाबेल सदरलैंड के साथ चौथे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की, जिसके बाद सदरलैंड ने बेथ मूनी के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन जुटाए। एलिस पेरी 11 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि बेथ मूनी ने 19 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। सदरलैंड ने 171 गेंदों में 17 चौकों के साथ 129 रन बनाकर टीम को शानदार बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत की तरफ से सायली सतघरे ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले। क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। स्नेह राणा और शेफाली वर्मा ने 1-1 विकेट निकाला।

दूसरी पारी में भी नहीं चला स्मृति का बल्ला

इसके बाद टीम इंडिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक अपनी दूसरी पारी में 29 ओवरों का सामना किया, जिसमें 6 विकेट गंवाकर महज 105 रन बनाए हैं। भारत को 2 रन पर स्मृति मंधाना (2) के रूप में बड़ा झटका लगा। इसके बाद 10 के स्कोर पर शेफाली वर्मा (5) का विकेट भी गिर गया। यहां से प्रतीका रावल ने जेमिमा रोड्रिगेज (14) के साथ 28 रन, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) के साथ 26 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। इसके अलावा, स्नेह राणा के साथ सातवें विकेट के लिए 23 रन की अटूट साझेदारी की। प्रतीका दूसरे दिन की समाप्ति तक 43 रन बनाए। 84 गेंदों की इस पारी में उनके बल्ले से 6 चौके निकले हैं, जबकि स्नेह राणा 2 चौकों के साथ 14 रन बना चुकी हैं। विपक्षी खेमे से लूसी हैमिल्टन ने 3 विकेट हासिल कर लिए हैं, जबकि सदरलैंड 2 विकेट ले चुकी हैं। 1 विकेट डार्सी ब्राउन ने प्राप्त किया है।

अनाबेल ने शतक लगाकर रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड टेस्ट में लगातार तीन पारियों में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्होंने पर्थ में भारत के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन 129 रन की पारी खेली। अपना सातवां टेस्ट मैच खेल रही सदरलैंड ने 17 चौकों की मदद से अपना चौथा टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने 171 गेंद पर 129 रन बना लीं। इससे ऑस्ट्रेलिया को मैच में बड़ी बढ़त बनाने में मदद मिली। यह सदरलैंड की टेस्ट क्रिकेट में लगातार तीसरा शतक है और पिछले पांच टेस्ट में उनका चौथा सैकड़ा है। सदरलैंड टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली आठवीं खिलाड़ी हैं। उन्होंने 89 के शानदार औसत से रन बनाए हैं। वह अपने करियर में चार बार 50 रन का आंकड़ा पार किया है और हर बारे उशे शतक में बदला है। टेस्ट क्रिकेट में उनका बेस्ट स्कोर 210 है, जो उन्होंने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इसी मैदान पर बनाया था।

खबर संक्षेप

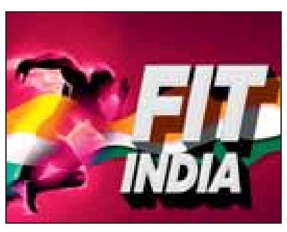

फिट इंडिया का अंतरराष्ट्रीय महिला कार्निवल शुरू

नई दिल्ली। फिट इंडिया मूवमेंट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्निवल शुरू किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आठ मार्च को मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की थीम 'मजबूत महिलाएं, मजबूत राष्ट्र' है। इसमें सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और दिल्ली पुलिस जैसे भारत के सशस्त्र बलों और सुरक्षा सेवाओं से जुड़ी 500 से अधिक महिलाएं भाग ले रही हैं। इसमें फिटनेस गतिविधियों और खेलों के माध्यम से महिलाओं की ताकत, लचीलेपन और नेतृत्व क्षमता को उजागर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत में कई प्रख्यात हस्तियों ने भाग लिया और फिटनेस, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे।

शीतकालीन पैरालंपिक खेल शुरू, रूसी ध्वज की वापसी

वेरोना। मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के तनाव के बीच मिलान कोर्टिना शीतकालीन पैरालिंपिक खेल शुरू हो गए, जिसमें कुछ देशों ने वैश्विक खेल मंच पर रूसी ध्वज की वापसी के कारण उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। उद्घाटन समारोह में इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले राष्ट्रों की परेड में रूस के ध्वज की वापसी हुई। इससे लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों से पहले रूस की ओलंपिक जगत में पूर्ण वापसी की संभावना बढ़ गई है। परेड के दौरान रूस के खिलाड़ी मंच पर आए तो कुछ दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। चमकीले लाल रंग की पोशाक पहने चार खिलाड़ियों ने रूस का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने एरिना डि वेरोना में परेड करते हुए दर्शकों का अभिवादन किया। रूस के 2022 में यूक्रेन पर हुए आक्रमण के बाद पहली बार किसी बड़ी वैश्विक खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर उसका राष्ट्रगान बजाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया वुमेंस क्लासिक प्रणवी 5वें, दीक्षा 14वें स्थान पर

मजेंटा शोर्स। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स (70) ऑस्ट्रेलिया वुमेंस क्लासिक के तीसरे दौर में 17वें होल पर डबल बोगी करने के बावजूद शीर्ष-पांच में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहीं। प्रणवी ने तीसरे दौर में 70 का कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर आठ अंडर (72-66-70) का है। केल्सी बेनेट (66-68-70) कुल 12-अंडर पार के स्कोर के साथ चौथे चरण से पहले एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली है। दीक्षा डागर (69) दूसरे दौर में 73 के निराशाजनक स्कोर से उबरते हुए अपना कुल स्कोर पांच अंडर तक पहुंचाने में सफल रही।

भारत और कीवी टीम के बीच फाइनल मुकाबला आज शाम 7 बजे से

इतिहास रचने के लिए टीम इंडिया को पार करनी होगी न्यूजीलैंड की मुश्किल बाधा

एजेंसी ▸▸| अहमदाबाद

बेहद प्रतिभाशाली और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में इतिहास रचने की उम्मीदों का बोझ होगा, भले ही सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम का पलड़ा भारी माना जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों में से एक नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत को 19 नवंबर 2023 को बड़ा झटका लगा था जब वह ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप का फाइनल हार गया था। तब भारत ने भावुक नम आंखों वाले रोहित शर्मा को ड्रेसिंग रूम की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए देखा था। केवल भारतीय टीम ही नहीं बल्कि स्टेडियम में मौजूद 93000 दर्शक भी सन्न रह गए थे। भारत ने हालांकि 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतकर इसकी काफी हद तक भरपाई कर दी थी। अब खेल के सबसे छोटे प्रारुप की भारतीय टीम सूर्यकुमार की कप्तानी में खिताब का बचाव करने और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को तीन बार जीतने वाली पहली टीम बनने की कोशिश करेगी।

भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती आसान नहीं

भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि किसी भी दिन फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन या मैट हेनरी जैसे खिलाड़ी अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करना जानते हैं। मिचेल सैंटनर या ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाड़ी जानते हैं कि एक मजबूत टीम के खिलाफ किस तरह से चुनौती का सामना करना होता है। न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा अहमदाबाद का सरदार' होगा। इस सरदार का नाम जसप्रीत बुमराह है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर। **न्यूजीलैंड:** मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्ची, काइल जैमीसन, जैकब डफी, डेवोन कॉनवे, जिमी नीशम, इश सोढ़ी।

भारत को टूर्नामेंट में मिला किस्मत का साथ

भारत को अब तक इस टूर्नामेंट में किस्मत का साथ मिला है। अगर वह खिताब जीत जाता है तो उन्हें सराहना मिलेगी लेकिन अगर वह हार जाते हैं तो फिर बहुत बड़ा बवाल मच सकता है। सूर्यकुमार ने पिछले दो वर्षों में टीम का बहुत अच्छी तरह से नेतृत्व किया है, भले ही एक बल्लेबाज के रूप में वह उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाए।

टी20 विश्व कप

न्यूजीलैंड से मिली टीम इंडिया को दिल तोड़ने की चेतावनी

एजेंसी ▸▸| अहमदाबाद

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि जब दुनिया युद्ध की विभीषिका झेल रही है तब उनकी टीम रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप में करोड़ों भारतीयों के दिल को तोड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सैंटनर वर्तमान समय के अन्य कप्तानों की तरह जोशीले नहीं हैं और ना ही वह मजाक करते हैं लेकिन उनकी हाजिरजवाबी से दर्शक ठहाके लगा देते हैं।

न्यूजीलैंड पिछले 11 वर्षों में पांच बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है लेकिन उसे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा। सैंटनर ने कहा , 'हम मैदान पर उतरते हैं और एक टीम के रूप में अपना काम करते हैं। इस बार भी इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। निश्चित रूप से यह एक चुनौती होगी, क्योंकि हर कोई जानता है कि हम शायद जीत के प्रबल दावेदार नहीं हैं। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रॉफी जीतने के लिए कुछ

लोगों का दिल तोड़ने में मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी।'

उन्होंने कहा, ' यह कहना आसान है कि यह बस एक और मैच की तरह है लेकिन हर कोई जानता है कि ऐसा नहीं है। इसके लिए आपकी अच्छी रणनीति और तैयारी होनी चाहिए।' सैंटनर ने कहा, 'विशेषकर टी20 क्रिकेट में कुछ ही पलों में पासा पलट जाता है। इन पलों में आप विपक्षी टीम पर दबाव बना सकते हैं या उनका फायदा उठा सकते हैं। मुझे लगता है कि हमने हाल के मैचों में यही देखा।'

महिला हॉकी विश्व कप

भारत और उरुग्वे के बीच क्वालीफायर मैच आज

एजेंसी ▸▸| हैदराबाद

अनुभवी कोच शोर्ड मारिन के टीम से जुड़ने के बाद उत्साह से भरी भारतीय टीम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ क्वालीफायर में उरुग्वे के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच में जीत दर्ज करके अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करने की कोशिश करेगी।

इस टूर्नामेंट में आठ टीमें मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया विश्व कप के तीन स्थानों के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे। इस टूर्नामेंट में विश्व कप के तीन स्थान दांव पर लगे होने का मतलब है कि पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

इसी दौरान इन दोनों देशों में पुरुष विश्व कप भी खेला जाएगा। यह मारिन की मुख्य कोच के रूप में पहली जिम्मेदारी होगी। नीदरलैंड के इस कोच 2021 के तोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम के ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने के बाद पद छोड़ दिया था और अब वह वापसी कर रहे हैं। भारत इस समय विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और टूर्नामेंट में सातवें नंबर की टीम इंग्लैंड के बाद दूसरी सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम है।

घरेलू मैदान पर खेलने को लेकर बेहद उत्साहित

भारत की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, 'हम अपने प्रशंसकों के सामने घरेलू मैदान पर क्वालीफायर खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। टीम ने इस टूर्नामेंट के लिए कड़ी तैयारी की है क्योंकि हम जानते हैं कि दांव पर क्या लगा है। यहां हर टीम विश्व कप में जगह बनाने के लिए खेल रही है, इसलिए हम शुरुआत से ही कड़े मुकाबलों की उम्मीद कर रहे हैं।' विश्व रैंकिंग के हिसाब से देखें तो भारत उरुग्वे के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार है। इसके बाद भारतीय टीम नौ मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स से भिड़ेगी। इसी बीच दिन के अन्य मैचों में इंग्लैंड का मुकाबला इटली से, कोरिया का ऑस्ट्रिया से और स्कॉटलैंड का वेल्स से होगा। क्वालीफायर में टीमों को दो पूल में विभाजित किया गया है, जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स पूल बी में हैं।

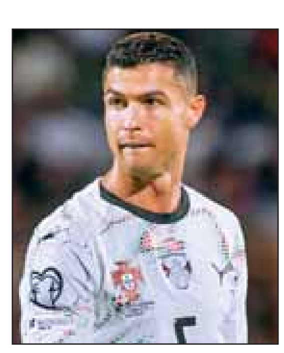

रोनाल्डो की चोट गंभीर मैत्री मैचों में खेलना संदिग्ध

रियाद। अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग की चोट जितना अनुमान लगाया जा रहा था उससे अधिक गंभीर है। इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की तरफ से आगामी मैत्री मैचों में खेलना भी संदिग्ध है। यह स्टार फुटबॉलर पिछले सप्ताहांत अल-नासर की सऊदी प्रो लीग में अल-फायहा पर 3-1 से मिली जीत के दौरान लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चला गया था। जीसस ने कहा, 'पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि हमने जितना अनुमान लगाया था उनकी चोट उससे अधिक गंभीर है।' उन्होंने कहा, ' उन्हें आराम करने और उचित उपचार करने की जरूरत है। क्रिस्टियानो इलाज के लिए स्पेन जाएंगे। उन्हें अपने निजी फिजियोथेरेपिस्ट से इलाज करवाना होगा। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।' पुर्तगाल विश्व कप की अपनी तैयारी के तहत 28 मार्च को मैक्सिको के खिलाफ मैक्सिको सिटी में और इसके बाद एक अप्रैल को अमेरिका के खिलाफ अटलांटा में मैत्री मैच खेलेगा।

4 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में सीबीआई ने किया था गिरफ्तार

सेंट्रल जीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर को मिली जमानत

हरिभूमि जबलपुर।

चार लाख रूपए की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किये गए सेंट्रल जीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर विवेक वर्मा को हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने ट्रायल के दौरान अभियोजन को सहयोग करने व अन्य शर्तों पर जमानत का लाभ दे दिया।

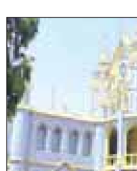

गौरतलब है कि कारोबारी विवेक त्रिपाठी ने सीबीआई को शिकायत देकर सीजीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर विवेक वर्मा व अन्य पर जीएसटी टैक्स मामले में 4 लाख रूपए की रिश्वत मांगने के आरोप लगाए थे। सीबीआई ने 17 दिसंबर 2025 को ट्रैप के दौरान सह-आरोपी को पकड़ा। बाद में विवेक वर्मा को 18 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया।

विवेक वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त ने तर्क दिया कि शिकायत और एफआईआर में आवेदक का नाम नहीं था। तीनों वेरिफिकेशन रिपोर्ट में भी उसका नाम का उल्लेख नहीं किया गया। ट्रैप के दौरान सह-आरोपी और आवेदक के बीच हुई मोबाइल बातचीत में रिश्वत मांगने का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है। गवाहों ने भी विवेक वर्मा के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। दलील दी गई कि आवेदक 85 प्रतिशत दिव्यांग है और उसका बायां पैर कट चुका है। उसके खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और ट्रायल पूरा होने में समय लगेगा। वहीं, सीबीआई की ओर से जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि शिकायतकर्ता और अन्य व्यक्तियों के बीच हुई बातचीत से रिश्वत मांगने के आरोप का समर्थन होता है। इसके अलावा प्री-ट्रैप मेमो के अनुसार 4 लाख रुपये बरामद किए गए हैं, इसलिए आरोपी को जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

बिना उचित कारण के पति से अलग रहना भी मानसिक क्रूरता

कुटुम्ब न्यायालय का अहम फैसला

जबलपुर। कुटुम्ब न्यायालय ने एक अहम फैसले में कहा कि पत्नी का बिना उचित कारण के पति से अलग रहना मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश संदीप शर्मा की अदालत ने क्रूरता के आधार पर पति द्वारा दायर दांपत्य समाप्त करने मांग की अर्जी स्वीकार कर ली। कचनार सिटी जबलपुर निवासी पति अभिषेक तिवारी ने अर्जी में पत्नी जयंती से विवाह विच्छेद की मांग की थी। आवेदक की ओर से दलील दी गई कि आवेदक व अनावेदक का विवाह 18 मई, 2021 को विवाह अधिकारी के समक्ष हुआ था। चूंकि विवाह कोरोना काल में हुआ था, अतः कोई मांग नहीं की गई थी। कुछ दिन बाद पत्नी मायके चली गई।कई बार समझने की कोशिश की गई । लेकिन वह अकारण ससुराल आने से मना करने लगी। इस वजह से आवेदक को मानसिक त्रास हुआ। उसने इसी रवैये को क्ररता की परिधि में रखकर दांपत्य संबंध समाप्त करने की राहत मांगी। कोर्ट ने आवेदक का पक्ष मजबूत पाकर तलाक की डिक्री पारित कर दी।

पूरी परीक्षा के दौरान मात्र 1 नकल प्रकरण बना

एमपी बोर्ड परीक्षाओं का समापन

हरिभूमि जबलपुर।

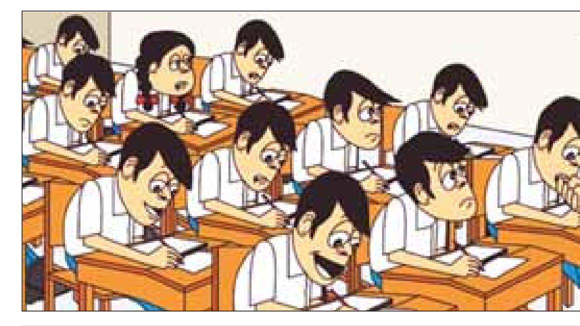

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं जिले में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गईं। फरवरी के दूसरे सप्ताह से शुरू हुई परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मार्च के पहले सप्ताह में समाप्त हो गईं। जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी और प्रशासनिक सख्ती के बीच परीक्षाएं आयोजित की गईं।

इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं की खास बात यह रही कि पूरे परीक्षा काल के दौरान जिले में सिर्फ एक नकल प्रकरण दर्ज किया गया। प्रशासन द्वारा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, उड़नदस्तों की सक्रियता और केंद्राध्यक्षों की सतर्कता के कारण अनुचित साधनों के उपयोग पर प्रभावी रोक लगी रही। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इसे व्यवस्था की सफलता बताया है।

मूल्यांकन कार्य जारी

परीक्षा समाप्त होते ही अब उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य तेज गति से शुरू हो गया है। प्रदेश भर में लाखों कॉपियों की जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार मूल्यांकन कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

लक्ष्य : समय पर परिणाम

मंडल का लक्ष्य है कि बोर्ड परीक्षा परिणाम निर्धारित समय पर घोषित किए जाएं। संभावना जताई जा रही है कि परिणाम मई के पहले सप्ताह में जारी किए जा सकते हैं। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि पारदर्शिता और समयबद्धता को प्राथमिकता देते हुए परिणाम घोषित किए जाएंगे।

रादुविवि में विभागाध्यक्ष पर महिला शिक्षक ने लगाए आरोप

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में एक बार फिर विवाद सामने आया है। गणित और कम्प्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष पर एक महिला अतिथि शिक्षक ने गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला शिक्षक, जो वर्ष 2019 से विभाग में कार्यरत हैं, ने कुलगुरु कार्यालय में शिकायत दी है। उनका कहना है कि 2 मार्च की दोपहर करीब

गाली-गलौच और हाथ पकड़ने की कोशिश

3:50 बजे विभागाध्यक्ष ने स्टाफ के सामने उनके साथ गाली-गलौच की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विभागाध्यक्ष ने अभद्र व्यवहार करते हुए उनका हाथ पकड़ने की कोशिश की। महिला शिक्षक ने बताया कि पहले भी विभागाध्यक्ष का व्यवहार ठीक नहीं रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने 2 मार्च की घटना की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की है। शिकायत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। विश्वविद्यालय में इस घटना को लेकर चर्चा बनी हुई है।

आरोपी महिला कचनार सिटी, विजय नगर निवासी 42 वर्षीय प्रियंका शर्मा कैशियर के पद पर कार्यरत थीं

महिला कैशियर 8 लाख का गबन कर फरार

जबलपुर। माढ़ोताल थानांतर्गत करमेता स्थित एक शैक्षणिक संस्थान की महिला कैशियर 8 लाख रुपए की राशि की हेरफर कर फरार हो गई। संस्थान द्वारा महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस के अनुसार इस मामले में संस्थान की ओर से शांतिनगर, गोहलपुर निवासी 46 वर्षीय अभिषेक चौबे ने लिखित शिकायत दी। शिकायत में कहा गया हैं कि करमेता स्थित डॉ. राधाकृष्णन इंस्टीट्यूट ऑफ एज्युकेशन में आरोपी कचनार सिटी, विजय नगर निवासी 42 वर्षीय प्रियंका शर्मा कैशियर के पद पर कार्यरत थीं। लेखा परीक्षण (ऑडिट) की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी प्रियंका शर्मा द्वारा करीब 8 लाख रुपए की राशि का हेरफेर किया गया। सत्र 2023-2024 में कैश बुक में रसीदों को ऑनलाइन दिखाकर करीब 2 लाख 14 हजार 9 सौ रुपए की राशि का गबन किया गया। शिकायत में कहा गया कि नवंबर माह में कॉलेज में नैक का कार्य चल रहा था जिसमें कॉलेज के खर्च के लिए 1 लाख रुपए नगद लिए गए थे। इसके बाद आरोपी प्रियंका शर्मा 1 नवंबर से 17 जनवरी तक का कैश लेकर लापता हो गईं जिसमें कई छात्रों को फीस की रसीद जारी न करते हुए सिर्फ हस्ताक्षरित पर्ची दी गई, जिसकी राशि करीब 3 लाख रुपए हैं। यह पूरी राशि आरोपी प्रियंका शर्मा को कॉलेज के बैंक खाते में जमा करनी थी लेकिन राशि अपने पास रख आरोपिया द्वारा अमानत में खमानत की गई। शिकायत में कहा गया हैं कि पूर्व में इस संबंध में सूचना पर आरोपी प्रियंका शर्मा द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि वे 15 से 28 फरवरी तक राशि जमा कर देंगी उन्होंने अपने एसबीआई गोविंदपुरा भोपाल शाखा का ब्लैंक चैक भी कॉलेज में जमा कराया और कॉलेज से जो गईं तो अब तक लगातार अनुपस्थित हैं। वे कॉलेज से जा रहे कॉल या मैसेज का जवाब भी नहीं दे रहीं हैं। पुलिस ने जांच में पाया कि अभिषेक चौबे एवं आरोपी प्रियंका शर्मा एवं छात्रों के कथन में पाया गया कि अभिषेक चौबे द्वारा प्रस्तुत ऑडिट रिपोर्ट में आरोपी प्रियंका शर्मा द्वारा छात्रों से कैश में फीस ली गई लेकिन फीस रजिस्टर में ऑनलाइन दिखाकर 2 लाख 44 हजार रुपए 1 नवंबर 2024 से 17 जनवरी 2025 तक की फीस रजिस्टर में दर्ज हैं लेकिन कॉलेज के बैंक खाते में नहीं जमा कराई गई। इस तरह आरोपी प्रियंका शर्मा द्वारा 3 लाख 61 हार रुपए छात्रों से फीस लेकर रजिस्टर तथा कैश बुक में एंट्री नहीं की गई। इसी तरह 2 लाख 10 हजार 2 सौ रुपए की राशि सहित कुल 8 लाख 16 हजार एक सौ रुपए संस्था की फीस की रकम बेइमानी पूर्वक हड़पने के आशय से अमानत में खमानत पाए जाने पर आरोपी प्रियंका शर्मा के खिलाफ धारा 316(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

जालसाज अमित खम्परिया पर उमरिया में नई एफआईआर

फर्जी एफडीआर से पीडब्लयूडी को भी ठगा

जबलपुर। जबलपुर और आसपास के जिलों में सक्रिय जालसाज अमित खम्परिया के खिलाफ पुलिस ने एक और मामला दर्ज किया है। इस बार उस पर लोक निर्माण विभाग को फर्जी दस्तावेज देकर धोखा देने का आरोप है। उमरिया जिले के कोतवाली थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचना की धाराओं 420, 467, 468 और 471 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि वर्ष 2009 में सोनमसीरा घाट पथकर पुल का ठेका लेने के लिए आरोपी ने यूनियन बैंक की 2 लाख 80 हजार रुपए की फर्जी एफडीआर जमा की थी। जब विभाग ने बैंक से सत्यापन कराया तो बैंक ने ऐसी कोई एफडीआर जारी न करने की बात कही। शिकायतकर्ता सचिन गुप्ता की शिकायत पर एसपी के निर्देश के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

टोल प्लाजा के नाम पर ठगी

अमित खम्परिया पर टोल प्लाजा में पार्टनर बनाने के नाम पर भी करोड़ों की ठगी करने का आरोप है। उत्तर प्रदेश के बेलोन टोला टोल प्लाजा में हिस्सेदारी दिलाने के नाम पर घनेंद्र सिंह राघव और सचिन गुप्ता से करीब 1.21 करोड़ रुपए लेने का मामला सामने आया है। निवेशकों द्वारा पैसा वापस मांगने पर आरोपी द्वारा धमकी देने की भी शिकायत है। इस मामले में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के आधार पर जांच जारी है। संजीवनी नगर थाने में भी आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज है।

चार जिलों में दर्ज हैं 14 मामले

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ जबलपुर, कटनी, उमरिया और मंडला जिलों में कुल 14 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें हत्या के प्रयास, अवैध उत्खनन, चोरी, साजिश और धोखाधड़ी जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। मंडला जिले में उसे और उसके परिजनों को 5-5 साल की सजा भी सुनाई जा चुकी है। फिलहाल आरोपी पुराने मामलों में जेल में बंद है। नए खुलासों के बाद पुलिस उसे रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। साथ ही उसकी संपत्ति और बैंक खातों की भी जांच की जा रही है, ताकि ठगी गई रकम की बरामदगी की जा सके।

जबलपुर–नवी मुंबई वायुसेवा से क्षेत्रीय विकास को मिलेगा नया आयाम

जबलपुर। जबलपुर से नवी मुंबई के बीच इंडिगो की प्रस्तावित सीधी वायुसेवा 29 मार्च से प्रारंभ हो रही है। इस वायुसेवा के होने से महाकौशल क्षेत्र के नागरिकों, उद्योग-व्यापार जगत तथा पर्यटन क्षेत्र को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की संभावना है। एक जानकारी में वायुसेवा संघर्ष समिति उड़ान जबलपुर के संयोजक हिमांशु खरे ने बताया यह नई हवाई कनेक्टिविटी न केवल जबलपुर को देश की आर्थिक राजधानी से जोड़ने का कार्य करेगी, बल्कि क्षेत्र के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति प्रदान करेगी। नवी मुंबई के नए उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें उपलब्ध हैं जिनमें निकट भविष्य में और बढ़ोत्तरी होगी जिससे जबलपुर को कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि यहां से सड़क मार्ग से पुणे जाना भी आसान हो जाएगा। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों, पेशेवरों तथा आम नागरिकों को भी इस सेवा से बड़ा लाभ मिलेगा। मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में अध्ययन, चिकित्सा, रोजगार और व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा करने वाले लोगों को समय की बचत के साथ सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध होगा।

पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध मामला कायम कर जांच में लिया

वृद्ध का एटीएम कार्ड बदलकर 1 लाख निकाले

जबलपुर। गोरखपुर थाना अतंर्गत छोटी लाईन फाटक के पास एक वृद्ध का एटीएम कार्ड बदलकर अज्ञात जालसाज ने 1 लाख 6 हजार 160 रूपये धोखाधड़ी कर निकाल लिए। गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार थम्मन सिंह काम्पलेक्स गोरखपुर निवासी 80 वर्षीय बीएस सिडाम ने गोरखपुर थाने में लिखित शिकायत की है कि उसका खाता स्टेट बैंक आफ इंडिया में है जिससे वह एटीएम के माध्यम से नगद राशि निकालता है। गत 1 दिसंबर 2025 को रूपये निकालने के लिये छोटी लाईन फाटक के पास स्थित एसबीआई एटीएम में लगभग 11.30 बजे से दोपहर लगभग 12.30 बजे के बीच आया था एटीएम में पहले से एक अन्य व्यक्ति मौजूद था उसने कई बार प्रयास किया लेकिन पैसा नहीं निकला, वहां उपस्थित व्यक्ति ने उससे कहा कि अंकल मैं आपकी मदद कर देता हूं और उससे एटीएम कार्ड लेकर मशीन में लगाया और उससे एटीएम पिन डालने के लिये कहा, उक्त व्यक्ति ने उससे ऐसा 2-3 बार करवाया फिर भी पैसा नहीं निकला तो बोला कि शायद एटीएम मशीन में पैसा नही है, वह अपना एटीएम कार्ड लेकर घर आ गया अगले दिन उसके एटीएम में पैसे निकालने आया काफी प्रयास करने के बाद भी पैसे नहीं निकले शंका होने पर एटीएम कार्ड देखा जो अभिलाष पाठक नाम के व्यक्ति का था, वह बैंक जाकर अपना बैंक स्टेटमेंट निकलवाया पता चला कि उसके खाते से कुल 1 लाख 6 हजार 160 रूपये निकाले जा चुके हैं। पुलिस ने लिखित शिकायत के अवलोकन पर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

खुलासा — दोस्त के साथ मिलकर दिया था वारदात को अंजाम

जादू टोने के शक में भांजे ने की थी मामा की हत्या

हरिभूमि जबलपुर।

जिले के कुंडम थाना अतंर्गत ग्राम बिसनपुरा में कुल्हाड़ी से गला काटकर की गई हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने मृतक के भांजे व उसके एक दोस्त को गिरफ्तार किया है। वारदात जादू-टोना के शक पर की गई थी।

गौरतलब हो कि शुक्रवार 6 मार्च की देर शाम गांव के बाहर 50 वर्षीय भूरालाल यादव का शव सिर से अलग हालत में मिला था। जांच के दौरान 7 मार्च शनिवार की सुबह पुलिस ने गांव के ही दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिन्होंने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि जादू-टोना और गाली देने की बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उन्होंने कुल्हाड़ी से भूरालाल की हत्या कर दी और शव को गांव के बाहर जंगल में फेंक दिया।

गावं में मिली थी सिर कटी लाश

6 मार्च की शाम बिसनपुरा गांव के कुछ ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक शव देखा, जिसका सिर और धड़ अलग-अलग पड़े थे। बाद में शव की पहचान गांव के ही 50 वर्षीय भूरालाल यादव के रूप में हुई, जो खेती के साथ-साथ आसपास के इलाकों में झाड़-फूंक का काम करता था।

4 मार्च से लापता था भूरालाल

मृतक के भाई नन्हेंलाल ने पुलिस को बताया कि भूरालाल 4 मार्च की दोपहर से लापता था। दोपहर में खाना खाने के बाद वह घर से निकला था, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसे आसपास के गांवों में भी तलाशा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दो दिन बाद ग्रामीणों से शव मिलने की जानकारी मिली। नन्हेंलाल के मुताबिक 4 मार्च की शाम को गांव के ही पिट्टी उर्फ संत कुमार, जो रिश्ते में भांजा लगता है, और

उसके दोस्त मधु शाह से भूरालाल का विवाद हुआ था। संत कुमार को शक था कि उसके परिवार पर आई परेशानियों के पीछे भूरालाल का जादू-टोना है। इसी बात को लेकर दोनों ने भूरालाल को जान से मारने की धमकी भी दी थी। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन भूरालाल अपने थैले में जादू-टोना का सामान लेकर दूसरे गांव जा रहा था। इसी दौरान घात लगाकर बैठे आरोपियों ने उस पर कुल्हाड़ी से दो बार गर्दन पर वार किया, जिससे उसका सिर धड़ से अलग हो गया। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

आरोपी गिरफ्तार

वारदात के बाद कुंडम थाना पुलिस ने भूरेलाल के परिजनों की शिकायत के आधार पर पिट्टी लाल और संत कुमार के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करते हुए उनकी तलाश शुरू की। पुलिस ने शनिवार सुबह दोनों आरोपियों को डेम के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि बिसनपुरा गांव निवासी भूरा लाल यादव जादू टोना और झाड़ फूंक किया करता था। संत कुमार जो कि मृतक का भांजा भी लगता है, उसे शक था कि उसके कारण ही घर पर कलह आ रही है और समय समय पर घर के सभी लोग बीमार पड़े है।इसी बात को लेकर उसने अपने मामा की दोस्त के साथ मिलकर हत्या कर दी। पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये प्रकरण में धारा 103(1), 238(ख) बढाई गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

लाव-लश्कर के साथ पहुंचा अमला, विरोध में उतरे रहवासी

मदन महल पहाड़ी से ननि की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरु

हरिभूमि जबलपुर।

मदन महल पहाड़ी पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शनिवार सुबह शुरू होते ही क्षेत्र में भारी गहमागहमी का माहौल बन गया। जेसीबी, डंपर, भारी पुलिस बल, राजस्व अमला और नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी दस्ता जैसे ही मौके पर पहुंचा, बस्ती में रह रहे लोग घरों से निकलकर सड़क पर आ गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। आईसीएमआर मेडिकल के सामने पहाड़ी पर बसी बस्ती में सुबह से तनाव की स्थिति बनी रही। एक ओर प्रशासन का पूरा अमला डटा रहा, तो दूसरी ओर महिलाएं और बच्चे अतिक्रमण हटाने का विरोध करते नजर आए। अधिकारी न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए लोगों को हटने की समझाइश दे रहे थे, जबकि रहवासी कुछ दिन की मोहलत मांग रहे थे।

जिला प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी को सुनवाई के दौरान राज्य शासन को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश का शीघ्र पालन करने के निर्देश दिए थे, जिसमें मदन महल पहाड़ी को अतिक्रमण मुक्त कराने को कहा गया है।

एसडीएम गोरखपुर अनुराग सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बाद कई दिनों से क्षेत्र में मुनादी कराकर लोगों को अतिक्रमण हटाने की सूचना दी जा रही थी। शनिवार से औपचारिक कार्रवाई शुरू की गई है। पहले दिन की कार्रवाई में 26 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिनमें से 5 को विशेष रूप से चेतावनी दी गई है।

वहीं अतिक्रमणकारियों का कहना है कि तेवर मंदिर के पास जो जमीन दी गई है, वहां अभी सड़क, नाली और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। जब तक वहां बुनियादी व्यवस्थाएं पूरी नहीं की जातीं, वे स्थानांतरण के लिए तैयार नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार क्षेत्रीय लोगों ने पहले से रणनीति बनाकर विरोध की तैयारी की थी। महिलाओं ने आगे आकर प्रशासन के सामने अपनी मांग रखी और बच्चों की पढ़ाई तथा मूलभूत सुविधाओं का मुद्दा उठाया। प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया है कि विस्थापन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं जल्द सुनिश्चित की जाएंगी।

पहाड़ी को मूल स्वरुप में लाया जाएगा : कलेक्टर

पहाड़ी पर नए अतिक्रमणकारियों को नहीं मिलेंगे पट्टे

जबलपुर। जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि परीक्षाएं समाप्त हो गई और त्यौहार भी हो गए। बारिश और ठंड के बीच का मौसम भी अनुकूल है लिहाजा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद अब मदनमहल की पहाड़ी को मूल स्वरुप में वापस लाने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरु कर दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व में किए गए सर्वे के बाद नए अतिक्रमणों को पट्टा नहीं दिया जाएगा। इस कार्रवाई में मानवीय संवेदनाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है। प्रभावितों को राशन पानी, बांस बल्ली, तिरपाल भी दिए जा रहे हैं। श्री सिंह यहां कलेक्टर के सभागार में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। पत्रकारों से चर्चा कर उन्होंने बताया कि 714 परिवारों को चिन्हित किया गया हैं, जिनके निर्माण पहाड़ियों से हटाये जायेंगे। पूर्व में सर्वे किया गया था उसके बाद जो नए अतिक्रमण किए गए हैं उन्हें विस्थापन का पट्टा नहीं दिया जायेगा। कलेक्टर ने बताया कि 7 मार्च शनिवार को आईसीएमआर के पास से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरु की गई। तेवर के पास विस्थापितों को जगह उपलब्ध कराई गई। उन्हें अस्थाई निवास बनाने के लिए बांस बल्ली तिरपाल और भोजन पानी भी दिया जा रहा हैं। कलेक्टर ने बताय कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की शुरुआत पुरवा क्षेत्र में आईसीएमआर के सामने वाले हिस्से से की जाएगी। इसके लिए पिछले कई दिनों से इलाके में मुनादी कराकर लोगों को पहले ही सूचना दी जा चुकी है, ताकि वे स्वयं अतिक्रमण हटा सकें। प्रशासन ने बताया कि यह कार्रवाई राजस्व विभाग, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की जाएगी। अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

दरअसल, मदनमहल पहाड़ी क्षेत्र में अतिक्रमण को लेकर याचिका पर सुनवाई के बाद मप्र हाईकोर्ट ने पहले ही पहाड़ी को अतिक्रमण मुक्त कराने के आदेश दिए थे। हाल ही में शांति बाई शर्मा एवं अन्य द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में दायर याचिका पर 24 फरवरी को सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य शासन को उच्च न्यायालय के आदेश का शीघ्र पालन करने के निर्देश दिए थे। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के साथ-साथ सर्वोच्च न्यायालय में भी प्रस्तुत की जाए। इसके बाद जिला प्रशासन ने अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की साप्ताहिक समीक्षा रिपोर्ट राज्य शासन को भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य शासन के मंशा अनुरुप कार्रवाई के दौरान प्रभावी की सुविधा और मानवीय संवेदनाओं पर पूरा फोकस किया जा रहा है।

फूलों की होली खेलकर मनाया उत्सव

महिला दिवस पर आईएमए में हुआ सम्मान समारोह

हरिभूमि, जबलपुर।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) जबलपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आईएमए हाउस में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आईएमए की महिला डॉक्टरों के साथ समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित महिलाओं का सम्मान कर उन्हें उपहार भेंट किए गए। अतिथियों का भारतीय परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में आईएमए अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा, सचिव डॉ. शामिख रज़ा सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने महिलाओं का स्वागत कर अपने विचार रखे। इस दौरान डॉ. रूपलेखा चौहान, मिताली बनर्जी, रत्ना श्रीवास्तव, मुक्ता भटेले, प्रज्ञा सिंघई, मोना (बाबुषा) कोहली, शिवांजली, अभिलाषा वरखेड़े सहित कई क्षेत्रों की महिलाएं उपस्थित रहीं। अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से 14 वर्ष की बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क HPV टीकाकरण की योजना के लिए केंद्र व राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया गया तथा महिलाओं से बालिकाओं को इस टीकाकरण के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर उत्सव मनाया गया और अंत में सभी ने फूलों की होली खेलकर महिला दिवस की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अबोली पांसे व डॉ. पारिजात पांसे ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ऋचा शर्मा व डॉ. शामिख रज़ा ने दिया।

आलमारी सुधारने आये मैकेनिक ने 2 लाख रुपए उड़ाए

जबलपुर। विजयनगर थाना अतंर्गत शिवनगर दमोहनाका में अलमारी सुधारने आया एक व्यक्ति अलमारी में रखे 2 लाख रुपए और एटीएम कार्ड चोरी कर ले गया। विजयनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पनागर ब्लाक में शिक्षक के पद पर पदस्थ शिवनगर दमोहनाका निवासी 49 वर्षीय मनोज विश्वकर्मा के घर गत 28 फरवरी की शाम लगभग 6 बजे सरदार के भेष में घर की आलमारी सुधारने आए एक व्यक्ति को मनोज के पिता ने आलमारी सुधारने के लिये बुलाया था जो घर पर आलमारी सुधार रहा था। उसी समय वह भी डियूटी से घर आ गया था और आलमारी सुधारने वाला अलमारी सुधारकर चला गया था। कुछ समय बाद जब मनोज ने अलमारी चैक की तो उसमें रखे लगभग 2 लाख रुपए एवं एटीएम कार्ड अलमारी सुधारने वाला आरोपी चोरी कर ले गया।

महिला दिवस सप्ताहः रानीताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सेल्फ डिफेंस, जुम्बा व फिटनेस कार्यक्रम

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जबलपुर में महिला दिवस सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को फिटनेस, आत्मरक्षा और खेलों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को रानीताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में वुशु कोच मनोज गुप्ता ने बालिकाओं और महिलाओं को सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण दिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी सीमा दुबे ने खेल और फिटनेस के क्षेत्र में करियर के अवसरों की जानकारी दी। इसके अलावा जुम्बा इंस्ट्रक्टर कशिश गोटिया ने जुम्बा सेशन के माध्यम से प्रतिभागियों को फिटनेस के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक बालिकाओं, महिलाओं और महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक दिनेश ठाकुर, बॉक्सिंग प्रशिक्षक नूपुर पांडेय, खो-खो प्रशिक्षक गोल्डी और कबड्डी प्रशिक्षक शानू यादव सहित अन्य प्रशिक्षकों ने भी सहयोग प्रदान किया। एसटीसी जबलपुर की केंद्र प्रभारी दुर्गेश नंदिनी ने कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। महिला दिवस सप्ताह के अंतर्गत 8 मार्च को एसटीसी जबलपुर में संडे साइक्लिंग और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

धर्म परिवर्तन : जबलपुर स्थित आर्य समाज मंदिर में विधि-विधान से किया

मुस्लिम युवक ने सनातन हिन्दू धर्म अपनाया, अब कहलाएंगे सर्वेश्वर शरण

हरिभूमि, जबलपुर।

शहडोल जिले के निवासी मोहम्मद नरुल हुदा ने स्वेच्छा से मुस्लिम धर्म छोड़कर सनातन हिन्दू धर्म स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह धर्म परिवर्तन जबलपुर स्थित आर्य समाज मंदिर में विधि-विधान से किया। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मोहम्मद नरुल हुदा आत्मज नोमन हाफिज, निवासी 893/2 झगराहा वार्ड क्रमांक 20, पोस्ट अमलई पेपर मिल्स जिला शहडोल ने अपनी पूर्ण समझदारी और स्वेच्छा से यह निर्णय लिया है। धर्म परिवर्तन के बाद उन्होंने अपना नया नाम सर्वेश्वर शरण घोषित किया है और अब वे सनातन हिन्दू धर्म के रीति-रिवाजों का पालन करेंगे।

मोहम्मद नरुल हुदा अब सर्वेश्वर शरण, आत्मज के रूप में महंत सितावल्लभ शरण के रूप में जाना जाएगा। वर्तमान में उनका पता श्री राम जानकी मंदिर, बड़ा अखाड़ा, मैहर जिला सतना बताया गया है।

पूर्व में भी सनातन धर्म अपना चुके कई युवक

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी जबलपुर में कई मुस्लिम युवकों ने स्वेच्छा से सनातन धर्म को अपनाया है। इन युवकों का कहना रहा है कि उन्होंने अपनी आस्था और विश्वास के आधार पर यह निर्णय लिया। विश्व का सबसे प्राचीन और सनातन परंपराओं से जुड़ा धर्म होने के कारण सनातन धर्म की ओर युवाओं का रुझान लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। सामाजिक संगठनों और धार्मिक संस्थाओं की उपस्थिति में विधि-विधान के साथ धर्म परिवर्तन की प्रक्रियाएं भी कराई गई हैं।

निगमायुक्त ने वसूली के लिए लगाया निगम का पूरा अमला

जबलपुर। नगर निगम अपने विकास कार्यों को गति देने और वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने के लिए 'मिशन मोड' में है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शहर के सर्वांगीण विकास हेतु राजस्व वसूली के लक्ष्यों को समयसीमा में पूरा करने के लिए निगम के पूरे अमले को मैदान में उतार दिया। इसमें केवल राजस्व विभाग ही नहीं, बल्कि बाजार, जल, भवन, स्वास्थ्य और प्रकाश विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी संभागीय स्तर पर वसूली कार्य में जुटे हैं। समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने अगले 8 दिनों में 80 प्रतिशत वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया और इसे पूरा करने के निर्देश दिए। लक्ष्य से अधिक वसूली करने वाले शीर्ष 5 अधिकारियों और कर्मचारियों को उपहार स्वरूप टैबलेट प्रदान किए जाएंगे। निगमायुक्त ने 14 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। इस दिन प्रत्येक कर संग्राहक को 100-100 करदाताओं को शामिल कर उन्हें राहत प्रदान करने का लक्ष्य दिया गया है। वहीं, 14 मार्च के बाद लक्ष्य प्राप्ति न करने वाले अमले पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। बैठक में अपर आयुक्त अरविन्द शाह, देवेन्द्र सिंह चौहान, व्ही.एन. बाजपेयी, श्रीमती अंजू सिंह, मनोज श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त आनंद मिश्रा और अंकिता बर्मन सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुर्घटना : रेल यातायात प्रभावित

एनकेजे के पास मालगाड़ी के 4 डिब्बे पटरी से उतरे

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के कटनी- बिलासपुर रेल खंड पर कटनी मुड़वारा व न्यू कटनी जंक्शन (एनकेजे) के बीच कोयले से भरी मालगाड़ी के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना में हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन इस मार्ग पर रेल यातायात अवरूद्ध हो गया। रेलवे सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह कोयला भरी मालगाडी के 4 से ज्यादा डिब्बे पटरी से नीचे उतर गए। बिलासपुर मार्ग से आ रही मालगाड़ी सुबह 11 बजे कटनी पहुंचने वाली थी। इसी बीच गायत्री नगर आउटर पर मालगाड़ी के पहिए पटरी से उतर गए। खबर लगते ही एनकेजे से रेलवे अधिकारी, जीआरपी, आरपीएफ बल व जबलपुर से दुर्घटना राहत गाड़ी (एआरटी) मौके पर पहुंच गई। साथ ही जबलपुर से मंडल रेल प्रबंधक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच चुके थे। दोपहर बाद तक रेल ट्रैक से मालगाड़ी के डिब्बे व गिरा हुआ कोयला हटाने का काम किया जाता रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जबलपुर में सुबह 10.50 बजे रेलवे ने खतरे का 3 बार सायरन बजाया, जिससे रेल कर्मचारियों के साथ-साथ सायरन की आवाज सुनने वाले आम लोगों में भी किसी रेल दुर्घटना की आशंका से हड़कम्प मच गया। बताया जाता है कि कटनी मुड़वारा-एनकेजे लाइन में मालगाड़ी (बॉक्स एन) दुर्घटनाग्रस्त हुई, जिसके चलते जबलपुर से भी दुर्घटना राहत गाड़ी रवाना की गई है। बताया जाता है कि दुर्घटना के कारण कई डिब्बे लाइनों में इधर-उधर हो गये, कई के तो पहिये तक निकल गये जिससे यातायात प्रभावित होने के अलावा, रेल लाइन, ओएचई को भी नुकसान पहुंचा है। इस मेन लाइन पर दुर्घटना के कारण रेल संचालन ठप हो गया जिसके बाद रेल प्रशासन ने फ्लाईओवर रेलमार्ग से यातायात को बहाल करने की कबायद की। सीनियर डीसीएम, जबलपुर रेल मंडल. डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि कटनी मुड़वारा-एनकेजे के बीच गुड्स ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हुई जिससे इस रास्ते रेल यातायात प्रभावित हुआ जिसे बहाल करने तमाम जरुरी कदम उठाए गए है।

ये रेलगाड़िया प्रभावित

इस दुर्घटना के बाद कुछ गाड़ियों को मार्ग बदलकर चलाया गया। गाड़ी संख्या 18009 संतरागाछी-अजमेर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन जो प्रारम्भिक स्टेशन संतरागाछी मार्ग से होते रास्ते को वाया कटंगी खुर्द रेलवे स्टेशन से हरदुआ रेलवे स्टेशन के बीच ग्रेड सेपरेटर मार्ग से होकर चलाया गया। इसी तरह गाड़ी संख्या 11448 हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस ट्रेन जो प्रारम्भिक स्टेशन हावड़ा को वाया न्यू कटनी जंक्शन-कटनी से होकर जबलपुर पहुँची।

क्राइम मीटिंग में कप्तान का सख्त रुख, गुमशुदा नाबालिगों और फरार आरोपियों पर सख्ती के निर्देश

कार्यप्रणाली सुधारो, नहीं तो अगली बैठक में शामिल नहीं हो पाओगे

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले में अपराध नियंत्रण और पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान कई थाना प्रभारियों के कमजोर प्रदर्शन पर कप्तान का सख्त रुख देखने को मिला। खास तौर पर सिविल लाइंस टीआई अनूप नामदेव को उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ तो अगली समीक्षा बैठक में शामिल होने की स्थिति भी नहीं रहेगी।

बैठक में शहर, ग्रामीण और अपराध शाखा के एएसपी सहित सभी सीएसपी, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। इस दौरान कप्तान उपाध्याय ने लंबित अपराधों और पुलिस की कार्यप्रणाली की थानावार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अपराधों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गंभीर अपराधों की थानावार समीक्षा

बैठक में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, झपटमारी, नकबजनी, एससी-एसटी एक्ट और महिला संबंधी अपराधों की विस्तार से समीक्षा की गई। एसपी ने लंबित मामलों में तेजी लाने और शीघ्र विवेचना पूरी कर आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपत्ति संबंधी अपराधों में आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गई संपत्ति की बरामदगी पर भी जोर दिया।

गुमशुदा नाबालिगों की तलाश प्राथमिकता

कप्तान उपाध्याय ने अपहृत या गुम अवयस्क बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि हर संभव प्रयास कर उनकी तलाश सुनिश्चित की जाए। यदि किसी नाबालिग के जिले से बाहर होने की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस टीम गठित कर भेजी जाए और शीघ्र बरामदगी की कार्रवाई की जाए।

स्थाई वारंट और फरार आरोपियों पर शिकंजा

बैठक में कप्तान उपाध्याय ने स्थाई वारंटों की तामील बढ़ाने और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। जिले से बाहर छिपे आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीम बनाकर कार्रवाई करने और आवश्यक होने पर इनाम घोषित करने को भी कहा गया।

सोशल मीडिया और यातायात पर निगरानी

कप्तान उपाध्याय ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट, हथियारों का प्रदर्शन और वाहनों पर स्टंट कर वीडियो अपलोड करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही शाम के समय बाजार क्षेत्रों में पैदल पेट्रोलिंग कर अवैध अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था सुचारु रखने को कहा।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रमुख चौराहों पर बैरिकेड लगाकर ब्रीथ एनालाइजर से जांच करने के निर्देश दिए गए। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया भी शुरू करने के निर्देश कप्तान ने दिए।

खबर संक्षेप

18वें रोजा पर दावते इफ्तार व तआम का आयोजन

जबलपुर। हर साल की तरह इस साल भी पूर्व मंत्री व विधायक लखन घनघोरिया परिवार एवं मित्रगणों के द्वारा लगातार 36वें वर्ष दावते इफ्तार व तआम का आयोजन 08 मार्च को किया गया है। हजरत मौलाना डॉ. मुशाहिद रजा सिद्दीकी मुफ्ती-ए-आजम मप्र की जेरे सरपरस्ती में 18वें रोजा पर मैदान मस्जिद छुट्टु मियां की तलैया, खटीक मोहल्ला, जवाहरगंज वार्ड में दावते इफ्तार व तआम कार्यक्रम आयोजित है। इस अवसर पर उपस्थित होकर शुक्रिया का मौका दें।

गढ़ा रामलीला का रंग पंचमी महोत्सव कल

जबलपुर। श्रीरामलीला समिति गढ़ा द्वारा रंग पंचमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 9 मार्च को सायं 7:00 बजे से समिति के संचालक पंडित अशोक मनोध्याय के निवास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे, साथ ही सुप्रसिद्ध कवि आचार्य भगवत प्रसाद दुबे, राजसागरी, विनोद नयन एवं दीपक तिवारी भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इस अवसर पर बसंतोत्सव, मदनोत्सव एवं होलिका उत्सव की मंगलकामनाओं के साथ रंग पंचमी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष राकेश पाठक, महामंत्री लोकराम कोरी, निर्देशक राजेश मिश्रा, राजेंद्र प्यासी, अतुल मनोध्याय, भोलाराम खत्री, राजेश नेमा एवं अशोक बघेल "दादा भाई" आदि ने उपस्थिति की अपील की है।

गुंजन का सामूहिक रंग पंचमी महोत्सव आज

जबलपुर। गुंजन कला सदन के तत्वावधान में नगर की समस्त साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्थाओं को आमंत्रित करते हुए संयुक्त रंग पंचमी महोत्सव 8 मार्च को प्रातः 11:00 बजे से ग्रीन वेली लान, नागपुर हाईवे रोड, तिलवारा पुल के आगे आयोजित है। संयोजक राजेंद्र साहू ने बताया कि समारोह में नृत्य निर्देशक मोती शिवहरे के निर्देशन में होली नृत्य होंगे। वहीं प्रमोद कुशवाहा के संयोजन में अपनी डांस फैमिली द्वारा अन्य नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। कला साधक अनवर हुसैन टॉप सिंगर, बबलू मैथ्यूज,मिठाईलाल चक्रवर्ती रवि शुक्ल, मनोहर सोनी, संध्या जैन, रंजन सूर्यवंशी, विविध गीतों से रसरंग बिखेरेंगे। गुंजन कला सदन के अध्यक्ष डॉ.आनंद तिवारी ने समस्त साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं से उपस्थित का आग्रह किया है।

रंग पंचमी का त्योहार आज

जबलपुर। पांच दिवसीय रंगोत्सव होली के त्यौहार का समापन आज रविवार 8 मार्च को होगा। रंगपंचमी के अवसर पर आज शहर में अनेक स्थानों पर होली मिलन के रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। वहीं मस्तानों की टोली की आज रंग गुलाल उड़ाने की तैयारी चल रही है। यद्यपि महाकौशल अंचल में रंगपंचमी का पर्व औपचारिक तौर पर ही मनाया जाता है। मालवा और विंध्य में रंगपंचमी का त्यौहार उत्साह और उमंग के साथ धुरेड़ी से ज्यादा मनाया जाता है। विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों ने रंगारंग आयोजनों के साथ होली मिलन के कार्यक्रम आयोजित किये हैं। पुलिस ने भी शांति व सुरक्षा व्यवस्था के लिये होली की तरह व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। आयोजन स्थलों पर व्यवस्था की गई है, वहीं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गश्त करने के निर्देश दिये गये हैं।

समरंग यात्रा और सांस्कृतिक संध्या का जमेगा रंग

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन के तत्वाधान में रंगपंचमी के अवसर पर लगातार इस तीसरे वर्ष में संस्कारधानी में समरसता की होली का आयोजन कल रविवार 8 मार्च को किया जायेगा, संस्कारधानी के सर्व समाज की सहभागिता से होने वाले इस आयोजन में आज दोपहर 2:30 बजे भव्य समरंग यात्रा निकाली जाएगी जो कलेही माता मंदिर छोटा फुहारा से प्रारम्भ होकर डीएनजैन कॉलेज प्रांगण पहुंचेगी जहाँ सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने बताया समरंग यात्रा कलेही माता मंदिर से छोटा फुहारा से प्रारम्भ होंगी जो मिलोनीगंज चौक, कोतवाली, सराफा, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, लार्डगंज, सुपर मार्केट, मालवीय चौक से होते हुए डी एन जैन कॉलेज पहुंचेगी जहाँ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा साथ ही गुलाल और फूलो की होली खेली जाएगी. उन्होंने बताया इस वर्ष भी विभिन्न समाजो द्वारा पारम्परिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जायेंगे जिसमे भिन्न भिन्न जायको का स्वाद आगँतुक जनों को मिलेगा। होली महोत्सव की यादो को संजोने के लिए सेल्फी पॉइंट बनाये जायेंगे। श्री जैन ने बताया संतो के सानिध्य में निकाली जाने समरंग यात्रा में इस वर्ष अवध की होली, ब्रज की होली, बरसाने की होली, इसकान मंदिर संकीर्तन मंडल, पंच परिवर्तन की झांकी के साथ विविध झाँकिया शामिल होंगी। यात्रा में शामिल संतजन अपने रथो से उपस्थित जनसमुदाय पर पुष्प वर्षा करेंगे साथ ही अलग अलग समाजो द्वारा स्वागत मंचों से सामाजिक जन यात्रा में शामिल संतो एवं जनसमुदाय पर पुष्प वर्षा करेंगे। श्री जैन ने शहरवासियों से इस अद्भुत, एतेहासिक और गरिमामयी कार्यक्रम में शामिल होकर समरसता के इस पर्व को मिलजुलकर मानने की अपील की है।

पटवा समाज का होली मिलन और महिला सम्मान समारोह आज

जबलपुर। पटवा समाज जबलपुर द्वारा 8 मार्च को होली मिलन और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर विशेष समारोह आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम होम साइंस कॉलेज के पास पंजाबी हिन्दु एसोसिएशन बारात घर में सुबह 10 बजे से 4 बजे तक होगा। समारोह में समाज की महिलाओं का सम्मान, फूलों की होली और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इसके साथ ही 'पटवा समाज परिचय सम्मेलन' की सफलता में योगदान देने वाले सदस्यों को स्मृति चिन्ह दिए जाएंगे। समाज के अध्यक्ष डी. के. रत्नेर द्वारा इन सहयोगियों का सम्मान किया जाएगा। समारोह में समाज की सभी महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। सचिव अभय पाटकर ने बताया कि पटवा समाज की महिलाएं समाज में विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं।

महिला सशक्तिकरण, समय की सबसे बड़ी आवश्यकता

जबलपुर

आज के दौर में Women Empowerment केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज की प्रगति की सबसे मजबूत नींव है। जब एक महिला शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनती है, तो वह पूरे परिवार और समाज को आगे बढ़ाती है।

वर्तमान समय की चुनौतियों के बीच हमें बेटियों को Education, Respect और Equal Opportunities देना होगा। आइए हम सभी मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं जहाँ हर बेटियां अपने सपनों को पूरा करने का साहस कर सकें और समाज के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएं।

संत अलॉयसियस कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का समापन

जबलपुर।

संत अलॉयसियस कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल के सहयोग से 26 फरवरी से 7 मार्च तक "विज्ञान में महिलाएँ विकसित भारत की उत्प्रेरक" विषय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राचार्य डॉ. फादर बेन एंटन रोज और समन्वयक डॉ. अमिता छत्री के मार्गदर्शन में हर्बल व ऑर्गेनिक प्रोडक्ट प्रदर्शनी, रंगोली, शार्क टैंक, स्लोगन लेखन और क्विज जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन 7 मार्च को डॉ. कल्लोल दास के व्याख्यान एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। विजेताओं को पुरस्कार डॉ. कल्लोल दास, उप-प्राचार्य तथा परीक्षा नियंत्रक डॉ. मीता दरबारी द्वारा प्रदान किए गए।

होम्योपैथिक चिकित्सक संघ की मध्यप्रदेश राज्य शाखा की कार्यकारिणी का विस्तार

जबलपुर। होम्योपैथिक चिकित्सक संघ की मध्यप्रदेश राज्य शाखा की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कई नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। संघ द्वारा जारी जानकारी के अनुसार 1 मार्च 2026 को इंदौर में आयोजित बैठक में संगठन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया। कार्यकारिणी विस्तार के तहत राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. बी. पुल यादव और डॉ. एम.पी. सिंह (दोनों इंदौर) को दायित्व सौंपा गया है। प्रांतीय उपाध्यक्ष पद पर डॉ. अयूब अली (भोपाल), डॉ. अशोक अग्रवाल (सतना) और डॉ. शैलेन्द्र खांडेकर (छिंदवाड़ा) को नियुक्त किया गया है। प्रांतीय संगठन मंत्री के रूप में डॉ. तुलसाराम लडिया, डॉ. विवेकानंद नामदेव और डॉ. विकास विश्वकर्मा (जबलपुर), डॉ. अमित चौधरी जैन (इंदौर) तथा डॉ. राजेश गुप्ता (ग्वालियर) को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं प्रांतीय सह सचिव पद पर डॉ. बिंदेश साहू और डॉ. सीमा शर्मा (दोनों जबलपुर) को दायित्व सौंपा गया है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यालय मध्य भारत एरिया में कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। मुख्यालय मध्य भारत एरिया के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक विकास से जुड़े प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें सेवारत सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के परिवारजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों और जागरूकता विषयों पर आधारित एक संवादात्मक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका संचालन श्रीमती सुनीता कुमारी और श्रीमती आशिमा सिंह ने किया। इस दौरान आर्मी वुमन्स वेलफेयर एसोसिएशन (AWWA) की जोनल अध्यक्ष श्रीमती हरप्रीत कौर वंद्रा ने वीर नारियों को सम्मानित कर सैनिकों की वीरता को नमन किया तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल हिमांशी शर्मा ने "युद्ध में महिलाओं की भूमिका" विषय पर संबोधित करते हुए आधुनिक सेनाओं में महिलाओं के बढ़ते योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं एचडीएफसी बैंक की उप प्रबंधक श्रीमती छवि ने परिवार की आर्थिक सुदृढ़ता के लिए "वित्त प्रबंधन" विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। अंत में श्रीमती हरप्रीत कौर वंद्रा ने प्रतिभागियों और आयोजकों की सराहना करते हुए सेना परिवार में सहयोग, सशक्तिकरण और ज्ञान-साझाकरण की भावना को और मजबूत करने पर बल दिया।

विश्व महिला दिवस पर "फिट इंडिया वुमन्स वीक" कार्यक्रम आयोजित

पनागर। महिला एवं बाल विकास परियोजना पनागर के अंतर्गत "फिट इंडिया वुमन्स वीक" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परियोजना अधिकारी श्रीमती आराधना गर्ग के निर्देश एवं सुपरवाइजर लक्ष्मी पंजाबी के मार्गदर्शन में जगमोहन वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर पार्षद प्रमोद पटेल और भाजपा नेता जागेश्वर शर्मा ने महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा ऐसे आयोजनों को सराहनीय बताया। कार्यक्रम के तहत 6 से 8 मार्च तक आत्मरक्षा जागरूकता, खेल प्रतियोगिताएं, योगाभ्यास और "साइकिल फॉर हेल्थ" जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिनमें महिलाओं और बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इस दौरान विश्व महिला दिवस के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में नंदनी चौधरी, सरोज गर्ग, ललिता पटेल, सुषमा मिश्रा सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

सिहोरा को मिली दो ट्रेनों के स्टापेज की सौगात

जनभावना पर खरा उतरना पहली प्राथमिकता: दुबे

सिहोरा। जिले के सिहोरा रोड़ रेलवे स्टेशन के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग के बाद रेलवे प्रशासन ने रीवा-नागपुर इतवारी एक्सप्रेस एंव शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस के लिए यहां दो मिनट का अतिरिक्त ठहराव स्वीकृत कर दिया है। शनिवार को जिले के सांसद आशीष दुबे ने सिहोरा स्टेशन पहुंचकर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सिहोरा,मझोली बहोरीवन्द विधानसभा के सैकड़ों ग्रामो को सिंधी रेल सुविधा उपलब्ध कराने वाले सिहोरा रेल्वे स्टेशन में यात्री सुविधा के मद्देनजर लम्वे समय से कई एक्सप्रेस गाड़ी के ठहराव की मांग की जा रही थी।लम्बी दूरी एंव महानगर से सीधा सम्पर्क न होने के कारण क्षेत्रीय यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने लंबे समय से इस ट्रेन के ठहराव की मांग उठाई थी। जनभावना को देखते हुए सांसद के अथक प्रयाश से रेलवे मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी। रेलवे प्रशासन द्वारा शनिवार से स्टेशन पर दो मिनट के अतिरिक्त ठहराव की व्यवस्था लागू कर दी गई है। इससे क्षेत्र के हजारों यात्रियों को सीधे नागपुर के लिए रेल सुविधा मिलेगी। अब यात्रियों को अन्य स्टेशनों पर जाकर ट्रेन पकड़ने की मजबूरी नहीं रहेगी।जिससे समय एंव धन दोनों की बचत होगी। अप-डाउनर्स संघ के अलावा भाजपा कार्यकर्ताओं एंव नगर वासियों ने सभी अतिथियों का पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया।

सिहोरा स्टेशन में नागपुर जाने की दो गाड़ियों के ठहराव में गाड़ी संख्या 11753/11754- 11755/11756 नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी - रीवा एक्सप्रेस गाड़ी तथा संख्या 11201/11202 नागपुर - शहडोल एक्सप्रेस के सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन पर ठहराव के शुभारंभ अवसर पर सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन, प्लेट फॉर्म नं. 01 के बाहर भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया है इस अवसर पर संतोष वरकडे विधायक सिहोरा प्रणय प्रभात पाण्डेय विधायक बहोरीबंद, अजय विश्नोई विधायक पाटन,राजकुमार पटेल जिलाअध्यक्ष भाजपा जबलपुर ग्रामीण, पूर्व विधायक दिलीप दुबे,श्रीमति संध्या दुबे अध्यक्ष न.पा. परि. सिहोरा,श्रीमति रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री अध्यक्ष ज.पं सिहोरा श्रीमति विद्या चौरसिया अध्यक्ष ज.पं. मझौली दिलीप दुबे, राजकुमार पटेल जिलाध्यक्ष भाजपा,नीलू बाजपेयी,एडीआरएम आनंद सर, सीनियर डीसीएम मधुर सर, ए एस एम अली,राजा मोर, प्रकाश पांडे,राजेश दाहिया,अरुण जैन,नीलू बाजपेयी,पुष्प राज बघेल, सतीश पटेल,सन्मति जैन,राकेश पाठक, दिनेश चौरसिया,अंकित तिवारी,अर्जुन पंजाबी,विनय जैन,मानस तिवारी,रिऋभ द्विवेदी, राकेश पाठक,विनय जैन, मुकेश चौदहा,नरेन्द्र त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे अब यह स्टेशन भी प्रमुख ट्रेन के नक्शे पर दर्ज हो गया है जिससे स्थानीय व्यापार और आवागमन को भी गति मिलने की उम्मीद है।

महर्षि विद्या मंदिर विजय नगर में मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

जबलपुर। महर्षि विद्या मंदिर विजय नगर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की थीम समानता का अधिकार सशक्त नारी का अधिकार रही।

श्रीमती कलावती प्रजापति- कटनी निवासी श्रीर कल्लू लाल प्रजापति की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती प्रजापति (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बाई पटारिया- खटीक मोहल्ला सराफा निवासी श्री दुलीचंद पटारिया की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई पटारिया (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कुसुम सोनी- विवेक नगर अधारताल निवासी श्री चंद्रकांत सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम सोनी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मैना बाई चौधरी- भानतलैया सिंधी कैंप निवासी श्री बाबू लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती मैना बाई चौधरी (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

सुश्री अंजू ठाकुर- सराफा खटीक मोहल्ला निवासी श्री गुलाब सिंह ठाकुर की पुत्री सुश्री अंजू ठाकुर (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री छोटे लाल चौधरी- बाबा टोला जानकीदास मंदिर के पास निवासी श्री छोटे लाल चौधरी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राहुल पासी- पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी श्री राकेश पासी के पुत्र श्री राहुल पासी (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अशोक सोंधिया- करियापाथर विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री अशोक सोंधिया (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री आशुतोष दुबे- न्यू रामनगर रामपुर निवासी श्री आशुतोष दुबे (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

बिना आवागमन के साधन के आस-पास के विद्यालयों को मर्ज किए जाने पर विरोध

बरेला

नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शासन की मंशा के अनुसार सी एमराइस सांदीपनि विद्यालय में 2 किलोमीटर के अंदर स्थित विद्यालयों को मर्ज किया जा रहा है। इसके तहत समीपस्थ ग्राम पंचायत रिछाई शारदा नगर बरेला की एकीकृत माध्यमिक शाला रिछाई और प्राथमिक शाला कंचनपुर को सांदीपनि विद्यालय में मर्ज किया जा रहा है। इस निर्णय के बाद पालकों में रोष व्याप्त हो गया है। एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला रिछाई में 210 और प्राथमिक शाला कंचनपुर में 38 विद्यार्थियों का नामांकन है। पालकों का कहना है कि बिना आवागमन की सुविधा के वे अपने बच्चों को दूर पैदल नहीं भेज सकते, खासकर इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। यह राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिस पर भारी वाहनों का आवागमन दिनभर होता है। स्थानीय सरपंच आशीष शुक्ला का कहना है कि यदि शालाओं का स्थानांतरण किया गया तो बच्चों का शाला छोड़ने और शाला त्यागी होने की संभावना बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि जब तक आवागमन की सुलभ व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक शालाओं को स्थानांतरित न किया जाए। इस संबंध में स्थानीय जनों ने शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों और कलेक्टर महोदय को शिकायत भी की है, ताकि इस समस्या का समाधान निकाला जा सके।

छठवें लाइनमैन दिवस पर पूर्व क्षेत्र कंपनी के तीन कर्मचारी सम्मानित

जबलपुर। छठवें लाइनमैन दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तीन कर्मठ कर्मचारियों को 7 मार्च 2026 को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद यशो नायक तथा ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल उपस्थित रहे। सम्मानित कर्मचारियों में दशरथ पाण्डेय (कटनी), सुरेश कुमार पटेल (सीधी) और दउआ सिंह (बुढ़ार) शामिल हैं। तीनों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देते हुए विद्युत आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कंपनी के प्रबंध संचालक अजय गुप्ता तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) संपदा सराफ गुर्जर ने सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वेस्तत्राफला क्रियाः मनु स्मृति

जबलपुर। महात्मा गांधी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन की संचालिका कृतिका वर्मा ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में नारी को देवता के तुल्य माना गया है, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि एक नारी के शिक्षित होने से सम्पूर्ण मानव समाज शिक्षित होता है। नारी के नेतृत्व एवं भूमिका ने हर युग में समाज को प्रेरणा एवं दिशा देने का काम किया है, चाहे वह रानी दुर्गावती के रूप में, चाहे रानी लक्ष्मीबाई के रूप में हो। महात्मा गांधी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन विगत वर्षों से होम्योपैथी, नर्सिंग, शिक्षा, विधि के क्षेत्र में महिलाओं की अग्रणी भूमिका को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है। जब बेटियां शिक्षित होंगी तभी समाज उन्नत होगा। उन्होंने महिला दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

नाम सुधार

मैं प्रनद दुबे पिता स्व. मनोज दुबे निवासी फ्लेट नंबर 109, प्रेस्टिज पूनम आर्केड, गोल बाजार जबलपुर म.प्र. 482002 कथन करता हूं कि मेरे पासपोर्ट नंबर एम 5893877 में मेरा नाम प्रनद मनोज दुबे लिखा है जिसे मैंने बदलकर प्रनद दुबे पिता मनोज माधव दुबे कर लिया है।

अतः मुझे प्रनद दुबे पिता मनोज माधव दुबे के नाम से जाना व लिखा जावे।

पूर्व नाम- प्रनद मनोज दुबे, पिता का नाम- मनोज माधव दुबे

परिवर्तित नाम- प्रनद दुबे, पिता- मनोज माधव दुबे

पता- फ्लेट नंबर 109, प्रेस्टिज पूनम आर्केड गोलबाजार जबलपुर म.प्र.

प्रनद दुबे

खबर संक्षेप

भारतीय किसान संघ मुख्यमंत्री से मिला

भोपाल। भारतीय किसान संघ के प्रदेश प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर किसानों की समस्याओं व मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर ने बताया कि किसान संघ ने गेहूं की 2700 रुपए प्रति क्विंटल पर खरीदी करने, भूमि अधिग्रहण पर किसानों को बाजार दर का चार गुना मुआवजा देने, गोपालक किसानों को गोशाला के समान अनुदान देने, सहकारी, मंडी व जल समिति के चुनाव कराने आदि मांगे सरकार के समक्ष रखी गई। जिस पर सरकार द्वारा सकारात्मक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। तीनों प्रांतों से आए किसान संघ के पदाधिकारियों ने प्रांत की प्रमुख समस्याओं को रखा।

कोषाध्यक्ष बने द्विवेदी को दी बधाई

भोपाल। भोपाल जिला भाजपा कार्यकारिणी घोषित होने के बाद कोषाध्यक्ष बने राघवेंद्र द्विवेदी दादू को उनके शिवाजी नगर दफ्तर में कार्यकर्ता पहुंचे एवं उपलब्धि पर बधाई दी। बता दें कि भोपाल जिला भाजपा कार्यकारिणी की हाल में घोषणा की गई है। जिसमें राघवेंद्र द्विवेदी दादू की नियुक्ति की गई है।

विद्युत कर्मियों ने सौंपा सीएम के नाम ज्ञापन

भोपाल। मध्यप्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ (भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध) द्वारा प्रदेश के विद्युत क्षेत्र के कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। महासंघ के प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार पांडेय के नेतृत्व में प्रदेश भर से आए 500 कार्यकर्ता की उपस्थिति में महासंघ कार्यालय बिजली नगर कॉलोनी, गोविंदपुरा से रैली निकालकर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक कार्यालय पहुंचकर मध्य क्षेत्र के प्रबंध निदेशक ऋषि गर्ग को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर सुशील कुमार पाण्डेय ने बताया कि विशेष रूप से संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, लंबे समय से कार्य कर रहे कर्मचारियों को नियुक्ति दिनांक से नियमित करने तथा लंबित आदेश शीघ्र जारी करने की मांग की गई है।

जेलों में 6 साल में 45% कैदियों ने किया सुसाइड

भोपाल। मप्र की जेलों में 6 साल में 45.31% कैदियों ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। पुरुषों ने फांसी लगाने के लिए जूतों की लेस, चादर के टुकड़े, अपने लोवर (कपड़े) का, जबकि महिला कैदियों ने साड़ी का इस्तेमाल किया। कैदियों ने ग्रिल, बैरक की खिड़की, गेट, पेड़ का इस्तेमाल किया है। मप्र विधानसभा में अलग अलग विधायकों द्वारा लगाए गए प्रश्नों के बाद जो जानकारी सामने आई, उसमें कुल 64 मौतों का हवाला दिया गया है। इनमें से 53 फीसदी मौतें सेंट्रल जेल परिसर में हुई हैं।

स्वास्थ्य कर्मचारी 10 को करेंगे विरोध प्रदर्शन

भोपाल। समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि महासंघ पदाधिकारियों की हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक हमारी मांगो का निराकरण विभाग द्वारा नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत नियमित, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा, एड्स नियंत्रण समिति संविदा, रोगी कल्याण समिति आदि 10 मार्च को मंत्रालय पर प्रदर्शन करेंगे।

गो-शालाओं को नरवाई प्रबंधन के लिए मिलेगी अंश राशि

मुख्यमंत्री ने कहा- नायीखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग की स्वीकृति से बड़नगर के समग्र विकास के खुलेंगे द्वार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत विश्व पटल पर नई ऊंचाइयां को छू रहा है। देश में मप्र का विशेष महत्व है। विकास के इस कारवां को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार समाज के हर वर्ग और प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उज्जैन जिले का बड़नगर भी विकास में अग्रणी रहेगा। बड़नगर अब इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन एरिया का भाग बनेगा। बड़नगर पर बाबा महाकाल सहित चंबल, शिप्रा और गंभीर नदियों का भी आशीर्वाद है।

प्रधानमंत्री ने धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमि-पूजन किया है। टैक्सटाइल सेक्टर के इस मेगा इंडस्ट्रियल पार्क का लाभ भी बड़नगरवासियों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नायीखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग की स्वीकृति प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट करने मुख्यमंत्री निवास पहुंचे बड़नगर विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री का साफा और गजमाला पहनाकर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने बड़नगर क्षेत्र में संचालित गो शालाओं को नरवाई प्रबंधन के लिए मशीनें लेने में सहायता के उद्देश्य से स्वेच्छानुदान से अंश राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे नरवाई के निराकरण के साथ ही गो-शालाओं को पर्याप्त भूसा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बड़नगर क्षेत्र के व्यायाम शालाओं को प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक लाख रुपए देने की घोषणा की।

खास बातें

- मुख्यमंत्री ने की व्यायाम शालाओं को प्रोत्साहन स्वरूप राशि देने की घोषणा
- बड़नगरवासियों को मिली 150 करोड़ रुपए के मार्ग की सौगात

अभिनंदन समारोह में उपस्थित मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं बड़नगर के नागरिक।

बड़नगर अब 3 प्रमुख मार्गों के माध्यम से रतलाम से जुड़ गया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से उज्जैन और बड़नगर अब 3 प्रमुख मार्गों के माध्यम से रतलाम से जुड़ गया है। तीसरा नया 2 लेन रास्ता गंभीर डैम के पास से नागदा होकर निकलने वाला है। लगभग 150 करोड़ रुपए का नायीखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी सौगात है। इससे रतलाम की दूरी 40 किमी कम हो जाएगी। नई सड़क से सिंहस्थ : 2028 के आयोजन में भी सुविधा होगी। उज्जैन में विमानतल भी बनाया जा रहा है, इसका लाभ भी बड़नगर को मिलेगा। आगामी वर्षों में रतलाम सहित राजस्थान और गुजरात से भी बड़नगर का संपर्क सुगम और सशक्त होगा।

प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग की कुल लंबाई लगभग 74 किमी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सिंहस्थ को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रस्तावित मार्ग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वर्तमान में रतलाम से उज्जैन आने वाले श्रद्धालु मुख्यतः बदनावर-बड़नगर मार्ग से आवागमन करते हैं, जिसकी कुल लंबाई लगभग 115 किमी है। प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग की कुल लंबाई लगभग 74 किमी है, जो वर्तमान प्रचलित मार्ग की तुलना में लगभग 40 किमी कम है। इस मार्ग के विकसित होने से यात्रा की दूरी एवं समय दोनों में कमी आएगी। मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव भी कम होगा। सड़कें विकास का आधार हैं, इन सड़कों से बड़नगर सहित सम्पूर्ण क्षेत्र के विकास के द्वार खुलेंगे।

रवींद्र भवन में पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत कार्यशाला

भाजपा का कार्यकर्ता कैसा होना चाहिए यह प्रशिक्षण से तय होता है: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा का कार्यकर्ता कैसा होना चाहिए, यह प्रशिक्षण से तय होता है। प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की ताकत से भाजपा ने देश को अजेय बनाने का संकल्प लिया है। कांग्रेस से जुड़े महामना पं. मदन मोहन मालवीय काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना कर रहे थे और कांग्रेस पार्टी सोमनाथ मंदिर को नकार रही थी। यह कांग्रेस की विचारधारा के अंतर्विरोध को दर्शाता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही।

राजधानी स्थित रविन्द्र भवन में पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत विषय वक्ता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रशिक्षण महाअभियान के पश्चिम मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रभारी केसी पटेल ने संबोधित किया। कार्यशाला में चंबल, ग्वालियर, सागर, नर्मदापुरम, भोपाल संभाग (गुना व अशोकनगर जिले को छोड़कर) कुल 23 जिलों के 400 से अधिक विषय वक्तागण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी कार्यशाला को किया सम्बोधित

हमारी कार्यपद्धति में बदलाव आवश्यक, परन्तु विचारधारा स्थाई: खंडेलवाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी पार्टी की ताकत हमारे प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं में है, जो किसी भी जिम्मेदारी को हाथ में लेते हैं और उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। यही कार्यकर्ता बाद में प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचते हैं। लोग इसे आश्चर्य से देखते हैं, लेकिन यह हमारी पार्टी की संस्कृति और कार्यशैली का परिणाम है। उन्होंने कहा कि दूसरे दलों में नेतृत्व बड़े परिवारों के बीच बंट जाता है, लेकिन हमारे संगठन में यह परंपरा कभी नहीं रही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि हमारी पार्टी ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। विचारधारा और कार्यपद्धति के बल पर भाजपा देश में सबसे आगे रहते हुए विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है।

व्यक्ति निर्माण से संगठन और संगठन से राष्ट्र निर्माण का हमारा लक्ष्य: पटेल

प्रशिक्षण महाअभियान मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रभारी केसी पटेल ने कहा कि व्यक्ति निर्माण से संगठन और संगठन से राष्ट्र निर्माण का हमारा लक्ष्य है। प्रशिक्षण से समाज में संवेदनशील और पार्टी का सक्षम कार्यकर्ता तैयार होता है। जिन विषयों पर प्रशिक्षण वर्ग में विषय वक्तागण विचार रखेंगे, उन विषयों को लेकर समानांतरण सत्रों में प्रशिक्षकों ने विषय वक्तागणों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

यह प्रशिक्षण वर्ग महत्वपूर्ण साबित होगा: डॉ. सिंह

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों से भारत वर्ष 2047 तक दुनिया का नेतृत्व करने को तैयार है। भाजपा कार्यकर्ता पं. दीनदयाल उपाध्याय व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत बनाएंगे, जिसमें यह प्रशिक्षण वर्ग बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा।

तेज धूप के कारण तापमान में दर्ज की गई बढ़ोतरी

मार्च के पहले सप्ताह में गर्मी दिखाने लगी अपने तेवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मार्च महीने की शुरुआत के साथ ही गर्मी का असर धीरे-धीरे तेज होने लगा है। दिन में तेज धूप और साफ आसमान के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य में मौसम शुष्क बना हुआ है और किसी भी जिले में बारिश दर्ज नहीं की गई। राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 4.5 डिग्री अधिक है।

वहीं न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री ज्यादा रहा। तापमान में बढ़ोतरी के कारण दोपहर के समय गर्मी का असर साफ महसूस किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक रायपुर में सुबह 8:30 बजे आर्द्रता 59 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शाम 5:30 बजे यह घटकर 24 प्रतिशत रह गई। पूरे दिन आसमान साफ रहा और औसत हवा की गति करीब 4 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जिससे गर्मी का प्रभाव और बढ़ गया।

रायपुर में दर्ज किया गया सबसे अधिक तापमान

प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान रायपुर में 37.8 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं सरगुजा संभाग के अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। इसके अलावा बिलासपुर, दुर्ग और राजनांदगांव सहित कई जिलों में भी तापमान सामान्य से अधिक रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फिलहाल प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम प्रणाली नहीं है। इसी वजह से अगले एक से दो दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने किसी भी तरह की चेतावनी जारी नहीं की है।

तेज धूप के चलते अधिक गर्मी महसूस की गई

7 मार्च को रायपुर में मौसम साफ रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचा, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस के करीब रहा। तेज धूप के कारण दोपहर के समय गर्मी ज्यादा महसूस हुई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले सात दिनों के दौरान तापमान में बहुत ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है, लेकिन दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी जारी रह सकती है। मार्च के दूसरे और तीसरे सप्ताह में गर्मी का असर और स्पष्ट होने की संभावना जताई जा रही है।

घटनास्थल से कुछ दूरी पर खड़ी मिली युवक की मोटरसाइकिल

रेलवे ट्रैक पर संदिग्ध हाल में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में उस समय सनसनी फैल गई, जब नेवधा के पास रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक का शव मिलने की खबर सामने आई। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में चर्चा का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

सूचना मिलने पर पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान रामसिंह ध्रुव के रूप में हुई है जो डोंगरिया गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि युवक वहां कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई।

ग्रामीणों ने दी पुलिस को सूचना

जानकारी के अनुसार, जब ग्रामीणों ने रेलवे ट्रैक के पास एक युवक को संदिग्ध हालत में पड़ा देखा तो इसकी सूचना तुरंत परिजनों और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और युवक की पहचान रामसिंह ध्रुव के रूप में की गई। घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर मृतक की मोटरसाइकिल भी खड़ी मिली है। मामले की सूचना मृतक के पिता बंजू ध्रुव ने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव का निरीक्षण किया और पंचनामा कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिमगा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखवाया। बताया जा रहा है कि मृतक को शराब पीने की आदत थी। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

भ्रष्टाचार की जांच कराने अभियंता कार्यालय पर किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रमुख अभियंता कार्यालय पर कर्मचारियों ने काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन कर विभाग में फैले भ्रष्टाचार की जांच करवाने की मांग प्रमुख अभियंता से की। राष्ट्रीय कुमार पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव श्याम सुंदर शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष ध्रुव सिंह सिकरवार ने बताया के एक वर्ष से लंबित उच्च समयमान वेतनमान के प्रकरण का निराकरण करके तत्काल आदेश जारी किए जाएं। साथ ही उच्च न्यायालय से केस जीत चुके कर्मचारियों के प्रकरण प्रमुख अभियंता कार्यालय में भ्रष्टाचार और घूसखोरी के निराकरण की कार्रवाई नहीं की जा रही है। संघर्ष मोर्चा ने प्रमुख अभियंता को ज्ञापन देकर एक सप्ताह में सभी समस्याओं का निराकरण करने की मांग की गई है। इस अवसर पर संघर्ष मोर्चा के प्रमुख पदाधिकारी अनिल वाजपेई, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, आरके गूर्जर, धर्मेश जोशी मौजूद रहे।

कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने चेतावनी दी एक सप्ताह में मांगों का निराकरण नहीं किया तो आक्रोश आंदोलन शुरू कर हड़ताल की जाएगी। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

खैरी शाखा: एचआईजी-54, सुभाष नगर (महाराजपुर) खैरी, जबलपुर 482004 (म.प्र.) भारत फोन-0761-2353465, मो.-9752413465
Email - Khairi@bankofbaroda.com

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिये)

(As per Appendix IV read with rule 8(1) of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002

बैंक ऑफ बड़ौदा के निम्न हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूति अधिनियम 2002के तहत नियम- 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित उधारकर्ता को मांग सूचना में दर्शायी गयी राशि, उक्त मांग सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर अदा करने को जारी किया गया था ।

खातेदार(उधारकर्ता) द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता और जन सामान्य को यहां सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम 8 साथ पठित एक्ट के साथ 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये यहां नीचे वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है।

विशेष रूप से उधारीकर्ता और जन सामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें । निम्नलिखित संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये बैंक ऑफ बड़ौदा की संबंधित शाखा से निर्मित प्रभार के अध्याधीन होगी । ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान प्रतिभूत आस्ति उपलब्ध समय में छुड़ाने (Redeem) करने के संबंध में एक्ट की धारा 13 की उपधारा (8) के तहत आकर्षित किया जाता है।

क्र	ऋणी एवं जमानतदार का नाम व पता	नोटिस के अनुसार बैंक को देय राशि	बंधक रखी अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक
1	उधारकर्ता: श्री अफसर शेख और श्रीमती शहजादी शेख	Rs.13.38,366/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे देय 14-10-2025	खसरा संख्या 149 (म्यूटेशन के बाद खसरा संख्या 149/1/1, पी.सी. संख्या 17/20, एस. संख्या 570, ग्राम खैरी, शहीद बिरसा मुंडा, वार्ड संख्या 75, थाना पानागर, जिला जबलपुर) में स्थित आवासीय संपत्ति के सभी भागों और हिस्सों का समतुल्य बंधक। यह संपत्ति 704 वर्ग फुट क्षेत्र में फैली है और श्रीमती शाहजादी शेख पत्नी श्री अफसर शेख के नाम पर है। संपत्ति की सीमाएँ: पूर्व - सड़क, पश्चिम - रितेश कुमार का प्लॉट, उत्तर - रितेश कुमार का प्लॉट, दक्षिण - सेहर बानो का प्लॉट	22-10-2025 / 05-03-2026

दिनांक: 08/03/2026 प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, जबलपुर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

Regional ROSARB Branch, Second Floor, Block- 10, JDA Building, Civic Centre, Jabalpur- 482001
Phone - +91-761-2409255, Email - sarjab@bankofbaroda.co.in

E-AUCTION SALE NOTICE

SALE NOTICE FOR SALE OF IMMOVABLE PROPERTIES

SCAN HERE For Detailed Terms & Conditions

"APPENDIX- IV-A [See proviso to Rule 6 (2) & 8 (6)]

E-Auction Sale Notice for Sale of Immovable Assets under the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 read with proviso to Rule 6 (2) & 8 (6) of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002.

Notice is hereby given to the public in general and in particular to the Borrower, Mortgagor (s) and Guarantor (s) that the below described immovable property mortgaged/charged to the Secured Creditor, possession of which has been taken by the **Authorised Officer of Bank of Baroda, Secured Creditor**, will be sold on **"As is where is", "As is what is", and "Whatever there is" and "Without legal recourse basis"** for recovery of dues in below mentioned account/s. The details of Borrower(s) / Mortgagor (s)/ Guarantor (s) /Secured Asset/s/Dues/Reserve Price/e-Auction date & Time, EMD and Bid Increase Amount are mentioned below-

S. No.	Name of Branch	Name & address of Borrowers / Guarantors	Total Dues	Description of the immovable property with known encumbrances, if any name of Property Owner / Nature of Possession	Date & Time of E-auction	Reserve Price / EMD / Bid Increase amt.	Status of Posession Constructive/ Physical	Property Inspection Date & Time
1	ROSARB JABALPUR Base Branch Umaria	1. Late Mr. Sudheer Mishra (Borrower) Address: - 136, Shivaji Nagar, Ward no. 4, Shanti Marg, Umaria, Tehsil- Bandhavgarh, Distt. - Umaria, (M.P) 2. Mrs. Anupama Mishra W/o Late Mr. Sudheer Mishra (Guarantor) Address: - 136, Shivaji Nagar, Ward no. 4, Shanti Marg, Umaria, Tehsil- Bandhavgarh, Distt.- Umaria, (M.P)	Rs. 5,55,936/- (Rupees Five Lacs Fifty Five Thousand Nine Hundred Thirty Six Only) +Interest+ Legal Charges	All that part and parcel of the property consisting of land and construction thereon having Survey No: 65/2,k/1, situated at Village Kirantalkala no 36, P.H.11, Tehsil- Bandhwgarh, District-Umaria (M.P.) having area admeasuring 922 sq. ft. standing in the name of Late. Mr. Sudhir Mishra s/o Balkishan Mishra Bounded: On the North by : - Land of Shaikh jahid, On the South by : - Land of Satish Burman, On the East by : - Road, On the West by : - Land of Govt	25/03/2026 from 2.00 pm to 6.00 pm	Rs. 4,17,600/- / Rs. 41,760/- / Rs. 10,000/-	Physical	16.03.2026

For detailed terms and conditions of sale, please refer to the link provided in **https://bankofbaroda.in/eauction.html and https://baanknet.com portal**. Also, prospective bidders may contact the authorized officer **Ph.No.: 0761-2409255, 9109440636.**

Place: Jabalpur, Date: 08.03.2026 Authorised Officer, Bank Of Baroda

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर वर्ष 8 मार्च को विश्वभर में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, समाज में समानता का संदेश देना और महिलाओं के योगदान को सम्मान देना है। मौजूदा समय में महिलाएं शिक्षा, राजनीति, खेल, विज्ञान, प्रशासन और व्यापार सहित लगभग हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। इसके बावजूद समाज में कई स्थानों पर महिलाओं को अभी भी बराबरी का दर्जा नहीं मिल पाया है। देश में महिलाओं ने अपने परिश्रम और प्रतिभा के बल पर उच्च पदों तक पहुंचकर देश का नाम रोशन किया है। यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। इसी का विश्लेषण करता आजकल का यह खास अंक...

आधी आबादी को अवसर से बदलेगी फ़िज़ा

विश्लेषण

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

केंद्रीय विवि पंजाब में चेयर प्रोफेसर

सामाजिक स्तर पर विश्व में महिलाओं के सशक्तीकरण की बातें हो रही हैं। विश्व श्रम संगठन-आईएलओ का खुद यह मानना रहा है कि सामाजिक न्याय का मूल आधार सम्मानजनक रोजगार है। हर व्यक्ति को, हर जगह सम्मानजनक रोजगार मिलना चाहिए। आज सम्मानजनक रोजगार की जगह श्रम के बदले श्रम मूल्य तो मिल नहीं रहे हैं। हां, युद्धरत देशों में जीवन से हाथ धोने ज़रूर पड़ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हुए अध्ययन बताते हैं कि महिलाएं अपने पुरुष समकक्षों द्वारा अर्जित प्रत्येक डॉलर के लिए 51 सेंट कमाती हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से ठीक दो दिन पहले महिला अधिकार पैरोकार, शिक्षाविद और लेखिका डॉक्टर हंसा मेहता की स्मृति में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में यूएन महासभा की अध्यक्ष ऐनालेना बेयरबॉक का व्याख्यान हुआ है। ऐनालेना बेयरबॉक ने कहा कि डॉक्टर हंसा मेहता द्वारा सुझाए गए सिद्धांत, मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के पारित होने के 77 वर्ष और यूएन चार्टर के पारित होने के 80 वर्ष बाद भी बहुपक्षवाद आधारित कामकाज को दिशा दिखा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हंसा मेहता के जीवन से तीन अहम सबक़ हम ले सकते हैं। पहला, यह बहुत ज़रूरी है कि अपने सिद्धान्तों के पक्ष में मज़बूती से खड़ा हुआ जाए। दूसरा, समानता की प्राप्ति के लिए प्रयास, सम्पूर्ण समाज के लिए निरन्तर जारी रहते हैं, और केवल आधी आबादी के लिए नहीं। तीसरा, यदि कोई एक व्यक्ति ही इतने बड़े बदलावों को आकार दे सकता है तो यह कल्पना कीजिए कि यदि ऐसे अवसर पूरी मानवता को उपलब्ध कराए जाएं, तो कितनी गहराई तक समाज में परिवर्तन लाना सम्भव है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हंसा मेहता के लिए की गई सकारात्मक टिप्पणी बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह टिप्पणी उस समय आई है, जब दुनिया में महिलाएं प्रत्येक दिन संघर्ष कर रही हैं।

सम्मानजनक रोजगार जरूरी

सामाजिक स्तर पर विश्व में महिलाओं के सशक्तीकरण की बातें हो रही हैं। विश्व श्रम संगठन-आईएलओ का खुद यह मानना रहा है कि सामाजिक न्याय का मूल आधार सम्मानजनक रोजगार है। हर व्यक्ति को, हर जगह सम्मानजनक रोजगार मिलना चाहिए। आज सम्मानजनक रोजगार की जगह श्रम के बदले श्रम मूल्य तो मिल नहीं रहे हैं। हां, युद्धरत देशों में जीवन से हाथ धोने ज़रूर पड़ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हुए अध्ययन बताते हैं कि महिलाएं अपने पुरुष समकक्षों द्वारा अर्जित प्रत्येक डॉलर के लिए 51 सेंट कमाती हैं। असमान वेतन, अवसरों तक सीमित पहुंच और ऐसी अपेक्षाए जो महिलाओं की महत्वाकांक्षाओं व नेतृत्व को रोकती हैं, वे सामाजिक न्याय में बाधा हैं। इसी वर्ष विश्व उद्यमी और निवेश मंच में मनामा घोषणापत्र दृष्टिकोण सामने आया था। इसमें महिला उद्यमियों को, आर्थिक बदलाव की शिल्पकार के रूप में मान्यता दिए जाने की वकालत हुई और यह कहा गया कि महिलाओं को आर्थिक बदलाव की केवल लाभार्थी समझा जाए अपितु उन्हें इसके लिए सशक्त हस्तक्षेपकर्ता माना जाए। कुछ समय पहले ही तो यूएनडीपी ने कहा था कि लैंगिक समानता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, वैश्विक स्तर पर महिलाएं औसतन पुरुषों से 20% कम कमाती हैं। हम समान मूल्य के काम के लिए समान वेतन की मांग करते हैं।

दुनिया भर में महिलाओं के लिए वित्त, प्रौद्योगिक और उच्च कौशलयुक्त भूमिकाओं के क्षेत्र में संकल्प को दोहराना अब ज़रूरी हो गया है, जिससे टिकाऊ विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण करके लक्ष्य को हासिल किया जाए। सामाजिक न्याय की यह एक सशक्त कोशिश हो सकती है, वरना संघर्ष की जिस आंच में महिलाओं के ऊपर खतरे मंडरा रहे हैं, वे बहुत ही कठिन दौर में हमें ले जाने वाले हैं। दुनिया में बदलाव के बीच परंपराएं, संस्कृतियों और सभ्यताओं का संघर्ष चल रहा है। महिलाएं इसमें प्रायः पिस जाती हैं और लक्ष्य से दूर चली जाती हैं।

इस सन्दर्भ में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने यह चिंता जताई थी कि यह असमानता तकनीकी क्षेत्र में और अधिक गहरी है। डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े कार्यों में महिलाएं केवल 26 प्रतिशत हैं, जबकि 'क्लाउड कम्प्यूटिंग' में उनकी भागेदारी महज़ 12 प्रतिशत है। अब तो हम इन्हीं तकनीकी सभ्यता में जीने के लिए तैयार हैं तो महिलाओं व लड़कियों को खासकर किशोर महिलाओं के भीतर स्वप्न जगाना नितांत आवश्यक है। विज्ञान क्षेत्र में महिलाओं व लड़कियों के इनोवेशन भी हो रहे हैं और समावेशन भी। महिलाओं व लड़कियों ने कई बड़े वैज्ञानिक उपलब्धियों को अर्जित कर चौंकाया है। किन्तु साथ ही डिजिटल कौशल में लैंगिक अंतर कैसे कम किया जा सकता है। महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को कैसे प्रोत्साहन मिल सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानि एआई संबंधी नीतियों को कैसे अधिक संवेदनशील बनाया जा सकता है, इस पर रणनीतिकार विचार कर रहे हैं।

महिला अधिकारों की संवेदना

भारत में महिलाओं के बारे में भ्रामक बातें अगर न हो तो यहाँ की स्त्रियां काफी आगे बढ़ती हुई दिख रही हैं। देश के प्रथम महिला राष्ट्रपति के रूप में प्रतिभा देवीसिंह पाटील का नाम सुनहरे अक्षरों में अंकित है तो आज द्रौपदी मुर्मू जो कि आदिवासी समाज से आती हैं, भारत की राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रही हैं। भारतीय वैज्ञानिक महिलाओं का भी अपना स्थान है। चंद्रयान 2 के कुशलतापूर्वक सफलता में महिलाएं रही हैं।

भारत में असंख्य सफलता की कहानियां हैं। ये कहानियां हैं महिलाओं की, लड़कियों की, किशोरियों की जो न केवल चेंजमेकर के रूप में सामने आ रही हैं, बल्कि वे भारत की तस्वीर बदलने की भूमिका में हैं। भारत सरकार ने बहुत पहले बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया, उससे भी बदलाव आया है। एक सच यह भी है कि उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाली भी लड़कियां अभी अपने अधिकारों को ठीक-ठीक नहीं जानतीं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली के लिए बतौर स्पेशल मॉनिटर, मानवाधिकार शिक्षा एवं लैंगिक समानता पर कार्य करते हुए विभिन्न संस्थाओं में जांच के दौरान ऐसा महसूस हुआ कि भारत में लैंगिक समानता के लिए अभी व्यापक जागरूकता ज़रूरी है।

गरिमा सुरक्षित करना शेष

विश्व भर में स्त्रियों को सशक्त बनाने की मुहीम चल रही है, लेकिन संकटों से गुजर रहे देशों के भी स्त्रियों के जीने के हक से लेकर गरिमा भी सुरक्षित करने का कार्य अभी शेष है। ऐनालेना संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष मात्र 44 वर्ष की अवस्था में बन गयीं। हम अगर न्यायपूर्ण सोच के साथ स्त्रियों को अवसर दें और स्त्रियां मेहनत, निष्ठा व ज़ज्बे के साथ आगे बढ़ें तो बहुत सी संभावनाएं दिख रही हैं। केवल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उनके लिए आयोजन करने से औपचारिकताएं पूरी होती हैं, लक्ष्य नहीं हासिल होते।

लैंगिक भेदभाव महिलाओं के विकास में बड़ा दुश्मन

मुद्दा

बाल मुकुन्द ओझा

वरिष्ठ पत्रकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। इस वर्ष 2026 में दान से लाभ थीम रखी गई है। इसका अर्थ है कि जब हम दूसरों की मदद करते हैं, तो उससे समाज के साथ-साथ हमें भी लाभ मिलता है और लैंगिक समानता को मजबूती मिलती है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और उनके अमूल्य योगदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। यह दिवस रश्मि होता जा रहा है। इस दिन हम महिला सुरक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण की जोर-शोर से चर्चा करते हैं और समारोह का आयोजन कर उन्हें सम्मानित करते हैं। देश और दुनिया को बताते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में हमने महिला प्रगति और विकास का डंका बजाया है। भारत में नारी पूजने का भी गर्व के साथ स्मरण करते हैं। मगर आज के दिन हमें इस दिखावे और वास्तविकता को समझना होगा। महिला दिवस पर आधी आबादी की वास्तविकता और धरातलीय चुनौतियों को समझने की जरूरत है। मुट्ठी भर महिलाओं के आगे बढ़ने से सम्पूर्ण महिला समाज का उत्थान नहीं होगा। महिला समानता और सुरक्षा आज सबसे अहम मुद्दा है, जिसे किसी भी हालत में नकारा नहीं जा सकता। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। रात में विचरण करना बेहद डरावना लगता है। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचने की चिंता सताने लगती है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट यह बाताती है कि महिलाएं नागरिक प्रशासन में भागीदारी निभाने में सक्षम हैं। यही नहीं, महिलाओं के प्रतिनिधित्व के बगैर किसी भी क्षेत्र में काम ठीक से और पूर्णता के साथ संपादित नहीं हो सकता।

आजादी से पूर्व हमारा देश अनेक रूढ़ियों से ग्रसित था। बेटी को कोख में मारने, सती प्रथा जैसी कुप्रथा समाज में प्रचलित थी। नारी को पढ़ाना तक पाप समझा जाता था। नारी घूंघट में रहे, ऐसा हमारा सोचना और विचारना था। अंग्रेजों के आने के बाद हालांकि नारी स्वतंत्रता और समानता की बातें सुनने और पढ़ने को मिली। धीरे-धीरे समाज और वातावरण में आये बदलाव ने महिला स्वतंत्रता को समझा और उनके अधिकारों और कर्त्तव्यों की बातें होने लगी। नारी को चूल्हे-चौकी से बाहर लाया गया।

आजादी के 77 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति गौर करने के लायक है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है। स्वतंत्रता के 7 दशक बाद भी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में महिलाओं को दोयम दर्जे की मार से जूझना पड़ रहा है। यूनीसेफ की रिपोर्ट यह बाताती है कि महिलाएं नागरिक प्रशासन में भागीदारी निभाने में सक्षम हैं। यही नहीं, महिलाओं के प्रतिनिधित्व के बगैर किसी भी क्षेत्र में काम ठीक से और पूर्णता के साथ संपादित नहीं हो सकता। एक स्वयंसेवी संस्था की रिपोर्ट में जाहिर किया गया है कि महिला की दुश्मन महिला ही है। वह भूल जाती है कि वह भी महिला है। इसलिए सबसे पहले महिला ही अपनी सोच को बदले और अपनी संतान को आगे बढ़ाने का साहसी कदम उठाये। महिला विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा भ्रूण हत्या है। भ्रूण हत्या हमारे पुरजोर प्रयासों के बावजूद पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो पाई है जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है। लड़कियों को शिक्षा ओर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में हमारे सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर बाधाएँ सामने आती हैं। हम लड़कों को आगे बढ़ाने में अपनी रूचि लेते हैं ओर लड़कियों को पीछे रखने में अपनी भलाई समझते हैं।

'आधी आबादी' को मिलना चाहिए उसका पूरा हक

समानता

अर्चना कुमारी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। हालांकि जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिए सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद जरूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। ये स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है? वह भी तब, जब हम इस वर्ग को 'आधी आबादी' का संबोधन देते हैं। यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। यह विडम्बना ही है कि विधायिकाओं में 50 फीसदी नहीं, बल्कि महज 33 फीसदी आरक्षण की सालों से चल रही मांग आज तक अधूरी ही है। पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर आरक्षण से महिलाओं को मौका जरूर मिला लेकिन यहां भी कितना सशक्तीकरण नारी शक्ति का हो पाया है यह किसी से छिपा नहीं है। शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वावलंबी, ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के विपरीत लैंगिक भेदभाव की उस तस्वीर को भी देखना होगा जहां महिलाओं को यह तक पता नहीं कि कानून ने किन-किन क्षेत्रों में उनको कितना संरक्षित कर रखा है।वहीं संसद में भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। वर्ष 2024 के संसदीय चुनावों के बाद महिला सांसदों का प्रतिनिधित्व मात्र 14 प्रतिशत ही है - इसीलिए उनके दायित्व और प्रतिनिधित्व का भार, निर्वाचित पुरुष सांसदों से कहीं अधिक हैं। भारत की मौजूदा जनसंख्या के अनुसार, लोकसभा में एक निर्वाचित सांसद औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं एक निर्वाचित महिला सांसद औसतन 92 लाख महिलाओं का प्रतिनिधित्व करतीं हैं। ऐसे में निर्वाचित महिला सांसदों का राजनैतिक दायित्व भी कहीं अधिक है। जाहिर है महिला अधिकारों और महिलाओं के राजनैतिक प्रतिनिधित्व के राजनैतिक दावों और उसकी वास्तविकता के मध्य एक गहरा राजनैतिक विरोधाभास और राजनैतिक दलों का दोगलापन है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है? दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, इसलिए जब तक उनका समुचित विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। डॉ. आंबेडकर का मानना था कि सही मायने में प्रजातंत्र तब आएगा जब महिलाओं को पैतृक संपत्ति में बराबरी का हिस्सा मिलेगा और उन्हें पुरुषों के समान अधिकार दिए जाएंगे। उनका दृढ़ विश्वास कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। लेकिन ये सच है कि पितृसत्तात्मक मानदंडों और परम्परागत मानसिकता के चलते ऐतिहासिक रूप से भारत में महिलाओं को हाशिए पर रखा गया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने ये व्यवस्था दी कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों एवं महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन भारत में अधिकांश राज्य विधानसभाओं में महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व का परिदृश्य आज भी निराशाजनक है। वास्तव में भारत की आधी आबादी का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित है।

आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है?

नारी : सदियों से संघर्ष और आज की चुनौती

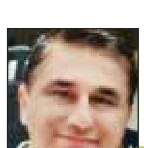

अराजकता

मुनीष भाटिया

स्वतंत्र पत्रकार

ईमानव सभ्यता के लंबे इतिहास पर दृष्टि डालें तो एक कटु सत्य बार-बार सामने आता है कि नारी को अनेक बार समाज और युद्ध की राजनीति में एक कमजोर कड़ी मान लिया गया। शत्रु देशों और दुष्ट प्रवृत्तियों ने अक्सर नारी की अस्मिता पर आघात को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इतिहास के अनेक पन्नों में यह दर्दनाक सच्चाई दर्ज है कि युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उनका सबसे क्रूर प्रभाव स्त्रियों के जीवन पर भी पड़ा।

कभी शत्रु सेनाओं के हाथों, तो कभी सामाजिक परिस्थितियों के कारण नारी को अपमान और शोषण का सामना करना पड़ा। स्त्रियों को अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए असाधारण साहस दिखाना पड़ा। जब आक्रमणकारियों की क्रूरता अपनी सीमा पार कर जाती थी, तब भारत की वीरांगनाओं ने जौहर जैसे कठोर और दर्दनाक निर्णय भी लिए। यह केवल एक घटना नहीं थी, बल्कि उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों की भयावहता का प्रतीक थी। जौहर के पीछे एक ही भावना थी—अपनी गरिमा और सम्मान की रक्षा। दरअसल, युद्ध की मानसिकता में अक्सर यह सोच काम करती रही कि यदि किसी समाज की महिलाओं को अपमानित किया जाए तो उस समाज की आत्मा को चोट पहुंचाई जा सकती है। इसी कारण कई बार नारी को विजय के प्रतीक के रूप में देखा गया और उसे लूट का हिस्सा बना दिया गया। यह प्रवृत्ति मानवता के लिए एक कलंक रही है, जिसने सभ्यता की प्रगति पर भी प्रश्नचिह्न लगाए हैं। समय के साथ समाज में परिवर्तन आया, शिक्षा का प्रसार हुआ और महिलाओं की स्थिति भी काफी हद तक मजबूत हुई। आज महिला शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, खेल और सेना जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। वे केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सक्रिय भागीदार बन चुकी हैं। इसके बावजूद कुछ चुनौतियां ऐसी हैं जो नए रूप में सामने आती रहती हैं। आज के युग में युद्ध का स्वरूप बदल गया है। पहले युद्ध तलवारों और सेनाओं से लड़े जाते थे, लेकिन आज कई बार यह युद्ध मानसिक और भावनात्मक स्तर पर लड़े जा रहे हैं। आधुनिक समय में भी नारी को कमजोर समझ कर उसे भावनात्मक जाल में फंसाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार झूठे प्रेम, छल या किसी छिपी हुई मंशा के माध्यम से महिलाओं को भ्रमित किया जाता है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ ऐसे मामलों में और भी जटिलता आ गई है। दुखद तथ्य यह है कि इस प्रकार के छलावे का शिकार केवल अशिक्षित महिलाएं ही नहीं, बल्कि कई बार पढ़ी-लिखी और जागरूक महिलाएं भी हो जाती हैं। इसका कारण केवल भावनात्मक संवेदनशीलता नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती कृत्रिमता और विश्वास की कमी भी है। जब कोई व्यक्ति झूठे प्रेम या सहानुभूति का जाल बुनता है, तो कई बार सच्चाई को पहचानना कठिन हो जाता है। इस स्थिति से निपटने के लिए केवल कानून ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि सामाजिक जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। परिवार और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं को न केवल शिक्षा मिले, बल्कि उन्हें जीवन के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में भी जागरूक किया जाए। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और विवेक की भावना ही उन्हें ऐसे छलावे से बचा सकती है। समाज में छिपे उन भेड़ियों को पहचानना भी जरूरी है जो सभ्यता और संवेदनशीलता का मुखौटा पहनकर अपने स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सामाजिक स्तर पर स्पष्ट और दृढ़ संदेश देना होगा कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। नारी को केवल भावुकता का प्रतीक मानना भी एक बड़ी भूल है।

जब तक समाज की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा, तब तक महिलाओं के प्रति वास्तविक समानता और सुरक्षा की भावना स्थापित नहीं हो सकेगी।

भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। वह केवल स्नेह और करुणा की प्रतिमूर्ति नहीं, बल्कि साहस, धैर्य और संघर्ष की भी मिसाल है। इतिहास में रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं से लेकर आधुनिक समय की अनेक सफल महिलाओं तक, नारी ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध की है, इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि नारी को कमजोर समझने की मानसिकता को पूरी तरह बदला जाए। समाज को यह समझना होगा कि नारी केवल संरक्षण की पात्र नहीं, बल्कि समान अधिकार और सम्मान की अधिकारी है। जब तक समाज की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा, तब तक वास्तविक समानता और सुरक्षा की भावना स्थापित नहीं हो सकेगी। साथ ही महिलाओं को भी आत्मनिर्भर और आत्म सजग बनने की आवश्यकता है।

महिला किसान - अनदेखी ना रहे अन्नपूर्णा की भागीदारी

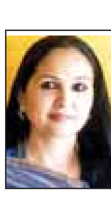

सशक्तीकरण

डॉ. मोनिका शर्मा

स्वतंत्र स्तंभकार

दुनियाभर में स्त्रियों के लिए सम्मान, समानता और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जन-जागरूकता लाने का विशेष दिन है। आधी आबादी की बेहतरी हेतु सजगता लाने और भेदभाव को लेकर सवाल उठाने का परिवेश बनाना इस वैश्विक आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। हालांकि हर देश, हर समाज में महिलाओं की समस्याएं अलग होती हैं पर बीते कुछ वर्षों में दुनिया के हर हिस्से में ही स्त्रियों की भागीदारी को समझने और लैंगिक समानता लाने का भाव बढ़ा है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो स्त्रियों की आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक भागीदारी को आँकने की सोच को बहुत बल मिला है। कामकाजी और शिक्षित स्त्रियों के बढ़ते आंकड़े आधी आबादी की बढ़ती भूमिका को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। महिला दिवस पर विज्ञान से लेकर तकनीक और समाज से लेकर सैन्य बलों तक, अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाती स्त्रियों के प्रेरणादायी चेहरे सामने आते हैं। वर्कफोर्स का हिस्सा बनी इन महिलाओं की समस्याओं पर चिंतन किया जाता है। उनकी उपलब्धियों की चर्चा होती है। भविष्य से जुड़े सकारात्मक बदलावों का धरातल बनाने को लेकर सोचा जाता है।

विचारणीय है कि महानगरों में बड़े आयोजनों तक सिमट जाने वाले महिला दिवस से जुड़े विमर्श में महिला किसान आज भी नदारद हैं। पर्यावरण संरक्षण से लेकर अन्न उपजाने और पशुधन को पालने तक, अनगिनत कामों में लगीं स्त्रियों की यह श्रमशील भूमिका आज भी वैचारिक बहसों का हिस्सा नहीं बन सकी है। जबकि कृषि क्षेत्र से सबसे ज्यादा महिलाएं ही जुड़ी हैं। कृषि कार्यों जैसे बुवाई, कटाई, निराई, खेत की सफ़ाई, कटाई, सिंचाई, उपज की सफ़ाई और भंडारण जैसे काम अधिकतर महिला किसान ही करती हैं। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार खेती-किसानी में पुरुषों की भागीदारी 36.3 प्रतिशत और महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 64.4 प्रतिशत थी। खेती से जुड़े अन्य कार्यों को भी जोड़ लिया जाए तो पशु पालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट, उत्पादन, मशरूम की खेती और फल-सब्जी प्रसंस्करण जैसे कार्यों में 73 फीसदी से अधिक योगदान महिलाओं का ही है। स्पष्ट है कि हमारे देश में कृषि क्षेत्र बहुत हद तक स्त्रियों के श्रम पर ही निर्भर है। बावजूद इसके अन्नपूर्णा कही जाने वाली महिला किसानों को अस्थायी श्रमिक मानकर अनदेखा किया जाता है। आज भी खेती-किसानी में महिला श्रमिकों को पुरुष कामगारों समान वेतन नहीं मिलता। घर की खेती संभालने वाली महिलाओं के काम का तो कोई मौद्रिक मूल्यांकन ही नहीं होता।

पर्यावरण संरक्षण से लेकर अन्न उपजाने और पशुधन को पालने तक, के कामों में लगीं स्त्रियों की यह श्रमशील भूमिका आज भी वैचारिक बहसों का हिस्सा नहीं बन सकी है।

इतना ही नहीं, खेती-किसानी से जुड़ीं ग्रामीण महिलाओं में केवल 13 प्रतिशत के पास अपनी भूमि का स्वामित्व है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संगठन, जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वैश्विक सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी कृषि से जुड़ी महिलाओं के योगदान पर बात करते हुए उनके पीछे छूट जाने का विषय उठा चुकी हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा था कि महिलाओं को कृषि ढांचे के 'पिरामिड' में सबसे नीचे रखा जाता है।

चिंतनीय है कि बात चाहे भूमि स्वामित्व की हो या स्वास्थ्य समस्याओं की। सुरक्षा की हो या सम्मान की, अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले कृषि क्षेत्र में लगीं महिला कृषकों से जुड़े विषय विचार-विमर्श का विषय नहीं हैं। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के आंकड़ों में भी महिला कृषकों का जिक्र कम ही होता है। सुखद है कि अब खुद महिला किसान स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों के माध्यम से संगठित एवं जागरुक हो रही हैं। जैविक खेती, तकनीकी का उपयोग या उत्पादकता बढ़ाने वाले नवाचार, महिला किसानों को सजग-सशक्त बना रहे हैं। ज्ञात हो कि संयुक्त राष्ट्र ने भी वर्ष 2026 को महिला किसान के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में नामित किया है।

इसका उद्देश्य भी उत्पादन से लेकर व्यापार तक कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका और हासिल किए जा रहे उन लक्ष्यों को सामने लाना है, जिन्हें आमतौर पर मान्यता नहीं मिलती। असल में महिला किसानों की हिस्सेदारी को मान दिए बिना उनका सशक्तीकरण संभव नहीं। उनकी भागीदारी को आंके बिना सामाजिक-पारिवारिक उलझनों और लैंगिक भेदभाव के दंश को नहीं समझना मुश्किल है। उनके श्रम को मान्यता दिए बिना मानसिक-भावनात्मक अनुभूतियों का विमर्श का हिस्सा बनना कठिन है।स्पष्ट है कि कृषि क्षेत्र का प्रमुख कार्यबल बनी इन स्त्रियों को सशक्त बनाने के प्रयास भी आवश्यक हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दो टूक

ईरान पर हमले होंगे तेज, छह हफ्तों में हवाई क्षेत्र पर करेंगे पूरा नियंत्रण

अमेरिका ने कहा है कि वह आने वाले कुछ हफ्तों में ईरान के हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण पाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि वॉशिंगटन को उम्मीद है कि अमेरिका के जो सैन्य उद्देश्य तय किए गए हैं, उन्हें करीब चार से छह हफ्तों के भीतर पूरा किया जा सकता है

अमेरिका - ईरान जंग
विश्व युद्ध की आहट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष शनिवार को अपने आठवें दिन में प्रवेश कर गया। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी कि ईरान पर हमले तेज होंगे। अमेरिका ने कहा है कि वह आने वाले कुछ हफ्तों में ईरान के हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण पाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन को उम्मीद है कि अमेरिका के जो सैन्य उद्देश्य तय किए गए हैं, उन्हें करीब चार से छह हफ्तों के भीतर पूरा किया जा सकता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, मौजूदा हालात में अमेरिका की रणनीति ईरान के हवाई क्षेत्र पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने और क्षेत्र में अपनी सैन्य बढ़त बनाए रखने की है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि ईरान के अंदर अब तक 3,000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए गए हैं।

ईरान में अब तक 3,000 से ज्यादा ठिकानों पर यूएस ने हमले किए

ट्रंप ने सैन्य हथियार निर्माण कंपनियों के साथ की बेहद महत्वपूर्ण बैठक

अमेरिकी का हथियार उत्पादन चार गुना बढ़ाने का ऐलान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और हथियार उत्पादन चौगुना करने की योजना का खुलासा किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर ट्रंप ने बताया कि उन्होंने हाल ही में अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य हथियार निर्माण कंपनियों के साथ एक अहम बैठक की। इसमें उन्होंने प्रोडक्शन और प्रोडक्शन शेड्यूल पर चर्चा की। साथ ही उच्चस्तरीय हथियार के उत्पादन को चार गुना बढ़ाए जाने पर सहमति बनी। ट्रंप ने बताया कि इन हथियारों का उत्पादन जल्द से जल्द और उच्च मात्रा में हासिल करना उनकी प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इन हथियारों के उत्पादन विस्तार का काम तीन महीने पहले ही शुरू हो चुका है और कई हथियारों की निर्माण प्रक्रिया अब भी चल रही है।

ईरान के इस्फहान पर हुए हमले में एक महिला सहित 8 लोगों की मौत

ईरान के मध्य प्रांत इस्फहान पर अमेरिकी-इजराइली हमलों में कम से कम आठ लोगों के मारे जाने की खबर है। इस्फहान प्रांत में राज्यपाल कार्यालय के एक सुरक्षा अधिकारी अकबर सालेही ने कहा कि इन हमलों में एक महिला सहित 8 नागरिक शहीद हो गए। अमेरिकी और इजराइली शासन के लड़ाकू विमानों ने इस्फहान शहर और प्रांत के सात अन्य शहरों के इलाकों पर हमला किया। शहर के साथ-साथ लेनजान और बोरखर इलाकों में 80 घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

इजराइल ने ईरान पर 230 बम गिराए

इजराइली सेना के हवाले से बताया कि 80 लड़ाकू विमानों ने रात भर में ईरान पर 230 बम गिराए हैं। जिससे ईरान की राजधानी तेहरान सहित कई स्थानों पर भीषण विस्फोट हुए हैं। रात भर चले हमलों की लहर में 80 से अधिक लड़ाकू विमान शामिल थे, जिन्होंने 'कई सैन्य स्थलों' पर 230 गोला-बारूद गिराए। इनमें आईआरजीसी का एक सैन्य विश्वविद्यालय, मिसाइल लॉन्चिंग ढांचा स्थल और बैलिस्टिक मिसाइलों के भंडारण और निर्माण के लिए एक भूमिगत स्थल शामिल थे।

इजराइल को 151.8 मिलियन डॉलर की सैन्य सहायता मंजूर

अमेरिका ने इजराइल को लगभग 151.8 मिलियन डॉलर (करीब 1300 करोड़ रुपए) के हथियारों और सैन्य सहायता की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी को एक आपातकालीन बिक्री के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इस तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि मौजूदा आपातकालीन स्थिति को देखते हुए यह सैन्य सामान तुरंत बेचना आवश्यक हो गया था। यह कदम इजराइल की सैन्य क्षमता को मजबूत करने और क्षेत्र में अपनी स्थिति बनाए रखने के उसके प्रयासों का समर्थन करने के लिए उठाया गया है।

लावन युद्धपोत पर जयशंकर की सफाई

मानवीय आधार पर दी डॉकिंग की अनुमति

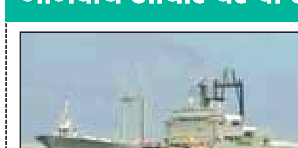

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत ने ईरान के नौसैनिक जहाज 'आईरिस लावन' को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति मानवीय आधार पर दी थी। उन्होंने बताया कि जहाज में तकनीकी समस्या आने के बाद ईरान ने भारत से सहायता मांगी थी, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। दरअसल, ईरान का एक अन्य जहाज 'आईरिस देना' अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में डूब गया था। इसी बीच 'आईरिस लावन' ने तकनीकी दिक्कतों की जानकारी देते हुए भारत के बंदरगाह पर आने की अनुमति मांगी। विदेश मंत्री ने बताया कि यह अनुरोध 28 फरवरी के आसपास आया था और भारत ने 1 मार्च को जहाज को कोच्चि पोर्ट में प्रवेश की अनुमति दे दी। कुछ दिनों की यात्रा के बाद जहाज वहां पहुंच गया। जहाज पर मौजूद 183 क्रू सदस्य फिलहाल कोच्चि स्थित नौसैनिक सुविधाओं में ठहरे हुए हैं।

अरब लीग के विदेश मंत्रियों की आज आपात बैठक

ईरानी हमलों के मुद्दे पर अरब लीग के विदेश मंत्री रविवार को एक आपात बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में कई अरब देशों के क्षेत्रों पर हुए ईरानी हमलों और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की जाएगी। अरब लीग के सहायक महासचिव हुसाम जाकी ने बताया कि यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इस आपात बैठक की मांग सऊदी अरब, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और मिस्र ने संयुक्त रूप से की है। इन देशों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव और हमलों को देखते हुए तत्काल चर्चा और सामूहिक रुख तय करना जरूरी हो गया है। 28 फरवरी को जंग की शुरुआत से अब तक ईरान इजराइल समेत पश्चिम एशिया के 13 देशों को निशाना बना चुका है।

ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइल 'फतह' का उपयोग किया

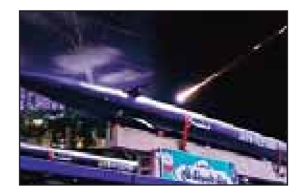

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने सैन्य और सैन्य सहायता केंद्रों पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमलों की 25वीं लहर की घोषणा की है। आईआरजीसी ने कहा कि इस अभियान में हाइपरसोनिक फतह मिसाइल और बैलिस्टिक इमाद मिसाइलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आईआरजीसी की नौसेना ने संयुक्त अरब अमीरात के अल-धाफरा हवाई अड्डे पर ड्रोन हमला किया है। हमले में एक अमेरिकी उपग्रह संचार केंद्र, प्रारंभिक चेतावनी और फायर कंट्रोल रडार को निशाना बनाया गया। इजराइली सेना के मुताबिक ईरान ने मिसाइलें हमलों की नई लहर शुरू कर दी है। इजराइली रक्षा प्रणालियां इस खतरे को रोकने के लिए काम कर रही हैं। सेना के अनुसार संबंधित क्षेत्रों के निवासियों को मोबाइल फोन पर अलर्ट प्राप्त हुआ है। सेना ने कहा कि रक्षा प्रणालियां काम कर रही हैं।

मुनीर ने सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन से मुलाकात की

पाकिस्तान के रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर सऊदी अरब पहुंचे और वहां रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से मुलाकात कर सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। प्रिंस खालिद बिन सलमान ने शनिवार तड़के 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि उनकी फील्ड मार्शल मुनीर के साथ हुई बैठक का मुख्य उद्देश्य उन हमलों को रोकने के उपायों पर चर्चा करना था, जो उनके अनुसार क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के हित में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि ईरान समझदारी और विवेक को प्राथमिकता देगा और गलत आकलन से बचेगा।

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाला दोषी करार, पाक का, ईरान ने दिया था प्रशिक्षण

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाले पाकिस्तान के 48 साल के आसिफ रजा मर्चेंट को शुक्रवार को ब्रुकलिन की अदालत में दोषी ठहराया गया। एक फेडरल जूरी ने उसे भाड़े पर हत्या करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश का अपराधी माना। मर्चेंट को अब उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने बताया कि मर्चेंट खास तौर पर ट्रंप को मारने के इरादे से अमेरिका आया था। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) का एक प्रशिक्षित एजेंट था। उसने अदालत में माना कि साल 2024 में आईआरजीसी ने उसे राजनीतिक हत्याओं का इंतजाम करने के लिए अमेरिका भेजा था। उसके निशाने पर ट्रंप के अलावा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और निक्की हेली भी हो सकते थे। मर्चेंट ने स्वीकार किया कि उसका मुख्य लक्ष्य ट्रंप ही थे।

ईरान पर हमले निंदनीयः मलेशिया

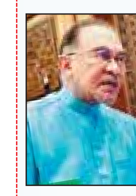

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले को लेकर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एक बार फिर से अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने ईरान के प्रति मलेशिया के लोगों की सहानुभूति और एकजुटता दिखाई। एक्स पर मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने कहा कि मैंने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से इस बहुत मुश्किल समय में ईरान के लोगों के साथ मलेशिया की सहानुभूति और एकजुटता जाहिर करने के लिए बातचीत की। मैंने हमलों में मारे गए लोगों के लिए मलेशिया की तरफ से अपनी संवेदना भी जाहिर की।

सीबीएसई परीक्षाएं 11 मार्च तक स्थगित

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पश्चिम एशिया के सात देशों- बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में कक्षा 12वीं की 9, 10 और 11 मार्च 2026 को होने वाली बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। नई तारीखें बाद में घोषित होंगी। 10 मार्च को स्थिति की समीक्षा के बाद आगे की परीक्षाओं पर फैसला लिया जाएगा। बोर्ड की ओर से 7 मार्च 2026 को जारी एक आधिकारिक सर्कुलर में यह जानकारी दी गई है।

दुबई के लिए 80 फीसदी महंगा हुआ हवाई टिकट

युद्ध के चलते पिछले एक हफ्ते में भारत से दुबई के लिए फ्लाइट टिकट के दाम 60 से 80 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। वहीं, भारत से यूरोप जाने वाली फ्लाइट्स के टिकट 40 फीसदी से ज्यादा महंगे हो गए हैं। भारत-दुबई कॉरिडोर पर काफी कम फ्लाइट्स ऑपरेट हो रही हैं। ऐसे में एकतरफा टिकट के किराए में 60% से 80% तक की बढ़ोतरी हुई है। जर्मनी और पुर्तगाल जैसे यूरोपीय देशों के फ्लाइट टिकट्स की कीमत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। 1 से 5 मार्च के बीच की बुकिंग में में बीते सप्ताह की तुलना में 40 फीसदी तक टिकट महंगा हुआ है। दिल्ली से फ्रैंकफर्ट रूट पर कई दिनों के लिए उपलब्ध ही नहीं है। वहीं, इकनॉमी क्लास का सबसे सस्ता टिकट भी 1.5 लाख रुपए तक पहुंच गया है।

खबर संक्षेप

इमरान की पार्टी के 47 कार्यकर्ताओं को जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 47 नेताओं और समर्थकों को अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला रावलपिंडी की आतंकवाद निरोधक अदालत ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने इन सभी लोगों को मई 2023 में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों और तोड़फोड़ के मामले में दोषी पाया है।

रूस का यूक्रेन के शहर पर हमला, 7 की मौत

कीव। रूस ने शनिवार को यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में एक भीषण मिसाइल हमला किया। रूसी मिसाइल एक पांच मंजिला रिहायशी इमारत से टकरा गई, जिससे कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। हमले के बाद राहत और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं।

नैरोबी में भारी बारिश का कहर, 8 की मौत

नैरोबी। केन्या की राजधानी नैरोबी में शुक्रवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। इसमें अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस प्रमुख जॉर्ज सेडा के अनुसार, मृतकों में छह लोग डूब गए और दो लोगों की जान बिजली का करंट लगने से गई। राहत और बचाव कार्य अभी जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

रायसीना डायलॉग 2026 के 11वें संस्करण में विदेश मंत्री जयशंकर बोले

भारत में सभी देशों को एक मंच पर लाने की काबिलियत, दुनिया को हम पर भरोसा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यहां आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 के 11वें संस्करण के आखिरी दिन शनिवार को भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कार्यक्रम को संबोधित किया और हिंद महासागर में भारत की कूटनीति की सराहना की। जयशंकर ने बताया कि भारत के पास सभी देशों को एक मंच पर लाने की काबिलियत है, क्योंकि वे हम पर ज्यादा भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा कि जब हिंद महासागर की बात आती है तो भारत की एक खास अहमियत है और इसलिए एक खास जिम्मेदारी और एक खास योगदान है। हमारे पास बहुत सारे देशों को टेबल पर या प्लेटफॉर्म पर साथ लाने की क्षमता है क्योंकि हमारे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। शायद वे हम पर ज्यादा भरोसा करते हैं या वे हमारे साथ ज्यादा कंफर्टेबल हैं।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

भारत ने वैश्विक संस्थानों का निर्माण किया

जयशंकर ने कहा कि हम निरंतर ऐसे संस्थानों का निर्माण कर रहे हैं, जिनमें आईओआर, कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन और बिम्सटेक जैसे मंच शामिल हैं। यद्यपि हम जीसीसी जैसे कुछ समूहों का हिस्सा नहीं हैं, फिर भी ये सभी प्रयास एक वृहद हिंद महासागर की आधारशिला हैं। दूसरी ओर, प्रशांत क्षेत्र के देश भी इस व्यापक संरचना का आधार बन रहे हैं। ये एक बड़े प्रकार की समग्र तस्वीर की नींव हैं। अब इसके अलावा, यह द्विपक्षीय भी है।

कई देशों के पास भारत के जहाज

जयशंकर ने कहा कि जब मैं अपने तीन सहयोगियों, सेशेल्स, मॉरीशस और श्रीलंका को उनकी नौसेनाओं और उनके तट रक्षकों के साथ देखता हूं, तो हमारा साथ मिलकर काम करने का एक लंबा इतिहास रहा है। उनमें से कई के पास भारतीय मूल के जहाज या शिल्प हैं। हमने एक साथ प्रशिक्षण किया है, हमने एक साथ अभ्यास किया है और सिर्फ उनके साथ ही नहीं, अगर आप वास्तव में हिंद महासागर या भारत-प्रशांत में बड़े अभ्यासों को देखें, तो ऑस्ट्रेलिया फिर से एक बहुत ही महत्वपूर्ण अभ्यास भागीदार है।

भारत कई तरह की समुद्री सुरक्षा कर रहा

विदेश मंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना या भारतीय तट रक्षक कई देशों के साथ समुद्री सुरक्षा और गतिविधियों में काम कर रहे हैं। हम सिंगापुर में समुद्री डकैती का मुकाबला करने के लिए आधारित संगठन के सदस्य हैं। हम ड्रग्स नेटवर्क का मुकाबला करने के मामले में मदद करते हैं, हम आईयूयू मछली पकड़ने से निपटते हैं। हम एचएडीआर की स्थिति से निपटते हैं, हम ऑयल स्पिल से डील करते हैं। श्रीलंका में एक बड़ा ऑयल स्पिल हुआ था, मॉरीशस में एक बड़ा ऑयल स्पिल हुआ था। असल में इंडियन वेसल ही थे जो सबसे पहले वहां गए और सफाई में मदद की।

फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब बोले

आने वाला समय 'भारत' का, वो कर सकता है किसी भी पक्ष से बात

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने शनिवार को भारत की जमकर सराहना की है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जो वैश्विक विवादों में हर पक्ष से बात कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की संतुलित विदेश नीति उसे वैश्विक संघर्षों में कई पक्षों से संबंध बनाए रखने में मदद करती है। भारत उन दुर्लभ देशों में से है जो लगभग सभी से बात कर सकता है। इसकी विदेश नीति व्यावहारिक और यथार्थवादी है। भारत के गहरे गठबंधन नहीं हैं, जो इसे काफी खुला बनाता है। उन्होंने कहा कि भारत के रूस, यूक्रेन और अमेरिका के साथ संबंध उसे कूटनीतिक रूप से मजबूत स्थिति में रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी, बढ़ती अर्थव्यवस्था और गौरवशाली इतिहास यह बताते हैं कि आने वाला समय भारत का ही है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का भी पुरजोर समर्थन किया। कहा कि वैश्विक संस्थाओं को 1945 के बजाए आज की हकीकत के हिसाब से काम करना चाहिए।

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब

आधुनिक युद्ध क्षेत्रीय संकट बने

स्टब ने कहा कि भारत के पीएम के साथ शुक्रवार को तीन घंटे बिताना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात थी। हमने विश्व भर के संघर्षों, चीन, अमेरिका, रूस और यूरोप के साथ संबंधों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर भी व्यापक और सार्थक बातचीत की। स्टब ने कहा कि आधुनिक संघर्ष स्थानीय युद्धों से आगे बढ़कर क्षेत्रीय संकट बन गए हैं। उन्होंने कहा स्थिति नाजुक है। स्टब ने क्षेत्र में तनाव कम करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही देश झगड़ों से दूर रहने की कोशिश करें, लेकिन कोई भी इसके ग्लोबल असर से बचा नहीं जा सकता, क्योंकि इससे तेल की कीमतें, व्यापार और समुद्री मार्ग हमेशा प्रभावित होते हैं। हाल के घटनाक्रमों ने क्षेत्र में जोखिम बढ़ा दिए हैं।

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल का दावा

अन्य देशों की तुलना में भारत को अमेरिका से सबसे बेहतर डील मिली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत ने अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका के साथ सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता हासिल किया है। उन्होंने कहा दोनों देश एक अत्यंत शक्तिशाली संबंध साझा करते हैं। गोयल ने कहा कि अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और कोई भी इसकी उपेक्षा नहीं कर सकता। रायसीना संवाद 2026 में उन्होंने कहा कि हमारे संबंध बेहतरीन हैं और राष्ट्रपति ट्रंप ने सदैव भारत और पीएम मोदी के विषय में प्रशंसात्मक बातें कही हैं। भारत-

अमेरिका संबंध सुदृढ़ और बहुआयामी हैं, जिनमें व्यापार के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा और वृहद निवेश की मुख्य भूमिका है। समझौते के तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर शुल्क कम करेगा। साथ ही भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से ऊर्जा उत्पादों, विमानों, प्रौद्योगिकी और कोकिंग कोल सहित 500 अरब डॉलर की खरीद करने की मंशा भी जताई है।

नेपाल चुनावः 4 साल पुरानी पार्टी की ऐतिहासिक जीत

बालेन शाह ने भारत विरोधी केपी ओली को 50,000 वोटों से हराया

आरएसपी ने 165 में से 62 सीटें जीती, 60 पर आगे

सफल चुनाव कराने पर पीएम की नेपाल को बधाई

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 165 सीटों पर शुरुआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली को 50 हजार वोटों से हरा दिया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के बालेन शाह और ओली झापा-5 सीट से चुनाव लड़ रहे थे। यहां बालेन शाह को 68,348 वोट मिले, जबकि केपी शर्मा ओली को 18,734 वोट मिले। ओली को भारत विरोधी नेता माना जाता है। उन्होंने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का

जीत के प्रमाण पत्र के साथ बालेन शाह

चुनाव जीता था। बालेन शाह की आरएसपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। आरएसपी ने अब तक 62 सीटें जीत ली हैं, जबकि 60 सीटों पर आगे चल रही है। यह पार्टी सिर्फ 4 साल पहले एक पत्रकार रहे रबि लामिछाने ने बनाई थी। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 5 मार्च को हुए चुनाव में 58% लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती पूरी होने में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी।

शाह रैपर, गीतकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर

काठमांडू के नारादेवी में जन्मे बालेन शाह मधेशी परिवार से आते हैं। उनके पिता स्वर्गीय राम नारायण शाह प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक थे। 2015 के गोरखा भूकंप के बाद शाह राहत कार्यों में भी सक्रिय रहे थे। वे एक रैपर, गीतकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर भी हैं। उन्होंने 2012 में अपने संगीत करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में वे विवेकशील पार्टी से जुड़े थे। बाद में 2022 में काठमांडू मेयर का चुनाव उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता था।

पीएम पद के प्रमुख दावेदार हैं 'बालेन'

इसके बाद दिसंबर 2025 में वे आरएसपी में शामिल हुए और 2026 के आम चुनाव में पार्टी के अभियान का नेतृत्व किया, जहां उन्हें नेपाल के पीएम पद के प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। 'बालेन' के नाम से मशहूर बालेंद्र शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को 'मधेश का बेटा' बताया था और पार्टी ने 'अबकी बार बालेंद्र सरकार' का नारा दिया था।

नई सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी ने नेपाल में सफल रहे चुनाव के बाद नेपाल की जनता और सरकार को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मैं नेपाल के लोगों और सरकार को चुनाव के सफल आयोजन पर दिल से बधाई देता हूं। अपने नेपाली भाइयों और बहनों को अपने डेमोक्रेटिक अधिकारों का इतने जोश के साथ इस्तेमाल करते देखना बहुत अच्छा लग रहा है। भारत नेपाल के लोगों और उनकी नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के अपने वादे पर कायम है।

जॉन की 'फोर्स 3' में हर्षवर्धन राणे की हुई एंट्री

मुंबई। जॉन अब्राहम की फिल्म 'फोर्स' और 'फोर्स 2' 2011 और 2016 में रिलीज हुई थी। अब निर्माता इसकी तीसरी कड़ी लेकर आ रहे हैं जिसमें हर्षवर्धन राणे भी आधिकारिक तौर पर शामिल हो गए हैं। इस खबर ने उनके फैंस को खुश होने का बड़ा मौका दे दिया है। दिलचस्प बात यह है कि 'फोर्स 3' में अपने होने की पुष्टि हर्षवर्धन ने सोशल मीडिया पर खुद की है। साथ ही, फिल्म के सेट एक वीडियो भी साझा किया है। हर्षवर्धन ने गुजरात में 'फोर्स 3' की शूटिंग शुरू कर दी है। इससे पहले, उन्होंने इंस्टाग्राम पर मुहूर्त पूजा का एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह शूटिंग शुरू करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लेते।

लाइफ Style

दिव्या

'चिरैया' सीरीज का दमदार ट्रेलर जारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दिव्या दत्ता सिनेमा का वो चेहरा हैं, जो अपने अभिनय के दम पर दिल और दिमाग में छाप छोड़ जाती हैं। फिर वह कुछ ऐसा करते दिखाई देंगी, लेकिन इस बार उन्होंने भारतीय समाज के सबसे संवेदनशील मुद्दे को उठाया है।

दिव्या एक ऐसी कहानी ला रही हैं जिसके जरिए समाज को यह संदेश दिया जाएगा कि 'शादी लाइसेंस नहीं देती' है। उनकी आगामी वेब सीरीज का नाम 'चिरैया' है जिसका दमदार ट्रेलर और रिलीज तारीख जारी हो गई है। 'चिरैया' का ट्रेलर 1 मिनट 43 सेकंड लंबा है जिसकी शुरुआत एक आदर्श परिवार से होती है। दिव्या मुख्य किरदार में हैं, और संजय मिश्रा उनके पति की भूमिका निभा रहे हैं।

ट्रेलर के जरिए बताने की कोशिश की गई है कि शादी का मतलब यह नहीं होता कि पति को अपनी पत्नी की सहमति के खिलाफ जाकर उसके साथ जबरदस्ती करने का हक मिल जाएगा। सीरीज कई साल से चली आ रही समाज की मानसिकता पर सवाल उठाती है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित 'चिरैया' का निर्माण एसवीएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। दिव्या और संजय के अलावा, सिद्धार्थ शॉ, सरिता जोशी, फैसल राशिद, टीनू आनंद और प्रसन्ना बिष्ट जैसे सितारे सीरीज में अलग-अलग किरदारों के साथ दिखे हैं। सीरीज में कुल 6 एपिसोड हैं जिनका प्रीमियर 20 मार्च, 2026 से जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा।

हॉलीवुड मसाला

खुद को फिट और फाइन रखते हैं

लॉस एंजिल्स। 'हैरी पॉटर' सीरीज के स्टार डेनियल रेडक्लिफ ने अपनी फिटनेस जर्नी और सेहत के प्रति जुनून के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था कि उनकी लाइफस्टाइल काफी खराब थी, लेकिन अब वह फिटनेस को लेकर बेहद गंभीर हैं। डेनियल रेडक्लिफ ने बताया कि कैसे उन्होंने बुरी आदतों को छोड़कर जिम और हेल्दी रूटीन को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाया। डेनियल ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि टीन एज में वह 'पूरे दिन कॉफी और सिगरेट' पर चलते थे।

19 साल बाद भारत लौट रहीं पॉप स्टार शकीरा

मुंबई। करीब दो दशकों के बाद ग्लोबल पॉप स्टार शकीरा एक बार फिर भारत में लाइव परफॉर्म करेंगी। खास बात यह है कि इस बार शकीरा 10 अप्रैल को मुंबई में और 15 अप्रैल को दिल्ली में परफॉर्म करेंगी। यह पहली बार है कि शकीरा का भारत दौरा दो शहरों में आयोजित किया जा रहा है। दोनों ही शहरों में उनके भारी संख्या में फैंस हैं। माना जा रहा है कि ये कॉन्सट्र्स पूरी तरह हाउसफुल रहेंगे। शकीरा की एनर्जी, डांस मूव्स और सुपरहिट गानों का जादू भारतीय दर्शकों के सिर चढ़कर बोलेगा। अगर शकीरा के भारत कनेक्शन की बात करें, तो उन्होंने आखिरी बार साल 2007 में मुंबई में परफॉर्म किया था। उस समय वह अपनी 'ओरल फिक्सेशन टूर' के तहत भारत आई थीं। अब लगभग 19 साल बाद फैंस को उनकी लाइव परफॉर्मेंस देखने के लिए मिलेगी।

गांव की छोरी बनकर मचाएंगी धमाल

मुंबई। सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म 'पेड्डी' लंबे समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। 2025 में आई 'गेम चेंजर' की निराशाजनक परफॉर्मेंस के बाद, राम की इस फिल्म से लोगों की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित 'पेड्डी' में जाह्नवी कपूर बतौर मुख्य अभिनेत्री नजर आएंगी। चूकि 6 मार्च को अभिनेत्री 29 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर फिल्म से उनकी नई झलक जारी की गई है। आगामी 30 अप्रैल को रिलीज हो रही 'पेड्डी' में, जाह्नवी को 'अचियम्मा' के रूप में पेश किया गया है। पोस्टर में वह साहसी, आत्मविश्वासी और ऊर्जा से भरपूर दिखी हैं। सूती कपड़ों के साथ, गोल फ्रेम का चश्मा लगाए उनका लुक गांव की देहाती छोरी जैसा प्रतीत होता है।

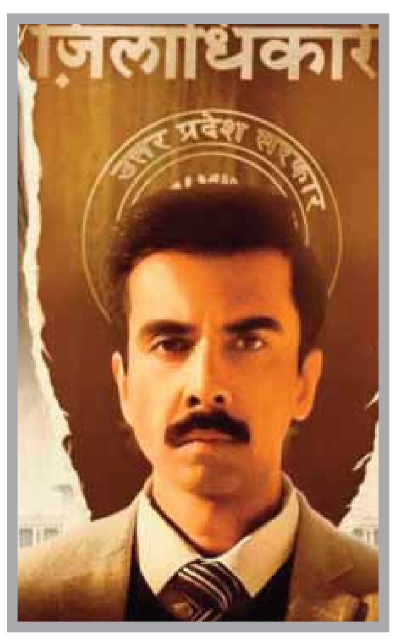

'एस्पिरेंट्स सीजन-3' का ट्रेलर जारी

मुंबई। द वायरल फीवर की बेहद लोकप्रिय ड्रामा सीरीज 'एस्पिरेंट्स' अपने तीसरे सीजन के साथ धमाका करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। 6 मार्च को निर्माताओं द्वारा इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इसके निर्देशन की कमान दीपेश सुमित्रा जगदीश ने संभाली है। 'एस्पिरेंट्स सीजन 3' का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। यह 13 मार्च से भारत समेत दुनियाभर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में एक साथ दस्तक देगी। 'एस्पिरेंट्स सीजन 3' के ट्रेलर में कहानी को नए मोड़ पर पहुंचते हुए दिखाया गया है। सीरीज में नवीन कस्तूरिया, शिवांकित सिंह परिहार, अभिलाष थपलियाल, सनी हिंदुजा, नमिता दुबे और तेंगम सेलीन अपने पुराने किरदारों के साथ लौटे हैं। वहीं जतिन गोस्वामी को नए चेहरे के रूप में कहानी में शामिल किया गया है।

टीवी मसाला

'सरप्राइज, सरप्राइज!' एक बार फिर लौट रहे हैं अमिताभ

मुंबई। देवियों और सज्जनों, मैं, अमिताभ बच्चन, आप सभी का एक बार फिर स्वागत करता हूँ" यह आवाज़ जल्द ही आपके घरों में गूंजेगी। देश के सबसे पॉपुलर और पसंदीदा क्विज़ रियलिटी शो, "कौन बनेगा करोड़पति" का 18वां सीज़न टेलीविज़न पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है। सोनी टीवी के शो का एक नया प्रोमो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें सदी के महानायक, अमिताभ बच्चन अपने पुराने अंदाज़ में शो की वापसी की घोषणा करते हुए दिख रहे हैं।

चुलबुले अंदाज में प्रोमो की शुरूआत

प्रोमो की शुरुआत अमिताभ बच्चन के चुलबुले अंदाज़ से होती है। कैमरे के सामने आकर वह कहते हैं, "सरप्राइज़!" लाल वेलवेट कोट और काली पैंट पहने वह हमेशा की तरह डैपर लग रहे हैं। वीडियो में, बिग बी शीशे के सामने खड़े होकर अपनी बाहें फैलाते हुए कहते हैं, "सरप्राइज़!" हालांकि, बीच में वह एक छोटी सी गलती पर मुस्कुराते हुए कहते हैं, "सॉरी, मुझसे गड़बड़ हो गई," और फिर अपना वीडियो जारी रखते हुए केबीसी रजिस्ट्रेशन की घोषणा करते हैं।

रजिस्ट्रेशन की तारीख का खुलासा

केबीसी के इस नए सीज़न का बेसब्री से इंतज़ार है। फैंस के लिए सबसे बड़ी खबर यह है रजिस्ट्रेशन की तारीख। वीडियो में साफ-साफ बताया गया है कि शो के सवाल और रजिस्ट्रेशन प्रोसेस 9 मार्च से शुरू होंगे। दर्शक सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव ऐप के जरिए हिस्सा ले सकते हैं।

स्कैम से सावधान रहने की अपील

प्रोमो के आखिर में एक जरूरी डिस्क्लेमर भी दिया गया है, जिसमें कंटेस्टेंट को किसी भी स्कैम या लॉटरी स्कैम का शिकार न होने की चेतावनी दी गई है। चैनल ने साफ किया है कि 'कौन बनेगा करोड़पति' कभी किसी से कोई फीस या चार्ज नहीं मांगता है।

फैंस एक्साइटेड हैं

अमिताभ बच्चन और केबीसी का पुराना रिश्ता है। पिछले सीजन के आखिर में जब बिग बी इमोशनल हो गए थे, तो उनकी वापसी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन अब, इस ऑफिशियल प्रोमो ने उन सभी कयासों पर विराम लगा दिया है। फैंस अपने पसंदीदा होस्ट को फिर से हॉट सीट पर देखने के लिए बेताब हैं। सूत्रों के मुताबिक, नया सीजन जुलाई या अगस्त में आएगा।

कार्तिक की नई हीरोइन प्रीति मुकुंदन कौन हैं

'नागजिला' से कर रहीं बॉलीवुड में एंट्री

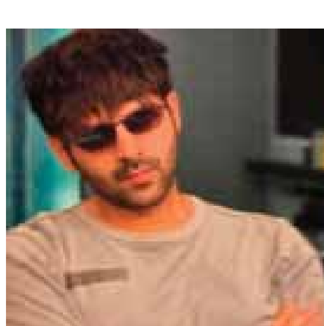

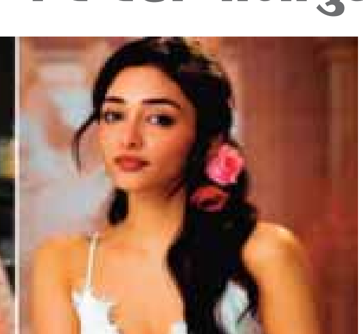

मुंबई। अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अगली रोमांचक फिल्म 'नागजिला' को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार चर्चा सिर्फ कार्तिक की नहीं, बल्कि उनके साथ नजर आने वाली अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन की भी हो रही है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद प्रीति अब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म के जरिए अपना बॉलीवुड सफर शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, फिल्म के निर्माता प्रीति के चयन से बेहद खुश हैं। सूत्रों का कहना है कि प्रीति मुकुंदन इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। वो फिल्म में एक बड़े मजेदार और कॉमेडी से भरपूर किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खुद प्रीति भी इस किरदार को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि उन्हें दर्शकों के सामने अपना एक अलग अंदाज पेश करने का मौका मिल रहा है।

कौन हैं प्रीति मुकुंदन?

प्रीति एक अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं, जो अब तक कई तेलुगू, तमिल और मलयालम भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रीति ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2024 में तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'ओम भीम बुश' से की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'स्टार' के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखा। उधर 'मैंने प्यार किया' उनकी पहली मलयालम फिल्म थी। प्रीति को विष्णु मांचू और अक्षय कुमार अभिनीत तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' में भी देखा गया था।

टी-20 विश्व कप के समापन समारोह में आज प्रस्तुति देंगे रिकी मार्टिन, चलाएंगे सुरों का जादू

अहमदाबाद। टी-20 विश्व कप 2026 के समापन समारोह के लिए हर कोई उत्साहित है। यह शाम और ज्यादा रंगीन होगी, क्योंकि पॉप गायक रिकी मार्टिन अपनी लाइव प्रस्तुति से सभी का मन मोहने आएंगे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने आधिकारिक पोस्ट साझा करते हुए यह खुशखबरी दी है। परफॉर्मेंस शाम 5:30 बजे से शुरू होंगी।'बता दें, क्रिकेट का यह फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के प्रतिष्ठित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित होगा। रविवार 8 मार्च को होने वाले इस मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम का सामना न्यूजीलैंड से होगा।

आईसीसी ने सोशल मीडिया पर किया ऐलान

: आईसीसी ने रिकी मार्टिन के आगमन की पुष्टि करते हुए लिखा, 'टी-20 विश्व कप का जश्न और भी बड़ा हो गया है! हमें यह ऐलान करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि वैश्विक आइकन और सुपरस्टार रिकी मार्टिन आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले समापन समारोह में मुख्य कलाकार होंगे। यह एक ऐसा उत्सव है जिसे आप बिल्कुल भी छोड़ना नहीं चाहेंगे!

जानिए कौन हैं रिकी मार्टिन

दो बार ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी मार्टिन, लोकप्रिय प्यूर्टो रिकन गायक, गीतकार और एक अभिनेता भी हैं। उन्हें सबसे ज्यादा 'लिविन' ला विडा लोका' के लिए जाना जाता है जो 1999 का लोकप्रिय हिट पॉप गाना है। इसने रिकी को वैश्विक स्तर पर रातों-रात चमका दिया था। उनके अन्य लोकप्रिय गानों में 'द कप ऑफ लाइफ', 'मारिया' और 'शी बैंग्स' शामिल हैं। बतौर अभिनेता उन्हें 'द असासिनेशन ऑफ जियानी वर्साचे' और 'जनरल हॉस्पिटल' जैसी सीरीज में देखा गया है।

बोलीं- अक्षय कुमार की 'चेली' बनकर रहूंगी

'भागम भाग 2' में मीनाक्षी चौधरी की एंट्री पक्की

सही समय पर मिला सही मौका

वैराइटी इंडिया से बातचीत में कहा, मुझे ऐसा लगता है कि ये मौका तब आया, जब मैं बिल्कुल इसी तरह की किसी चीज की तलाश में थी। मैं ऐसी कहानियां ढूंढ रही थी, जिसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सके। मैंने बचपन में इस फिल्म का पहला भाग देखा था और मुझे वो बहुत पसंद आया था, इसलिए इस फिल्म का हिस्सा बनना ऐसा लगता है जैसे ये बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई है।

मीनाक्षी ने क्यों चुनी ये फिल्म

मीनाक्षी ने आगे कहा, इससे पहले कई प्रोजेक्ट्स मेरे पास आए थे, उनकी कहानियों में मेरी उतनी दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन जब 'भागम भाग 2' मेरे पास आई तो इसमें सिर्फ और सिर्फ हंसी और मनोरंजन का एहसास हुआ। मुझे लगता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप किसी भी भाषा के हों, इस फिल्म की कहानी और इसके किरदार आपसे जरूर जुड़ेंगे। आप चाहे किसी भी भाषा में इसे देखें, आप इसका भरपूर आनंद लेंगे।

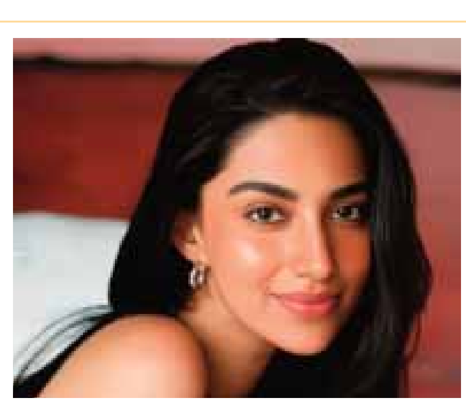

***मुंबई।** साउथ फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी अब बॉलीवुड में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि वो अक्षय कुमार की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म के सीक्वल 'भागम भाग 2' के जरिए हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत करेंगी। मीनाक्षी ने इसे अपने करियर का एक बड़ा मोड़ बताते हुए कहा कि अक्षय जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने का अवसर उन्हें बिल्कुल सही समय पर मिला है।*

मैं तो सेट पर हाथ जोड़कर खड़ी रहूंगी

अक्षय की कॉमिक टाइमिंग के साथ तालमेल बैठाने के सवाल पर मीनाक्षी बोलीं, मैं सेट पर सबसे बड़ी छात्रा बनकर रहूंगी, जैसे गुरु के पास चेले होते हैं। वो जो कहेंगे, मैं वही सीखने और पालन करने की कोशिश करूंगी। मैं इस सेट पर वही बनने जा रही हूं और उनसे जितना हो सके, उतना सीखने की कोशिश करूंगी। आपको हर दिन किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका नहीं मिलता, जो अपने काम में इतना अद्भुत हो।

अक्षय के साथ ये कलाकार भी आएंगे नजर

इस सीक्वल की कमान 'ड्रीम गर्ल' के निर्देशक राज शांडिल्य के हाथों में है, जिन्होंने फिल्म की कहानी भी लिखी है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक रिलीज तारीख का खुलासा नहीं किया है। फिल्म में अक्षय के साथ कॉमेडी के बादशाह परेश रावल, मनोज बाजपेयी और अभिनेत्री आयशा खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। ये 2006 की सुपरहिट फिल्म 'भागम भाग' का आधिकारिक सीक्वल है, जिसका प्रशंसक सालों से इंतजार कर रहे थे।